RAJHIN/2016/70516

Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से खबरें

स्मार्ट हलचल

smarthalchal.com

वर्षः 11 अंकः 39 | जयपुर शुक्रवार, 07 अगस्त 2026 | मूल्यः 4 रुपए | पृष्ठः 08

ब्रीफ न्यूज

अग्नि-4 मिसाइल का हुआ सफल परीक्षण

नई दिल्ली, आरएनएन। भारत ने 6 अगस्त गुरुवार को अपनी रक्षा क्षमताओं का एक बार फिर सफल प्रदर्शन करते हुए ओडिशा के चांदीपुर स्थित इंटीग्रेटेड टेस्ट रेंज से मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-4 का सफल परीक्षण किया। मिसाइल ने सभी परिचालन और तकनीकी मानकों को सफलतापूर्वक पूरा किया। इसकी सटीकता भारत की सामरिक शक्ति को और मजबूत बनाती है।

तहलका के तेजपाल को 10 साल की सजा

नई दिल्ली, आरएनएन। तहलका पत्रिका के संस्थापक तरुण तेजपाल को 2013 में महिला पत्रकार के यौन उत्पीड़न मामले में 10 साल के कारावास की सजा सुनाई गई है। बॉम्बे हाई कोर्ट की गोवा बेंच ने उन्हें दोषी ठहराते हुए यह सजा सुनाई। दोषी ठहराए जाने के बाद तरुण तेजपाल ने कहा कि वह इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देंगे। वकील की मांग पर अदालत ने तरुण तेजपाल को आत्मसमर्पण के लिए अवधि दो सप्ताह से बढ़ाकर चार सप्ताह कर दी।

एक्टर राजपाल यादव के घर की होगी कुर्की

नई दिल्ली, आरएनएन। बैंक लोन को ना चुकाने के कारण एक्टर राजपाल यादव की संपत्ति नीलाम होने की नौबत आ गई है। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने शाहजहांपुर स्थित उनके पैतृक घर पर 16.61 करोड़ रुपये की कुर्की नोटिस चस्पा किया है। साथ ही बैंक ने चेतावनी दी है कि अगर 34 दिनों के भीतर राजपाल यादव लोन की रकम नहीं चुकाते तो उनकी संपत्ति नीलाम कर दी जाएगी। राजपाल यादव ने मुंबई की सेंट्रल बैंक से अपनी पत्नी और मां के नाम पर 16.61 करोड़ रुपये का लोन लिया था।

40 साल पुराने बोफोर्स केस का कानूनी अंत

नई दिल्ली, आरएनएन। सुप्रीम कोर्ट ने बहुचर्चित और राजनीतिक रूप से संवेदनशील बोफोर्स रिश्वत कांड में लंबित आखिरी अपील को खारिज कर दिया। इसके साथ ही करीब 40 साल पुराने इस मामले का कानूनी तौर पर अंत हो गया। पीठ ने वकील अजय के. अग्रवाल की उस अपील पर आगे सुनवाई से इनकार कर दिया, जिसमें 2005 के दिल्ली हाई कोर्ट के फैसले को चुनौती दी गई थी। अग्रवाल ने दो दिवंगत के नाम हटाने के लिए समय मांगा। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने मोहलत देने से इनकार करते हुए कहा कि मामला 2018 से लंबित है और इसे अब और टाला नहीं जा सकता।

10वीं के आंसर शीट की री-चेकिंग 14 से

नई दिल्ली, आरएनएन। सीबीएसई ने कक्षा 10 बोर्ड परीक्षा 2026 के छात्रों के लिए पोस्ट रिजल्ट गतिविधियों की शुरुआत कर दी है। बोर्ड ने मूल्यांकित उत्तर पुस्तिकाओं की स्कैन कॉपी प्राप्त करने के लिए ऑनलाइन आवेदन पोर्टल खोल दिया है। इसके बाद 14 अगस्त 2026 से उत्तर पुस्तिकाओं के वेरिफिकेशन और री-इवैल्यूएशन की प्रक्रिया शुरू होगी। यह सुविधा उन छात्रों के लिए उपलब्ध है जिन्होंने 2026 की मुख्य बोर्ड परीक्षा या मुख्य एवं सेकेंड बोर्ड परीक्षा में भाग लिया था। आवेदन करने के पात्र छात्रो में 2026 की कक्षा 10 मुख्य बोर्ड परीक्षा में शामिल हुए छात्र, मुख्य बोर्ड परीक्षा और सेकेंड बोर्ड परीक्षा दोनों में शामिल छात्र आवेदन कर सकते हैं।

▶ केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट में बताया आरक्षण का आधार

OBC की तरह SC-ST में नहीं हो सकता क्रीमी लेयर का सिद्धांत

आरक्षण के भीतर आय-आधारित सब-कोटा लागू करने की मांग मामले में केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल किया हलफनामा

● नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में उस याचिका का विरोध किया है, जिसमें आरक्षण के भीतर आय-आधारित सब-कोटा लागू करने का निर्देश देने की मांग की गई थी। सरकार का तर्क है कि अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए आरक्षण ऐतिहासिक और सामाजिक पिछड़ेपन पर आधारित है, न कि केवल आर्थिक स्थिति पर। सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा जारी कर कहा है कि याचिका में आरक्षण पर नीति बनाने के लिए निर्देश देने की मांग की है।

केंद्र ने कहा कि आरक्षण नीति में बदलाव करने का फैसला केवल संसद के पास है, न कि अदालत के पास। केंद्र सरकार ने हलफनामे में यह भी कहा कि एससी/एसटी पर क्रीमी लेयर का सिद्धांत लागू नहीं किया जा सकता है और केवल संसद ही इस लिस्ट में बदलाव कर सकती है। सुप्रीम कोर्ट में दाखिल याचिका में मांग की गई थी कि अदालत केंद्र सरकार को एक ज्यादा निष्पक्ष आरक्षण नीति बनाने के लिए निर्देश दे। यह याचिका सीनियर एडवोकेट अश्विनी उपाध्याय ने दाखिल की है। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल इस याचिका का विरोध किया है। सरकार का कहना है कि आरक्षण आर्थिक आधार पर नहीं, बल्कि सामाजिक और शैक्षणिक पिछड़ेपन के आधार पर दिया जाता है।

एससी/एसटी और ओबीसी की पहचान कैसे हुई

- अनुसूचित जातियों की पहचान ऐतिहासिक रूप से अस्पृश्यता (छुआछूत) और सामाजित भेदभाव के आधार पर हुई है।
- अनुसूचित जनजातियों की पहचान उनकी खास संस्कृति, भौगोलिक अलगाव और सामाजिक-आर्थिक पिछड़ेपन के आधार पर की जाती है।
- पिछड़ा वर्गों की पहचान सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक पिछड़ेपन के साथ-साथ सरकारी नौकरियों में प्रतिनिधित्व के आधार पर होती है।

एससी-एसटी में क्रीमी लेयर क्यों नहीं

सुप्रीम कोर्ट में केंद्र सरकार ने कहा कि ओबीसी की तरह ही एससी/एसटी में क्रीमी लेयर का सिद्धांत लागू नहीं किया जा सकता। इसके लिए सरकार ने कई फैसलों का हवाला दिया। हलफनामे में कहा गया है कि इंदिरा साहनी फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया था कि आर्थिक प्रगति के आधार पर किसी व्यक्ति को सामाजिक रूप से पिछड़ा नहीं माना जा सकता। ईवी चिन्नैया मामले में भी साफ किया गया है कि एसी लिस्ट से किसी समुदाय को बाहर करने का अधिकार सिर्फ संसद को है। केंद्र ने कहा कि एम नागराज फैसले में यह नहीं कहा गया था कि एससी/एसटी पर क्रीमी लेयर लागू होगी। अशोक कुमार ठाकुर मामले में भी अदालत ने साफ किया कि क्रीमी लेयर का सिद्धांत सिर्फ ओबीसी तक सीमित है। केंद्र ने यह भी बताया कि शिक्षा और सरकारी नौकरियों में आरक्षण को छोड़कर एससी/एसटी और ओबीसी के लिए चल रही कई कल्याणकारी योजनाओं में पहले से ही आय सीमा लागू है, ताकि जरूरतमंद लोगों तक लाभ पहुंच सके। सरकार ने कहा कि यदि आरक्षण के भीतर आय-आधारित सब-कोटा लागू करने पर विचार करना हो, तो इसके लिए सामाजिक और आर्थिक आंकड़ों की स्टडी करनी होगी। केंद्र सरकार ने याचिका को भ्रामक और आधारहीन बताते हुए इसे खारिज करने की मांग की है।

भागवत बोले, जेन-जी हमारी पीढ़ी से ज्यादा ईमानदार और देशभक्त

मुंबई में आरएसएस प्रमुख ने कहा, जेन-जी और जेन-अल्फा आज सवाल पूछते हैं और उसका तार्किक जवाब भी चाहते है

● मुंबई

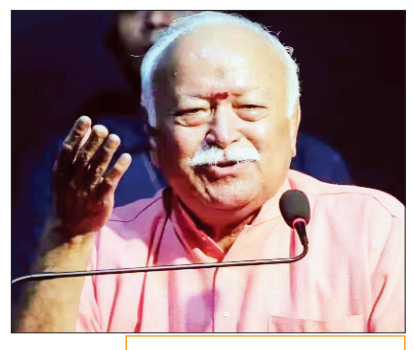

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने कहा है कि जेन-जी और जेन-अल्फा उनकी पीढ़ी से भी ज्यादा ईमानदार और देशभक्त है। उन्होंने यह भी कहा कि जेन जेड आज सवाल पूछता है और उसका तार्किक जवाब चाहता है। उन्होंने दो टूक कहा कि जेन-जी का आंदोलन राष्ट्रविरोधी नहीं है बल्कि वह लोकतंत्र का एक सशक्त माध्यम है।

भागवत ने कहा, मैं यह नहीं कहूंगा कि जेन-जेड को प्रदर्शन नहीं करना चाहिए, लेकिन लोकतंत्र में ऐसा करने के कुछ तरीके होते हैं। संघ प्रमुख ने कहा कि हमें उनकी बात सुननी चाहिए थी। उनसे बातचीत में कमी थी, इसीलिए दिल्ली के जंतर-मंतर पर ऐसा आंदोलन हुआ। मुंबई के नीता मुकेश अंबानी कल्चरल सेंटर में इंडिया इंटरनेशनल मूवमेंट टू यूनाइट नेशंस यानी आईआईएमयूएन द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में जेन-जी और जेन-अल्फा को संबोधित करते हुए संघ प्रमुख ने ये बातें कहीं। भागवत ने कहा, लोकतंत्र में विरोध भी आम सहमति बनाने का एक तरीका है। कई तरह के विचार सामने आते हैं और चर्चा के बाद आम सहमति बनती है; यह चर्चा बातचीत के जरिए हो सकती है। अगर अलग-अलग वजहों से बात नहीं सुनी जाती, तो आंदोलन किया जा सकता है। लेकिन ऐसा आम सहमति बनाने के लिए किया जाना चाहिए, न कि बंटवारा करने के लिए। युवाओं के नेतृत्व में दुनिया के सबसे बड़े सम्मेलनों में से एक में हिस्सा लेते हुए आरएसएस प्रमुख ने कहा कि जेन-जी अपने लोग हैं और अगर वे विरोध कर रहे हैं, तो उनकी चिंताओं पर ध्यान दिया जाना चाहिए। दुनिया को जोड़ने में युवाओं की भूमिकाः भारतीय तरीका नाम के सम्मेलन में भागवत ने कहा, अगर जेन-जेड विरोध कर रहा है, तो वे निश्चित रूप से देश-विरोधी नहीं हैं, वे हमारे अपने लोग हैं, हमारी अगली पीढ़ी हैं।

इस उम्र में हम बड़ों की बात मान लेते थे

संघ प्रमुख ने अपने अनुभव के बारे में एक सवाल के जवाब में कहा, जेन-जी के बारे में मेरे अनुभव की बात करें तो, जब हम उनकी उम्र के थे, तो हम बड़ों की बात मान लेते थे, कभी सवाल नहीं उठाते थे। अब, जेन-जी और जेन-अल्फा सवाल पूछते हैं, उन्हें तार्किक जवाब और प्यार चाहिए, लोकतंत्र में यही तरीका है। इसे अंग्रेज़ी में डिबेट कहते हैं, हम इसे शास्त्रार्थ कहते हैं। वहां कोई बहस नहीं होती, बल्कि दो पक्ष होते हैं, पूर्व और उत्तर।

जाति-आधारित आरक्षण रहेगा

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने आरक्षण को जारी रखने पर जोर दिया है। मुंबई में युवाओं से संवाद में आरएसएस चीफ ने कहा कि आरक्षण सामाजिक कारणों से आया था, जबतक सामाजिक भेदभाव है, आरक्षण जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि जिन्हें आरक्षण मिल गया और जिनकी स्थिति ठीक हो गई, उन्हें चाहिए कि वे कोटा का लाभ छोड़ दें। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि जिन लोगों को आरक्षण मिल चुका है, उनमें से कई ऐसे हैं, हालांकि उनकी संख्या कम है, वे कहते हैं कि हमने ले लिया है, हमारी स्थिति ठीक हो गई है अब दूसरों को दे दो। आरक्षण के लिए सब कैटेगरी बनाने का समर्थन करते हुए मोहन भागवत ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने भी सहमती दे दी है।

सीएम बोले, 12 साल में 25 गुना तक बढ़ी मप्र की नवकरणीय ऊर्जा क्षमता

7वें अंतरराष्ट्रीय नवकरणीय ऊर्जा सम्मेलन में मप्र के हरित ऊर्जा मॉडल का हुआ प्रेजेंटेशन, मुख्यमंत्री ने किया संबोधित

● भोपाल

मुख्यमंत्री ने कहा- मप्र 2030 तक 500 गीगावॉट जीडब्ल्यू गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता के राष्ट्रीय लक्ष्य की प्राप्ति के लिए पूर्ण प्रतिबद्ध

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मप्र वर्ष 2030 तक देश के 500 गीगा वॉट गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता के राष्ट्रीय लक्ष्य की प्राप्ति के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य नवकरणीय ऊर्जा, ऊर्जा भंडारण और हरित औद्योगिक विकास के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। मप्र आज देश के अग्रणी राज्यों में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका है।

पिछले 12 वर्षों में मप्र की नवकरणीय ऊर्जा क्षमता 438 मेगावॉट से बढ़कर 11,000 मेगावाट हो गई है, जो लगभग 25 गुना वृद्धि है। मुख्यमंत्री गुरुवार को दिल्ली में आयोजित 7वें अंतरराष्ट्रीय नवकरणीय ऊर्जा सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सम्मेलन में शामिल होने के लिए एयरपोर्ट से दिल्ली मेट्रो की एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन के माध्यम से शिवाजी स्टेडियम तक यात्रा कर स्वच्छ एवं पर्यावरण-अनुकूल सार्वजनिक परिवहन को बढावा देने का संदेश दिया।

मप्र का प्रेजेंटेशन

- **4 घंटे बैटरी ऊर्जा भंडारण** : ऐसी परियोजनाएं जो सौर ऊर्जा को संग्रहित कर सायंकालीन पीक मांग के समय विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करती हैं तथा ग्रिड की विश्वसनीयता बढ़ाती हैं।
- **6 घंटे बैटरी ऊर्जा भंडारण** : ये परियोजनाएं अधिक अवधि तक ऊर्जा आपूर्ति प्रदान कर नवकरणीय ऊर्जा के बेहतर एकीकरण, मांग प्रबंधन एवं ग्रिड स्थिरता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।
- **24 घंटे नवकरणीय ऊर्जा**: सौर ऊर्जा एवं दीर्घावधि ऊर्जा भंडारण के संयोजन से विकसित ये परियोजनाएं चौबीसों घंटे स्वच्छ एवं विश्वसनीय विद्युत उपलब्ध कराने में सक्षम हैं, जिससे उद्योगों, वितरण कंपनियों तथा डेटा सेंटर जैसे उच्च मांग वाले उपभोक्ताओं को ऊर्जा सुरक्षा प्राप्त होगी।

फतवे से निकाह खत्म नहीं माना जा सकता

भोपाल मस्जिद कमेटी के फतवे पर हाईकोर्ट की अहम टिप्पणी

● जबलपुर / आरएनएन

कोर्ट ने कहा, धार्मिक संस्था केवल राय दे सकती है, विवाह समाप्त करने का अधिकार नहीं

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने मुस्लिम विवाह-विच्छेद से जुड़े एक महत्वपूर्ण मामले में स्पष्ट किया है कि केवल किसी फतवे के आधार पर निकाह समाप्त नहीं माना जा सकता। अदालत ने कहा कि धार्मिक संस्थाएं या मस्जिद समितियां धार्मिक राय दे सकती हैं, लेकिन विवाह को कानूनी रूप से समाप्त करने का अधिकार केवल सक्षम न्यायालय के पास है।

जस्टिस विवेक जैन की एकलपीठ ने यह टिप्पणी भोपाल की दारुल-दफा मस्जिद कमेटी के फतवे से जुड़े मामले की सुनवाई के दौरान की। मामले में पति का दावा था कि फतवे के आधार पर उसका निकाह समाप्त माना जाए, जबकि पत्नी ने इसका विरोध करते हुए कहा कि फतवा कानूनी तलाक नहीं है। इसके बाद मामला हाईकोर्ट पहुंचा। सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने फतवे का अध्ययन किया और पाया कि उसमें निकाह समाप्त करने की घोषणा नहीं, बल्कि इस्लामी ग्रंथों के आधार पर पत्नी की कथित क्रूरता जैसी परिस्थितियों पर धार्मिक मार्गदर्शन दिया गया था। इसलिए इसे कानूनी तलाक नहीं माना जा सकता।

बदला आईटी नियमः एआई कंटेंट की लेबलिंग अनिवार्य

सरकार ने गैरकानूनी सामग्री हटाने की समय सीमा 36 घंटे से घटाकर सिर्फ तीन घंटे की

● नई दिल्ली / आरएनएन

भारत सरकार ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से तैयार होने वाली डीपफेक सामग्री और फर्जी डिजिटल कंटेंट पर नियंत्रण के लिए आईटी नियमों को और सख्त कर दिया है।

नए संशोधनों के तहत अब एआई से तैयार किसी भी सामग्री पर स्पष्ट लेबल लगाना अनिवार्य होगा, ताकि लोग आसानी से पहचान सकें कि वह वास्तविक है या कृत्रिम रूप से बनाई गई है। इसके साथ ही सरकार या अदालत के आदेश मिलने पर गैरकानूनी सामग्री हटाने की समयसीमा 36 घंटे से घटाकर केवल 3 घंटे कर दी गई है। सरकार का कहना है कि इन बदलावों का उद्देश्य इंटरनेट को अधिक सुरक्षित, भरोसेमंद और जवाबदेह बनाना है। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने लोकसभा में बताया कि सरकार डीपफेक से जुड़े बढ़ते खतरों को गंभीरता से ले रही है।

कार्रवाई और दंड में भी हुआ बदलाव

सरकार ने गैरकानूनी सामग्री हटाने की समयसीमा को काफी कम कर दिया है। अब सरकार या अदालत के आदेश मिलने पर ऐसी सामग्री अधिकतम 3 घंटे के भीतर हटानी होगी। कुछ संवेदनशील मामलों में शिकायतों के निपटारे की समयसीमा 72 घंटे से घटाकर 36 घंटे और अत्यंत संवेदनशील मामलों में 24 घंटे से घटाकर केवल 2 घंटे कर दी गई है। यदि कोई डिजिटल मंच इन नियमों का पालन नहीं करता, तो उसे सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 79 के तहत मिलने वाली कानूनी सुरक्षा समाप्त हो सकती है और उसके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जा सकती है।

झटका 4 अनुभवी इंजीनियर और एआई वैज्ञानिकों ने छोड़ा गूगल, ये अपना एआई स्टार्टअप शुरू करेंगे

गूगल को टक्कर देने चार दिग्गज ला रहे डिस्कवरी लूप

● नई दिल्ली

गूगल को बड़ा झटका लगा है। कंपनी के सबसे अनुभवी इंजीनियरों और एआई वैज्ञानिकों में शामिल चार जेफ डीन, संजय घेमावत, ओरियोल विनाल्स और क्वॉक ली ने कंपनी छोड़ने का फैसला किया है. चारों अब मिलकर डिस्कवरी लूप नाम का नया एआई स्टार्टअप शुरू कर रहे हैं।

इस खबर के सामने आते ही गूगल की पेरेंट कंपनी अल्फाबेट के शेयरों में करीब 4 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। इन्वेस्टर्स को चिंता है कि गूगल की एआई टीम से लगातार बड़े नाम बाहर जा रहे हैं। जेफ डीन का जाना सबसे बड़ी खबर मानी जा रही है। इसकी वजह यह है कि वह गूगल के 30वें कर्मचारी थे। उन्होंने 1999 में कंपनी जॉइन की थी और करीब 27 साल तक गूगल में काम किया। गूगल सर्च को बड़े स्तर पर चलाने वाली कई अहम तकनीकों को बनाने में उनका बड़ा योगदान रहा। बाद में उन्होंने गूगल ब्रेन की शुरुआत की और एआई रिसर्च को आगे बढ़ाया। हार्डवेयर टेंसर प्रोसेसिंग यूनिट प्रोजेक्ट शुरू करने में जेफ डीन की अहम भूमिका रही।

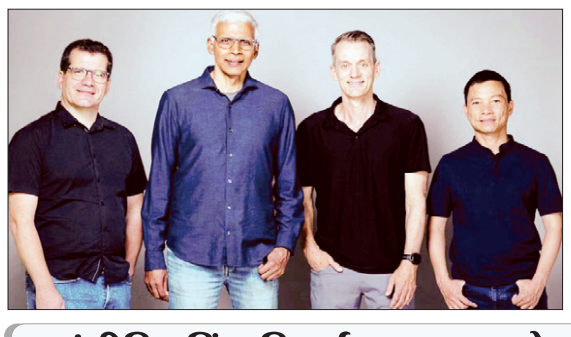

इंजीनियरिंग रिसर्च पर काम करेगा डिस्कवरी लूप

चारों मिलकर अब डिस्कवरी लूप नाम की नई कंपनी बना रहे हैं। यह सिर्फ एक और चैटजीपीटी जैसा चैटबॉट बनाने वाली कंपनी नहीं होगी। इसका मकसद एआई की मदद से वैज्ञानिक और इंजीनियरिंग रिसर्च को फास्ट करना है। कंपनी ऐसे एआई सिस्टम तैयार करना चाहती है जो कई स्टेप वाले रिसर्च और इंजीनियरिंग के काम को काफी हद तक अपने आप पूरा कर सकें। यानी नई दवाएं खोजने, नई सामग्री विकसित करने, हार्डवेयर डिजाइन करने और दूसरे वैज्ञानिक कामों में एआई की मदद ली जा सके। कंपनी को पब्लिक बेनेफिट कॉर्पोरेशन के रूप में बनाया जा रहा है। दिलचस्प ये है कि गूगल भी इसमें इन्वेस्टर के तौर पर हिस्सेदारी रखेगा।

इन चारों ने मिलकर गूगल सर्च को भरोसेमंद बनाया

जेफ डीन के साथ कंपनी छोड़ रहे संजय घेमावत भी गूगल के शुरुआती कर्मचारियों में रहे हैं। गूगल सर्च को दुनिया भर में तेज और भरोसेमंद बनाने वाली तकनीकों जैसे गूगल फाइल सिस्टम, मैप रेड्यूस और बिग टेबल के डेवेलपमेंट में उनका बड़ा योगदान रहा। आज दुनिया की कई क्लाउड और एआई तकनीकें इन्हीं सिस्टम से प्रेरित मानी जाती हैं। वहीं, ओरियोल विनाल्स और क्वॉक ली पिछले कई साल से गूगल के एआई रिसर्च का अहम हिस्सा रहे हैं। ओरियोल ने लार्ज लैंग्वेज भाषा मॉडल और जेमेनाई से जुड़े रिसर्च में काम किया, जबकि ली डीप लर्निंग और बड़े एआई मॉडल डेवेलप करने वाले प्रमुख साइनटिस्ट्स में गिने जाते हैं। एआई रिसर्च की दुनिया में दोनों के कई रिसर्च पेपर्स काफी पॉपुलर रहे हैं।

लोन वसूली में अब बैंक नहीं कर सकेंगे मनमानी

लोन रिकवरी का बदला नियम, 1 जनवरी 2027 से होगा लागू

● नई दिल्ली / आरएनएन

गलत रिकवरी पर ग्राहकों को मिलेगा मुआवजा

अगर आपने बैंक से लोन लिया है या भविष्य में लेने की योजना बना रहे हैं, तो यह खबर आपके काम की हो सकती है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने लोन रिकवरी से जुड़े नियमों में बड़ा बदलाव किया है। नए नियमों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कर्ज की वसूली के दौरान ग्राहकों के साथ सम्मानजनक व्यवहार हो और किसी भी तरह की जबरदस्ती या उत्पीड़न की शिकायत सामने न आए। यह नया ढांचा 1 जनवरी 2027 से लागू होगा। आरबीआई ने लोन रिकवरी से जुड़े अलग-अलग दिशा-निर्देशों को एक व्यापक फ्रेमवर्क में शामिल कर दिया है। इसमें बैंकों की जिम्मेदारियां, रिकवरी एजेंसियों की नियुक्ति, रिकवरी एजेंटों का आचरण और उधारकर्ताओं के अधिकार स्पष्ट किए गए हैं।

देश के लिए सोना जीतकर पैतृक गांव पहुंचीं अरुंधति, कुराड़िया ने बेटी को पलकों पर बैठाया

मोरला चौराहे से कुराड़िया तक डीजे-देशभक्ति गीतों के साथ निकला भव्य स्वागत जुलूस; गोल्ड जीतने के बाद सबसे पहले पिता को किया था फोन

स्मार्ट हलचल

अलकेश पारीक जहाजपुर। कॉमनवेल्थ गेम्स में देश के लिए स्वर्ण पदक जीतकर गौरव बढ़ाने वाली बॉक्सर अरुंधति चौधरी गुरुवार को अपने पैतृक गांव कुराड़िया पहुंचीं तो पूरा गांव अपनी बेटी के स्वागत में उमड़ पड़ा। मोरला चौराहे से कुराड़िया तक डीजे और देशभक्ति गीतों के बीच ग्रामीणों ने भव्य स्वागत जुलूस निकाला। जगह-जगह फूल-मालाओं से उनका अभिनंदन किया गया। स्कूलों के विद्यार्थियों और शिक्षकों ने भी गोल्ड मेडलिस्ट बेटी का उत्साह के साथ स्वागत किया। कुराड़िया पहुंचने पर अरुंधति चौधरी ने सबसे पहले बालाजी मंदिर पहुंचकर हनुमानजी के दर्शन किए और आशीर्वाद लिया। इसके बाद ग्रामीणों ने साफा पहनाकर और पुष्प मालाओं से उनका अभिनंदन किया। सरपंच अजीत सिंह मीणा सहित वर्धमान जैन, रामपाल मीणा, धर्मराज जाट, रामरतन जाट, राधेश्याम सेन सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण स्वागत कार्यक्रम में मौजूद रहे।

'मैं मैदान में लड़ी, मेरे माता-पिता जिंदगी की मुश्किलों से लड़ते रहे'

ग्रामीणों को संबोधित करते हुए अरुंधति ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता को दिया। उन्होंने कहा, 'शुरू से मेरा सपना था कि जीवन में कुछ ऐसा करूं, जिससे मेरा और मेरे परिवार का नाम रोशन हो। मैंने पढ़ाई के साथ खेल को चुना और मेरे माता-पिता ने हर कदम पर मेरा साथ दिया। मैं मैदान में अपनी फाइट लड़ती रही, वहीं मेरे माता-पिता मेरी राह में आने वाली कई समस्याओं से लड़ते रहे। आज उन्हीं के संघर्ष और सहयोग से मैं इस मुकाम तक पहुंची हूं।'

उन्होंने बताया कि स्वर्ण पदक जीतने के बाद सबसे पहले उन्होंने अपने पिता को फोन कर अपनी खुशी साझा की। पैतृक गांव में मिले अपार स्नेह से भावुक अरुंधति ने कहा कि उनकी इच्छा है कि कुराड़िया सहित पूरे क्षेत्र की बेटियां भी पढ़ाई और खेल में आगे बढ़ें तथा अपने परिवार, क्षेत्र और देश का नाम रोशन करें।

'बेटियां खुद को कभी कमजोर न समझें'

अरुंधति ने महिलाओं और छात्राओं को संदेश देते हुए कहा कि महिलाएं कभी स्वयं को असहाय या अबला न समझें। बेटियों को अवसर और परिवार का सहयोग मिले तो वे हर क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल कर सकती हैं। उन्होंने छात्राओं का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि पढ़ाई के साथ खेलों में भी अपनी प्रतिभा को पहचानें और लक्ष्य निर्धारित कर मेहनत करें। अरुंधति चौधरी का कुराड़िया से पारिवारिक जुड़ाव भी खास है। उनके दादाजी मूल रूप से कुराड़िया के निवासी थे। बाद में उनका परिवार कोटा जाकर रहने लगा। अब देश के लिए स्वर्ण पदक जीतने के बाद अरुंधति के पैतृक गांव पहुंचने पर ग्रामीणों में विशेष उत्साह देखने को मिला।

अरुंधति का संदेश – 'सपना बड़ा रखो, मेहनत करो; गांव की बेटियां भी देश का नाम रोशन करें'

जंगल से चरवाहा की 10 बकरियां आज़त चोर चुरा कर भागे

स्मार्ट हलचल

भेरुलाल गुर्जर बेरा। रायला थाना अंतर्गत रूपाहेली खुर्द ग्राम पंचायत के कांवलिया खेड़ा गांव की घटना है गुरुवार सुबह 9:00 रोजाना की तरह भील जाति के किसान गोपाल भील घर से बकरियां चराने के लिए जंगल में निकाल कर गांव के पास ही ईट भट्ट के पास पहुंच 25 बकरियां आगे पीछे होने के कारण कुछ बकरी पीछे रह जाने के लिए उसको ढूंढने के लिए घर तक गया तो पीछे से आज़ा चोरों ने 10 बकरियों को चुरा कर ले गए जब गोपाल जंगल में भट्टे के पास आकर बकरियों की गिनती की तो 10 बकरियां गायब मिली बकरियां चोरी होने की शंका देखकर पीड़ित गोपाल का रो-रो कर बुरा हाल हो गया जैसे ही गांव में लोगों को भनक लगी तो आग की तरह सूचना फैल गई लोगों की भीड़ लगी गई लोगों का कहना है कि 9:00 बकरियां लेकर घर से कुछ ही दूर जंगल में निकाला पीछे से कुछ बकरी पीछे रह जाने के कारण उसको ढूंढने के लिए वापस आया तब मौके से 10 बकरियां को आज़ात चोरों ने चुरा लिया जिससे लगता है कि 15 20 मिनट बाद ही बकरियां चुराने का मतलब आज़ात चोर इनका कहीं पीछा कर रहे थे मौका मिलते ही लेकर फरार हो गए ग्रामीणों ने गोपाल भील के साथ थाने में जाकर आज़ात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया।

जन्मदिन पर छात्र हितेश मिर्धा ने किया पौधारोपण, आदर्श विद्या मंदिर में पर्यावरण संरक्षण का दिया प्रेरक संदेश

स्मार्ट हलचल

बायतु (चिमु धतरवाल)। स्थानीय आदर्श विद्या मंदिर उच्च माध्यमिक विद्यालय, बायतु में छात्र हितेश मिर्धा ने अपने जन्मदिन के अवसर पर विद्यालय परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का प्रेरणादायक संदेश दिया। विद्यालय में विद्यार्थियों के जन्मदिवस पर पौधा लगाने की परंपरा को निरंतर निभाया जा रहा है, जिससे विद्यार्थियों में प्रकृति के प्रति प्रेम और पर्यावरण संरक्षण की भावना विकसित हो रही है। विद्यालय में आयोजित वंदना सभा के दौरान प्रधानाचार्य प्रदीप कुमार शर्मा ने हितेश मिर्धा को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उनके इस सराहनीय कार्य की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि पेड़-पौधे मानव जीवन का आधार हैं और प्रत्येक विद्यार्थी को अपने जीवन के महत्वपूर्ण अवसरों पर कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए। उन्होंने सभी विद्यार्थियों से पौधारोपण कर उसकी नियमित देखभाल करने का भी आह्वान किया। 'हरियालो राजस्थान' अभियान के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यालय परिसर में पौधारोपण किया गया। इस दौरान सभी ने लगाए गए पौधों की सुरक्षा, नियमित सिंचाई एवं संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम में रूपाराम भाखर, बाबूलाल पंवार, दीपाराम गोरसिया, चूनाराम पालीवाल सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। सभी ने छात्र हितेश मिर्धा की इस पहल की सराहना करते हुए इसे पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक प्रेरणादायक कदम बताया।यदि चाहें, मैं इसे दैनिक भास्कर या राजस्थान पत्रिका की शैली में भी तैयार कर सकता हूँ।

अपने अवगुणों को पहचानने से ही मिलेगी आत्मकल्याण की राह : आचार्य रामदयालजी महाराज...

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा, मूलचन्द पेसवानी व्यक्ति यदि अपने दोषों को छिपाकर दूसरों की कमियां खोजने में ही जीवन व्यतीत करता है तो वह आत्मकल्याण के मार्ग से भटक जाता है। जब तक मनुष्य अपने भीतर के अवगुणों को पहचानकर उनका परित्याग नहीं करेगा, तब तक वास्तविक मुक्ति संभव नहीं है। यह प्रेरणादायी विचार अंतरराष्ट्रीय रामस्नेही सम्प्रदाय शाहपुरा के पीठाधीश्वर जगद्गुरु आचार्य स्वामी श्रीरामदयालजी महाराज ने गुरुवार को आयोजित 'विश्व शांति कल्याण' चातुर्मास के दैनिक सत्संग में व्यक्त किए। आचार्यश्री ने कहा कि मनुष्य की सबसे बड़ी कमजोरी यह है कि वह अपने गुणों का बखान करता है और दूसरों के दोषों को उजागर करने में आनंद महसूस करता है। यही प्रवृत्ति उसे अपने से श्रेष्ठ व्यक्तियों में भी अवगुण दिखाई देने लगती है। उन्होंने कहा कि स्वयं को श्रेष्ठ मानना गलत नहीं है, लेकिन यह कहना कि 'मैं ही श्रेष्ठ हूं' अहंकार और अज्ञान की पराकाष्ठा है। ऐसा भाव मनुष्य के आध्यात्मिक विकास में सबसे बड़ी बाधा बन जाता है। उन्होंने कहा कि जीवन में किसी का राई के बराबर भी उपकार हो तो उसे पर्वत के समान मानकर जीवनभर उसका सम्मान करना चाहिए। माता-पिता, गुरु, वेद और शास्त्रों में दोष देखने वाला व्यक्ति कृतघ्न कहलाता है। उन्होंने कहा कि संसार में कृतघ्नता से बड़ा कोई पाप नहीं है, क्योंकि कृतघ्न व्यक्ति दूसरों के गुणों को स्वीकार नहीं करता और उपकार का भी अपकार कर देता है। आचार्य रामदयालजी महाराज ने कहा कि प्रकृति के अनुरूप जीवन जीने वाला व्यक्ति ही परमात्मा के निकट पहुंच सकता है। उन्होंने विभिन्न दृष्टांतों के माध्यम से धर्म का सरल और प्रभावी संदेश देते हुए कहा कि 'सिद्धांत आत्मा है और दृष्टांत उसका कलेवर।' बिना उदाहरण के किसी भी सिद्धांत को समझना कठिन होता है। उन्होंने मनुष्य और पशुओं के व्यवहार की तुलना करते हुए कहा कि वानर, भालू सहित अनेक पशु-पक्षी इंसान का साथ निभाते हैं, लेकिन कई बार मनुष्य ही स्वार्थ और प्रलोभन में आकर विश्वासघात कर बैठता है। जबकि पशु कभी विश्वासघात नहीं करते। इसलिए मनुष्य को अपने जीवन में कृतज्ञता, विनम्रता और सेवा का भाव अपनाना चाहिए। सत्संग से पूर्व अंतरराष्ट्रीय रामस्नेही सम्प्रदाय के प्रखर वक्ता संत मनोरथरामजी आलोट ने मानस प्रवचन किया। प्रवचन के समापन पर श्रद्धालुओं ने आचार्य श्रीरामदयालजी महाराज की आरती कर आशीर्वाद प्राप्त किया। चातुर्मास के दौरान प्रतिदिन सुबह 8:30 से 9 बजे तक रामधुनी के साथ वाणीजी का पाठ तथा सुबह 9 से 10 बजे तक दैनिक सत्संग आयोजित किया जा रहा है। वहीं सूर्यास्त के समय संध्या आरती एवं युवा संत रामजस ईडर द्वारा भक्तमाल कथा का भी आयोजन हो रहा है, जिसमें भीलवाड़ा सहित विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु श्रद्धाभाव से सहभागिता कर रहे हैं।

चंद्रभागा नदी में अवैध बजरी खनन पर पुलिस का बड़ा प्रहार, ट्रैक्टर-ट्रॉली, स्कॉर्पियो और तीन बाइक जब्त, एक आरोपी गिरफ्तार

स्मार्ट हलचल

पुनित चपलोत भीलवाड़ा, गंगापुर। जिले के गंगापुर थाना पुलिस ने संगठित अवैध बजरी खनन एवं परिवहन गिरोह के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए चंद्रभागा नदी क्षेत्र में दबिश देकर एक ट्रैक्टर-ट्रॉली, एक स्कॉर्पियो और तीन मोटरसाइकिल जब्त की हैं। मौके से एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है, जबकि गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश जारी है। पुलिस अधीक्षक सागर राणा के निर्देशन में चलाए जा रहे अवैध मादक पदार्थ, अवैध बजरी खनन और अवैध हथियारों के खिलाफ विशेष अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सहाड़ा बुद्धराज एवं वृत्ताधिकारी गंगापुर सुदर्शन पालीवाल के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई। पुलिस को मिली सूचना के आधार पर गुरुवार देर रात ग्राम खांखला स्थित चंद्रभागा नदी में दबिश दी गई। यहां संगठित गिरोह द्वारा नदी से अवैध बजरी का दोहन कर ट्रैक्टर-ट्रॉली में भरकर परिवहन किया जा रहा था। पुलिस को देखते ही कुछ लोग मौके से फरार हो गए, जबकि जगदीश जाट (26) निवासी उल्लाई, थाना गंगापुर को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने मौके से अवैध बजरी से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली, एक स्कॉर्पियो एवं तीन मोटरसाइकिल जब्त कर गंगापुर थाने में प्रकरण संख्या 204/2026 धारा 303(2), 112(2) बीएनएस एवं 4/21 एमएमडीआर एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। आरोपी का पुलिस रिमांड प्राप्त कर लिया गया है तथा पूरे अवैध बजरी गिरोह के नेटवर्क की जांच जारी है।

जहाजपुर को विकास की बड़ी सौगात: कैबिनेट मंत्री चौधरी ने किए कई कार्यों के लोकार्पण-शिलान्यास

विधायक गोपीचंद मीणा रहे मौजूद, पेयजल-सड़क से लेकर फल-सब्जी मंडी और बिजली निगम कार्यालय तक विकास कार्यों की रखी नींव

स्मार्ट हलचल/अलकेश पारीक

जहाजपुर। राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने विधायक गोपीचंद मीणा की मौजूदगी में जहाजपुर क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण, शिलान्यास एवं भूमिपूजन किया। इस दौरान शिक्षा, पेयजल, सड़क, कृषि विपणन एवं बिजली व्यवस्था से जुड़े कई महत्वपूर्ण विकास कार्यों की शुरुआत हुई। कार्यक्रम के तहत बोराणी स्थित महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय में नवनिर्मित चार अतिरिक्त कक्षा-कक्षों का लोकार्पण किया गया। इसके साथ ही बोराणी से सहलादाता तक सीसी सड़क निर्माण कार्य का लोकार्पण कर क्षेत्रवासियों को बेहतर आवागमन की सुविधा की सौगात दी गई। पेयजल व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में नगर पालिका क्षेत्र में पेयजल व्यवस्था सुदृढ़ीकरण कार्य का शिलान्यास किया गया। वहीं सरसिया में 2000 केएल क्षमता के उच्च जलाशय एवं पाइपलाइन निर्माण कार्य तथा पीपलून्द में डीएमएफटी मद से निर्मित पाइपलाइन कार्य का लोकार्पण किया गया। इन कार्यों से संबंधित क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था बेहतर होने की उम्मीद है। इस दौरान कैबिनेट मंत्री चौधरी एवं विधायक मीणा ने अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के अधिशासी अभियंता कार्यालय भवन का भूमिपूजन भी किया। कार्यालय भवन बनने से क्षेत्र में विद्युत संबंधी प्रशासनिक व्यवस्थाओं को मजबूती मिलने की उम्मीद है। वहीं क्षेत्र के किसानों और कृषि व्यापार को बढ़ावा देने की दिशा में फल एवं सब्जी मंडी की स्थापना के लिए भूमिपूजन एवं शिलान्यास किया गया। मंडी विकसित होने से किसानों को अपनी उपज के विपणन के लिए स्थानीय स्तर पर बेहतर सुविधा मिलने की संभावना है। एक ही कार्यक्रम में विभिन्न विभागों से जुड़े विकास कार्यों के लोकार्पण और शिलान्यास से जहाजपुर क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार को गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

रेजिडेंट डॉक्टरों का शांतिपूर्ण आंदोलन जारी, सभी रेजिडेंट्स का लंबित वेतन जारी होने तक संघर्ष रहेगा

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। रेजिडेंट डॉक्टर एसोसिएशन (RDA) ने स्पष्ट किया है कि लंबित स्टाइपेंड/वेतन भुगतान को लेकर चल रहा आंदोलन पूर्णतः शांतिपूर्ण, लोकतांत्रिक एवं अनुशासित तरीके से जारी है। संगठन ने कहा है कि जब तक प्रत्येक पात्र रेजिडेंट चिकित्सक का लंबित एवं बकाया स्टाइपेंड उनके बैंक खातों में जमा नहीं हो जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। एसोसिएशन ने बताया कि बार-बार प्रशासन के समक्ष यह विषय उठाने एवं सकारात्मक आश्वासनों के बावजूद अभी तक सभी रेजिडेंट्स का भुगतान नहीं हो पाया है। समय पर स्टाइपेंड का भुगतान प्रत्येक रेजिडेंट डॉक्टर का वैधानिक एवं न्यायोचित अधिकार है। लंबे समय से भुगतान लंबित रहने के कारण अनेक रेजिडेंट चिकित्सकों को आर्थिक एवं मानसिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। रेजिडेंट डॉक्टर एसोसिएशन ने दोहराया कि यह आंदोलन किसी व्यक्ति या संस्था के विरुद्ध नहीं, बल्कि सभी रेजिडेंट चिकित्सकों के साथ समान, पारदर्शी एवं न्यायसंगत व्यवहार सुनिश्चित करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। संगठन प्रशासन से सकारात्मक संवाद के माध्यम से शीघ्र समाधान की अपेक्षा करता है। एसोसिएशन ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि आज दिनांक 06 अगस्त 2026 को सायं 5:00 बजे तक सभी रेजिडेंट चिकित्सकों का लंबित एवं बकाया स्टाइपेंड उनके खातों में पूर्ण रूप से क्रेडिट नहीं किया जाता है, तो रेजिडेंट डॉक्टर एसोसिएशन कल से आंदोलन को अगले चरण में ले जाने के लिए बाध्य होगी। इसके अंतर्गत इमरजेंसी एवं आईसीयू सेवाओं के बहिष्कार का सामूहिक निर्णय लागू किया जाएगा। रेजिडेंट डॉक्टर एसोसिएशन को आशा है कि प्रशासन संवेदनशीलता एवं गंभीरता के साथ इस विषय का तत्काल समाधान करेगा, ताकि स्वास्थ्य सेवाओं पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े और आंदोलन का सम्मानजनक एवं सकारात्मक समाधान निकल सके। 'समान कार्य, समान अधिकार – सभी रेजिडेंट्स का लंबित स्टाइपेंड जारी होने तक हमारा संघर्ष जारी रहेगा।'

बिगोद थाना पुलिस की बड़ी कार्रवाई - 07 ट्रैक्टर-ट्रॉली अवैध बजरी सहित जब्त

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा ज़िले के बिगोद थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध बजरी खनन और परिवहन पर बड़ी कार्रवाई करते हुए 07 ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त की। 06 अगस्त 2026 को पुलिस टीम ने गश्त के दौरान ग्राम देवलिया रोड पर सिंगोली की तरफ से आ रहे ट्रैक्टर-ट्रॉली को रोका। इनमें अवैध बजरी भरी हुई थी।

पुलिस ने सभी 07 ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त कर चालकों/मालिकों और सहयोगियों के विरुद्ध प्रकरण संख्या 167/26 धारा 112(2), 303(2) बीएनएस व 4/21 एमएमडीआर एक्ट में मामला दर्ज किया।

यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक श्री सागर राणा के आदेशानुसार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय श्री राजेश आर्य के निर्देशन और वृत्ताधिकारी माण्डलगढ़ श्री योगेश शर्मा के सुपरविजन में की गई।

पुलिस टीम में शामिल -

- श्री हरीराम एचसी 1487
- श्री रवि कानि 641
- श्री सुन्दर कानि 710

संयम से समृद्ध जिनशासन का सौभाग्य गुरु आनन्द और मालवकेसरी जैसी युगप्रभावी विभूतियाँ : श्रमणसंघीय युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी

स्मार्ट हलचल

पुनित चपलोत भीलवाड़ा // जिनशासन का परम सौभाग्य है कि उसे आचार्य आनंद ऋषिजी महाराज और मालवकेसरी सौभाग्यमुनिजी महाराज जैसी युगप्रभावी विभूतियाँ प्राप्त हुईं। इन महापुरुषों का व्यक्तित्व किसी संयोग का परिणाम नहीं था, बल्कि संयम, स्वाध्याय, गुरु-निष्ठा और कठोर साधना की तपश्चर्या में तपकर निखरा था। यही कारण है कि उनका जीवन आज भी संघ, समाज और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा, पुरुषार्थ और समर्पण का अक्षय स्रोत बना हुआ है। यह बात श्रमण संघीय युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी ने गुरुआनन्द जन्मोत्सव नवदिवसीय कार्यक्रम के अंतर्गत शांतिभवन में आयोजित विशाल धर्मसभा में दोनों महापुरुषों के जीवन प्रसंगों का विवेचन करते हुए कही। युवाचार्यश्री ने कहा कि आचार्य आनंद ऋषिजीमहाराज के जीवन की दिशा बाल्यावस्था में ही संत-सान्निध्य से निर्धारित हो गई थी। माता हुल्सा देवी की प्रेरणा से बालक नेमीचंद गुरु रत्न ऋषिजी महाराज के सान्निध्य में प्रतिक्रमण सीखने पहुंचे। अल्प समय में ही उनकी प्रतिभा, ग्रहणशक्ति और अध्ययन के प्रति गहरी रुचि ने गुरु का ध्यान आकर्षित किया। चातुर्मास के लिए विहार होने पर भी वे गुरु के साथ मिरी तक अध्ययन के लिए पहुंचे और प्रतिक्रमण पूर्ण करने के बाद स्वयं जिज्ञासा प्रकट की कि अब आगे क्या सीखना है। उनकी इसी ज्ञान-पिपासा को देखकर गुरु ने उन्हें आगम अध्ययन, पच्चीस बोल तथा अन्य ग्रंथों का अध्ययन कराया। उन्होंने कहा कि ज्ञान केवल कंठस्थ करने से सार्थक नहीं होता, बल्कि निरंतर आवृत्ति, मनन और अभ्यास से वह जीवन का संस्कार बनता है। महान आचार्यों की असाधारण स्मरणशक्ति, अनुशासन और अध्ययनशीलता के पीछे यही सतत पुरुषार्थ था। रत्न ऋषिजी महाराज भी शिष्य की तत्कालीन स्थिति नहीं, बल्कि उसके भविष्य को देखकर शिक्षा देते थे। दूरदर्शी गुरु वही होता है जो शिष्य के भीतर छिपे व्यक्तित्व को पहचानकर उसे उसी दिशा में संस्कारित करे। युवाचार्यश्री ने बालक नेमीचंद के वैराग्य का प्रसंग सुनाते हुए कहा कि अल्पायु में ही उन्होंने गुरु से दीक्षा की इच्छा व्यक्त कर दी। गुरु ने उनकी दृढ़ता को परखते हुए पहले माता की अनुमति लाने को कहा। प्रारम्भ में माता ने पुत्र के भविष्य और गृहस्थ जीवन के सपनों के कारण असहमति जताई, किन्तु जब गुरु रत्न ऋषिजी महाराज ने स्वयं उनसे कहा कि यह बालक केवल आपका पुत्र नहीं, बल्कि जिनशासन का उज्ज्वल भविष्य है, तब उन्होंने पूर्ण समर्पण के साथ दीक्षा की अनुमति प्रदान कर दी। युवाचार्यश्री ने कहा कि गुरु का निर्णय केवल एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि सम्पूर्ण जिनशासन के भविष्य का निर्णय होता है। उन्होंने कहा कि आचार्यश्री का समूचा जीवन गुरु-निष्ठा, अनुशासन, स्वाध्याय और संयम की जीवंत साधना था। अध्ययन के प्रति उनकी अद्भुत लगन, विलक्षण स्मरणशक्ति और जीवनभर सीखते रहने की प्रवृत्ति ने उन्हें युगप्रभावी आचार्य के रूप में प्रतिष्ठित किया। उनका व्यक्तित्व इस सत्य का प्रमाण है कि साधना से तपा हुआ जीवन ही समाज का पथप्रदर्शक बनता है। युवाचार्यश्री ने मालवकेसरी सौभाग्यमुनिजी महाराज के जीवन का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने वात्सल्य, संगठन, विनम्रता और साधर्मिक समर्पण से जिनशासन को नई ऊर्जा प्रदान की। संघ को साथ लेकर चलने की उनकी अद्भुत क्षमता, बड़ों के प्रति विनय और समाज के प्रत्येक वर्ग के प्रति आत्मीयता उन्हें विशिष्ट बनाती थी। उनका जीवन यह संदेश देता है कि वास्तविक नेतृत्व अधिकार से नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण और आत्मीय व्यवहार से स्थापित होता है। युवाचार्यश्री ने कहा कि जिनशासन को ऐसे महापुरुष प्राप्त हुए,जिन्होंने अपने संयम, तप, स्वाध्याय, गुरु-निष्ठा और आत्मपुरुषार्थ से संघ को स्थायी दिशा और आध्यात्मिक ऊँचाई प्रदान की। हम सौभाग्यशाली हैं, लेकिन यह सौभाग्य भी संयम से ही खिला है। यही उनके संपूर्ण जीवन का सबसे बड़ा संदेश और जिनशासन की अमूल्य विरासत संघ और समाज का पथ आलोकित करते रहे। सभा से पूर्व साध्वी चिंतनश्रीजी ने कहा कि परिस्थितियाँ नहीं, मन:स्थिति और परिणामों का परिवर्तन ही जीवन की दिशा बदलता है। वास्तविक आनंद का मार्ग आत्म परिवर्तन से प्रशस्त होता है और परम आनंद की प्राप्ति मोक्ष में होती है। शांतिभवन के मंत्री नवरतनमल भलावत ने जानकारी देते हुए बताया कि 8, 5, 3, 2 एवं 1 उपवास सहित आनंद सिद्धीतप की आराधना में संलग्न 175 तपस्वियों ने युवाचार्यश्री से आयंबिल तप के प्रत्याख्यान ग्रहण किए। उन्होंने बताया कि धर्मसभा में शहर एवं आसपास के उपनगरों के साथ महाराष्ट्र, गुजरात, तमिलनाडु सहित विभिन्न राज्यों से बड़ी संख्या में गुरुभक्तो की उपस्थित रही।

शाहपुरा में तीन दिवसीय शारीरिक शिक्षक सत्रारंभ वाक्पीठ का शुभारंभ, शिक्षा में नवाचार और नेतृत्व पर हुआ मंथन

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा (भीलवाड़ा) राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, कजोड़िया के तत्वावधान में राठौड़ फार्म हाउस, शाहपुरा में तीन दिवसीय शारीरिक शिक्षक सत्रारंभ वाक्पीठ/संगोष्ठी (सत्र 2026-27) का शुभारंभ हुआ। संगोष्ठी में शारीरिक शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार, कुशल नेतृत्व, गुणवत्तापूर्ण शिक्षण तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत मंथन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शाहपुरा विधायक डॉ. लालाराम बैरवा रहे। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी (प्रारंभिक शिक्षा) रामेश्वर प्रसाद जीनगर, अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी जितेन्द्र, सीबीईओ सत्यनारायण कुमावत, विभागीय प्रतिनिधि एवं राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय रहड़ के प्रधानाचार्य हेमराज खटीक सहित शिक्षा विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में पूर्व प्रधान गोपाल गुर्जर, भाजपा जिला मंत्री राजेंद्र बोहरा, भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष पंकज सुगंधी, जितेन्द्र पाराशर, महावीर सैनी तथा जगदीश बैरवा सहित अनेक जनप्रतिनिधियों, संस्थाप्रधानों एवं शारीरिक शिक्षकों ने सहभागिता की। संगोष्ठी के दौरान वक्ताओं ने बदलते शैक्षणिक परिवेश में शारीरिक शिक्षा की भूमिका, नवाचार आधारित शिक्षण, विद्यालयों में नेतृत्व क्षमता के विकास तथा विद्यार्थियों के शारीरिक, मानसिक एवं नैतिक विकास पर विशेष बल दिया। साथ ही नए शैक्षणिक सत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं खेल गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने पर विचार-विमर्श किया गया। आयोजकों ने विश्वास व्यक्त किया कि यह तीन दिवसीय वाक्पीठ शारीरिक शिक्षकों को नई ऊर्जा, नवीन दृष्टिकोण और व्यवहारिक अनुभव प्रदान करेगा, जिससे विद्यालयों में शिक्षा एवं खेल संस्कृति को और अधिक मजबूती मिलेगी।

श्रम कानूनों पर पुनर्विचार करे सरकार, नहीं तो मजदूर करेंगे बड़ा आंदोलनः जगदीश राज श्रीमाली

गांधी मजदूर सेवालय में पूर्व विधायक प्रणवीर व्यास की पुण्यतिथि पर श्रमिकों ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि, अंतरराष्ट्रीय श्रम सम्मेलन से लौटे श्रीमाली का किया स्वागत

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा (पंकज पोरवाल)। राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस (इंटक) के प्रदेशाध्यक्ष एवं पूर्व राज्य मंत्री जगदीश राज श्रीमाली ने केंद्र एवं राज्य की भाजपा सरकार पर श्रमिक विरोधी नीतियां अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार पूंजीपतियों के हितों में कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने श्रमिक संगठनों से बिना संवाद किए श्रम कानूनों में बदलाव कर दिए, जबकि किसी भी मजदूर संगठन ने इन कानूनों को बदलने की मांग नहीं की थी। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने इन काले श्रम कानूनों पर पुनर्विचार नहीं किया तो देशभर के मजदूर अपने अधिकारों की रक्षा के लिए बड़ा आंदोलन करने को मजबूर होंगे। गांधी मजदूर सेवालय में पत्रकारों से बातचीत करते हुए श्रीमाली ने कहा कि कांग्रेस शासनकाल में नियमित रूप से राष्ट्रीय श्रम सम्मेलन आयोजित होते थे, जिनमें राज्यों के श्रम मंत्री और श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधि शामिल होकर सरकार से संवाद करते थे। उन्हीं चर्चाओं के आधार पर श्रम नीतियां और कानून बनते थे, जबकि वर्तमान में सरकार का संवाद केवल बड़े उद्योगपतियों तक सीमित हो गया है। उन्होंने बताया कि इन मुद्दों को लेकर 10 अगस्त को जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन किया जाएगा। कांग्रेस में मजदूरों की भागीदारी घटने पर चिंता जताते हुए श्रीमाली ने कहा कि पहले इंटक को भीलवाड़ा, उदयपुर और सवाई माधोपुर से विधानसभा टिकट मिलते थे, लेकिन पिछले दो दशकों में कांग्रेस ने किसी भी मजदूर नेता को टिकट नहीं दिया। उन्होंने कहा कि श्रमिक वर्ग की इस उपेक्षा का राजनीतिक नुकसान पार्टी को उठाना पड़ रहा है। इंटक के प्रदेशाध्यक्ष श्रीमाली गांधी मजदूर सेवालय में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। कांग्रेस द्वारा मजदूरों की उपेक्षा के सवाल पर उन्होंने कहा कि अब कांग्रेस में मजदूरों की उतनी भागीदारी नहीं रही। मजदूरों को विधानसभा चुनाव में टिकट नहीं मिलता। इंटक जिलाध्यक्ष दीपक व्यास ने कहा कि भीलवाड़ा बहुत बड़ा टेक्सटाइल हब है। यहां टेक्सटाइल की बात होती है, लेकिन श्रमिकों की समस्याओं की समस्याएं कोई नहीं उठाता। उन्होंने केंद्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड का रीजनल कार्यालय भीलवाड़ा में खोलने, केंद्रीय श्रम कल्याण केंद्र का ऑफिस भी पुनः यहां खोलने की मांग उठाई। केंद्रीय श्रम कल्याण केंद्र तो पहले यहां था, जो कुछ वर्षों पूर्व अजमेर चला गया। उन्होंने कहा कि डीएमएफटी का कोष श्रमिकों के पुनर्वास एवं शिक्षा पर खर्च हो। इस फंड से श्रमिक भवन बनाया जाए। इससे पुर्व शहर के पूर्व विधायक, पूर्व संसदीय सचिव एवं वरिष्ठ श्रमिक नेता स्वर्गीय प्रणवीर व्यास की 28वीं पुण्यतिथि मंगलवार को गांधी मजदूर सेवालय में श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर सैकड़ों श्रमिकों, कांग्रेस नेताओं एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने स्वर्गीय व्यास के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी तथा दो मिनट का मौन रखकर उनके श्रमिक हितों के लिए किए गए योगदान को याद किया। कार्यालय सचिव सत्यनारायण सेन ने बताया की श्रद्धांजलि सभा में प्रदेश इंटक अध्यक्ष एवं पूर्व राज्य मंत्री जगदीश राज श्रीमाली, प्रदेश महामंत्री नारायण गुर्जर, संस्था अध्यक्ष कैलाश व्यास, शहर कांग्रेस अध्यक्ष शिवराम खटीक, जिला इंटक अध्यक्ष दीपक व्यास, प्रदेश उपाध्यक्ष खुशवेंद्र कुमावत, प्रताप सिंह, संगठन महामंत्री भैरूसिंह टाक, समाजसेवी जगदीश मानसिंहका, दुर्गेश शर्मा, पूर्व पार्षद ज्ञानमल खटीक, हेमेंद्र शर्मा, कुणाल ओझा, ममता शर्मा, सुरेश व्यास, मुकेश व्यास, दिलीप व्यास, मदन टाक सहित बिजली कर्मचारी संघ, खारीग्राम श्रमिक संघ, जलदाय कर्मचारी संघ, कांग्रेसजन एवं विभिन्न श्रमिक संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित रहे। सभा में उपस्थित वक्ताओं ने स्वर्गीय प्रणवीर व्यास के श्रमिक हितों के लिए किए गए संघर्ष, जनसेवा और सामाजिक योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि उन्होंने अपना पूरा जीवन मजदूरों के अधिकारों और उनके कल्याण के लिए समर्पित किया। उनके आदर्श और विचार आज भी श्रमिक आंदोलन के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। श्रद्धांजलि सभा के उपरांत प्रदेश इंटक अध्यक्ष जगदीश राज श्रीमाली के दक्षिण अफ्रीका के जोहानसबर्ग में आयोजित अंतरराष्ट्रीय श्रम सम्मेलन में भारत के श्रमिकों का प्रतिनिधित्व कर लौटने पर श्रमिकों एवं संगठन पदाधिकारियों ने उनका पुष्पमालाओं से स्वागत एवं अभिनंदन किया।

8 अगस्त को पीपलून्द आएंगे शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर

पशु आश्रय स्थल व वनदेव चारागाह का करेंगे लोकार्पण, हरियालो राजस्थान के तहत होगा वृहद पौधारोपण

स्मार्ट हलचल

अलकेश पारीक जहाजपुर। राजस्थान सरकार के शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर शनिवार, 8 अगस्त को ग्राम पंचायत पीपलून्द के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे चारागाह का अवलोकन करने के साथ सार्वजनिक पशु आश्रय स्थल एवं विकसित वनदेव चारागाह का लोकार्पण करेंगे। वहीं संत रविदास चारागाह विकास कार्य तथा 'हरियालो राजस्थान' अभियान के तहत वृहद पौधारोपण की शुरुआत करेंगे। कार्यक्रम में गांव की प्रतिभाओं का सम्मान भी किया जाएगा। ग्राम पंचायत पीपलून्द के प्रशासक वेदप्रकाश खटीक ने बताया कि ग्राम पंचायत की ओर से निर्मित सार्वजनिक पशु आश्रय स्थल का मंत्री दिलावर लोकार्पण करेंगे। इसके साथ ही प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना 2.0 के तहत विकसित वनदेव चारागाह का लोकार्पण तथा संत रविदास चारागाह विकास कार्य का शुभारंभ किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 'हरियालो राजस्थान' अभियान के तहत ग्राम पंचायत एवं जलग्रहण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में मियावाकी पद्धति से सघन पौधारोपण अभियान शुरू किया जाएगा। कार्यक्रम में शिक्षा, खेल, सामाजिक सेवा सहित विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धियां हासिल करने वाली पीपलून्द ग्राम की प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम में परमादर्श आचार्य महामंडलेश्वर पूज्य स्वामी जगदीश पुरी महाराज, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक सुरेशचंद्र, भीलवाड़ा सांसद दामोदर अग्रवाल, जहाजपुर विधायक गोपीचंद मीणा, निवर्तमान प्रधान कौशल किशोर देवी शर्मा सहित जनप्रतिनिधि, संत-महात्मा एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिक मौजूद रहेंगे। प्रशासक खटीक ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, जल संवर्धन, गौसंरक्षण, चारागाह विकास एवं ग्रामीण प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करना है। उन्होंने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की।

विधुत पोल जानलेवा साबित हो रहे हैं लेकिन विभाग की अनदेखी

आकोला (रमेश चंद डाड) बीगोद नगरपालिका क्षेत्र के वार्डों में बिजली के खम्भे कई स्थानों पर लोहे के पुराने हैं।जो क्षतिग्रस्त होने लगे हैं। उन पोल पर जंग लगे हैं। जो जानलेवा बने हैं। लेकिन विभाग की अनदेखी कभी भी हादसे का कारण हो सकती हैं। सम्बंधित विभाग के अधिकारी वार्डों में स्थित विधुत पोलो का निरीक्षण करें तो वास्तविक स्थिति सामने आ जाएगी। स्थानीय जैन स्थानक मार्ग की चढ़ाई पर दूसरे सिमेंटेड पोल के सहारे लोहे का पोल लम्बे समय से खड़ा है।अब तो लोहे के पोल को सहारा देकर खड़ा सिमेंटेड पोल भी क्षतिग्रस्त हो रहा है।इस सम्बन्ध में उक्त क्षेत्र के नागरिकों ने विभाग के सम्बंधित कर्मियों को भी जानकारी दी थी लेकिन अनदेखी बनी हुई है।इसी तरह बापना मोहल्ले से जैन स्थानक जाने वाले मार्ग पर महता जी के मकान के निकट स्थित टेढ़े खड़े पोल को लकड़ी का सहारा दे रखा है।इस लोहे के विधुत पोल से कभी भी दुर्घटना हो सकती है। सम्बंधित अधिकारी वार्डों में स्थापित विधुत पोलों का निरीक्षण कर क्षतिग्रस्त विधुत पोलो हटाकर नये पोल स्थापित करने में पहल करें। वर्षा काल चल रहा है।ऐसे विधुत पोल राहगीरों के लिए हादसे का कारण न बने। इससे पूर्व सम्बंधित अधिकारी ध्यान देकर विधुत पोलो का निरीक्षण करे।

'भारत के नारी रत्न' पुस्तक में पन्नाधाय की पहचान बदलने का आरोप, गुर्जर महासभा ने सौंपा ज्ञापन

पूर्व मंत्री कालूलाल गुर्जर के नेतृत्व में प्रदर्शन, प्रधानमंत्री के नाम ऐतिहासिक तथ्यों के अनुरूप संशोधन की मांग

स्मार्ट हलचल

मूलचन्द पेसवानी भीलवाड़ा । राजस्थान गुर्जर महासभा ने केंद्र सरकार के प्रकाशन विभाग द्वारा प्रकाशित पुस्तक 'भारत के नारी रत्न' में वीरांगना पन्नाधाय के जातीय परिचय को लेकर आपत्ति जताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम जिला कलक्टर के माध्यम से ज्ञापन सौंपा। महासभा ने पुस्तक में प्रकाशित विवरण को ऐतिहासिक तथ्यों के अनुरूप संशोधित करने की मांग की। महासभा के प्रदेशाध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री कालूलाल गुर्जर के नेतृत्व में आयोजित प्रदर्शन के दौरान ज्ञापन में बताया गया कि प्रकाशन विभाग द्वारा वर्ष 2022 के आठवें पुनर्मुद्रण में प्रकाशित पुस्तक 'भारत के नारी रत्न' (संपादक: ऋतुश्री, ISBN 978-93-5409-692-1) के पृष्ठ संख्या 8 पर पन्नाधाय के जीवन परिचय में उनकी मूल ऐतिहासिक पहचान और जातीय परिचय को बदलकर 'खींची राजपूत वंश की क्षत्राणी' अंकित किया गया है। महासभा का आरोप है कि यह विवरण ऐतिहासिक तथ्यों के विपरीत और भ्रामक है, जिससे गुर्जर समाज की भावनाएं आहत हुई हैं। कालूलाल गुर्जर ने कहा कि पन्नाधाय का बलिदान भारतीय इतिहास का अमर अध्याय है और उनकी वास्तविक ऐतिहासिक पहचान में किसी प्रकार का परिवर्तन उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि उपलब्ध ऐतिहासिक प्रमाणों के आधार पर केंद्र सरकार को पुस्तक में प्रकाशित तथ्यों की पुनः समीक्षा कर आवश्यक संशोधन करना चाहिए। ज्ञापन में यह भी मांग की गई कि भविष्य में इतिहास से जुड़े महापुरुषों एवं विभूतियों पर आधारित किसी भी सरकारी प्रकाशन से पहले ऐतिहासिक तथ्यों का गहन परीक्षण कराया जाए, ताकि तथ्यात्मक त्रुटियों और अनावश्यक विवादों से बचा जा सके। ज्ञापन सौंपने के दौरान अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के प्रदेशाध्यक्ष रामप्रसाद धाबाई, पन्नाधाय सेवा संस्थान करेड़ा के अध्यक्ष लाखाराम गुर्जर, राजस्थान गुर्जर महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष शंकरलाल गुर्जर, भीलवाड़ा जिलाध्यक्ष मोहनलाल सराधना, अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के जिलाध्यक्ष राधेश्याम भड़ाना, युवा जिलाध्यक्ष नारायणलाल काकड़ा, जिला महामंत्री गोपाल गुर्जर, जिला उपाध्यक्ष भंवरलाल हरल, राधेश्याम गुढ़ा, शांतिलाल जिंदल सहित संगठन के अनेक पदाधिकारी, तहसील अध्यक्ष एवं बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे। महासभा के पदाधिकारियों ने स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य किसी समाज विशेष का विरोध नहीं, बल्कि ऐतिहासिक तथ्यों की प्रामाणिकता बनाए रखना है। उन्होंने केंद्र सरकार से विषय की निष्पक्ष समीक्षा कर प्रमाणिक इतिहास के अनुरूप आवश्यक संशोधन करने का आग्रह किया।

विधुत पोल जानलेवा साबित हो रहे हैं लेकिन विभाग की अनदेखी

स्मार्ट हलचल

आकोला (रमेश चंद डाड) बीगोद नगरपालिका क्षेत्र के वार्डों में बिजली के खम्भे कई स्थानों पर लोहे के पुराने हैं।जो क्षतिग्रस्त होने लगे हैं। उन पोल पर जंग लगे हैं। जो जानलेवा बने हैं। लेकिन विभाग की अनदेखी कभी भी हादसे का कारण हो सकती हैं। सम्बंधित विभाग के अधिकारी वार्डों में स्थित विधुत पोलो का निरीक्षण करें तो वास्तविक स्थिति सामने आ जाएगी। स्थानीय जैन स्थानक मार्ग की चढ़ाई पर दूसरे सिमेंटेड पोल के सहारे लोहे का पोल लम्बे समय से खड़ा है।अब तो लोहे के पोल को सहारा देकर खड़ा सिमेंटेड पोल भी क्षतिग्रस्त हो रहा है।इस सम्बन्ध में उक्त क्षेत्र के नागरिकों ने विभाग के सम्बंधित कर्मियों को भी जानकारी दी थी लेकिन अनदेखी बनी हुई है।इसी तरह बापना मोहल्ले से जैन स्थानक जाने वाले मार्ग पर महता जी के मकान के निकट स्थित टेढ़े खड़े पोल को लकड़ी का सहारा दे रखा है।इस लोहे के विधुत पोल से कभी भी दुर्घटना हो सकती है। सम्बंधित अधिकारी वार्डों में स्थापित विधुत पोलों का निरीक्षण कर क्षतिग्रस्त विधुत पोलो हटाकर नये पोल स्थापित करने में पहल करें। वर्षा काल चल रहा है।ऐसे विधुत पोल राहगीरों के लिए हादसे का कारण न बने। इससे पूर्व सम्बंधित अधिकारी ध्यान देकर विधुत पोलो का निरीक्षण करे।

गनपॉइंट पर हुई व्यापारी से लूट का पर्दाफाश, 4 आरोपी गिरफ्तार व 1 बाल अपचारी निरुद्ध; कार, अवैध कट्टा और 6.56 लाख बरामद

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार ब्यावर/रास। रास थाना पुलिस ने ग्राम कुड़की सरहद में कपड़ा व्यापारियों से गनपॉइंट पर हुई लाखों रुपये की लूट की वारदात का महज़ कुछ ही दिनों में पर्दाफाश कर दिया है। पुलिस अधीक्षक रतन सिंह के निर्देशानुसार और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. अनुकृति उज्जैनियां व जैतारण डिप्टी रमेन्द्रसिंह हाडा के सुपरविजन में चलाए गए अभियान के तहत रास थानाधिकारी मंजू मुलेवा की टीम ने कार्रवाई करते हुए 4 शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है, जबकि 1 विधि से संघर्षरत बालक को संरक्षण में लिया गया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटी गई टाटा नेक्सॉन कार, दो सैमसंग मोबाइल, वारदात में इस्तेमाल अवैध देशी कट्टा, दो बाइक और कुल 6,56,300 रुपये की नकद राशि बरामद की है।

व्यापारियों को कार आगे लगाकर घेरा, कट्टा दिखाकर की मारपीट

जोधपुर के महामंदिर निवासी कपड़ा व्यापारी राजेश टेलर (45) और उनके साथी विमल टेलर (40) जैतारण, आनंदपुर कालू, लाबिया और रास क्षेत्र से पेमेंट का कलेक्शन कर पीसांगन की तरफ जा रहे थे। दोपहर करीब 1:30 बजे कुड़की महादेव मंदिर के पास दो मोटरसाइकिलों पर आए मुंह बांधे बदमाशों ने उनकी टाटा नेक्सॉन कार (RJ 19 CN 0631) के आगे गाड़ियां लगा दीं। बदमाशों ने गनपॉइंट पर व्यापारियों को धमकाया, उनके साथ मारपीट की और कार, चाबी, दो मोबाइल तथा रुपयों से भरे बैग (करीब 15.55 लाख रुपये) लूटकर फरार हो गए। पीड़ित की रिपोर्ट पर रास थाने में मुकदमा संख्या 145/2026 दर्ज कर जांच शुरू की गई।

सीसीटीवी और मुखबिर तंत्र से खुला राज, हुई ये बरामदगी

थानाधिकारी मंजू मुलेवा के नेतृत्व में गठित टीमों ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और तकनीकी विश्लेषण व मुखबिर की सूचना पर संदिग्धों को दबोच लिया। आरोपियों का पीसी रिमांड लेकर की गई पूछताछ के बाद पुलिस ने निम्नलिखित बरामदगी की:

महेंद्रसिंह: वारदात में प्रयुक्त अवैध देशी कट्टा, कार की चाबी, 2 सैमसंग मोबाइल और ?5,25,000 नकद।

प्रकाश व गुलाब: घटना में प्रयुक्त 2 मोटरसाइकिलें और दोनों से ?50,000-?50,000 (कुल ?1,00,000)।

पर्वतसिंह: लूट की राशि ?30,000।

पकड़े गए आरोपी

महेंद्रसिंह पुत्र नरपतसिंह (22), निवासी राबड़ियावास (रास, ब्यावर)

गुलाब पुत्र चंद्राराम (25), निवासी राबड़ियावास (रास, ब्यावर)

प्रकाश पुत्र तारूराम (24), निवासी राबड़ियावास (रास, ब्यावर)

पर्वतसिंह पुत्र नरपतसिंह (20), निवासी राबड़ियावास (रास, ब्यावर)

एक विधि से संघर्षरत बालक (संरक्षण में लिया गया)

कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम

इस सफल कार्रवाई में थानाधिकारी मंजू मुलेवा, एएसआई धर्माराम, एएसआई निर्मलसिंह, हेड कांस्टेबल महावीरसिंह, दलेल खां, कांस्टेबल सुशील (विशेष भूमिका), जेठाराम, रामचरण, संजय, सुरज्ञान, बस्तीराम, सतीश, हेतराम, कैलाश, मैनाराम, करतारसिंह, अजीतसिंह, देवकरण, रामपाल और रामगोपाल की मुख्य भूमिका रही।

अखिल भारतीय मजदूर कांग्रेस एवं कच्ची बस्ती प्रकोष्ठ कांग्रेस के संयुक्त तत्वावधान में जनसमस्याओं के मांग पत्र का पोस्टर विमोचन

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा अखिल भारतीय मजदूर कांग्रेस एवं कच्ची बस्ती प्रकोष्ठ, जिला कांग्रेस कमेटी भीलवाड़ा के संयुक्त तत्वावधान में आगामी 11 अगस्त 2026 को जिला कलेक्टर को सौंपे जाने वाले जनसमस्याओं से संबंधित ज्ञापन के पोस्टर का विमोचन किया गया। इस अवसर पर संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने आमजन से अधिक से अधिक संख्या में रैली एवं ज्ञापन कार्यक्रम में शामिल होकर जनहित की आवाज़ बुलंद करने का आह्वान किया। ज्ञापन में प्रमुख रूप से सफाई कर्मचारी भर्ती निरस्त करने, कर्मचारी राज्य बीमा (श्वस्द्ध) अस्पताल का क्रमोन्नयन, स्थायी पट्टे जारी करने, कच्ची बस्तियों में मूलभूत सुविधाओं का विकास, काछोला गांव के शमशान घाट तक सड़क निर्माण, संविदा कर्मचारियों के स्थायीकरण तथा भीलवाड़ा में संचालित अवैध नर्सिंग कॉलेजों पर कार्रवाई, शहर कि कच्ची बस्तियों में बिजली कंपनियों द्वारा अधिक बिल आने कि शिकायत में राहत दिलाने कि मांग, बिजौलिया के आदिवासी भील समाज के मकानों एवं भीलवाड़ा शहर व ग्रामीण क्षेत्रों कि समस्त कच्ची बस्तियों के स्थाई पट्टे जारी करने की मांग व राजस्थान सफाई कर्मचारी भर्ती में परम्परागत रूप से सफाई कार्य करने वाली वाल्मीकि समाज अनुभव प्रमाण पत्र कि बाध्यता को समाप्त कर जाति प्रमाण पत्र के आधार पर सफाई भर्ती कराने या पूरी भर्ती निरस्त कराने कि मांग सहित विभिन्न जनहित के मुद्दे शामिल हैं। इस अवसर पर अखिल भारतीय मजदूर कांग्रेस के कार्यकारी प्रदेशाध्यक्ष मुकेश कुमार घुसर, कच्ची बस्ती प्रकोष्ठ भीलवाड़ा के जिलाध्यक्ष एडवोकेट कन्हैया लाल रेगर, जिला उपाध्यक्ष राकेश देसाई, कश्मीर शेख,अंकित खोकर, असफाक मीर, मुबारिक मीर, इमरान नागौरी ,मनीष रेगर,शुभम घुसर, रवि कुचबंदा , मोहित लोट सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने संयुक्त रूप से पोस्टर का विमोचन किया तथा 11 अगस्त को प्रातः 10 बजे रेलवे स्टेशन के पास अंबेडकर सर्किल पर एकत्रित होकर अधिक से अधिक नागरिकों से कार्यक्रम में भाग लेकर जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपने का आह्वान किया।

श्री सीमेंट के खिलाफ सरकना के ग्रामीणों का हल्लाबोल, प्रदूषण व विस्थापन की मांग को लेकर फैक्ट्री गेट पर तीसरे दिन भी धरना जारी

मांगें नहीं मानने पर उग्र आंदोलन और फैक्ट्री के मुख्य गेट पर तालाबंदी की दी चेतावनी

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार ब्यावर । मसूदा तहसील की ग्राम पंचायत अंधेरी देवरी के राजस्व ग्राम सरकना के निवासियों का श्री सीमेंट लिमिटेड के खिलाफ आक्रोश चरम पर है। फैक्ट्री द्वारा लगातार फैलाए जा रहे जल, वायु और भूमि प्रदूषण तथा विस्थापन की मांग को लेकर ग्रामीण पिछले तीन दिनों से श्री सीमेंट फैक्ट्री के मुख्य द्वार पर बेमियादी धरना दे रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि कारखाने से निकलने वाले जहरीले रसायनों और धुएँ ने उनका जीना मुहाल कर दिया है।

बंजर हुई कृषि भूमि, पेयजल हुआ जहरीला

धरना दे रहे ग्रामीणों का कहना है कि सीमेंट कारखाने से निकलने वाले केमिकल युक्त अपशिष्ट के कारण आसपास के सभी किसानों की उपजाऊ भूमि पूरी तरह बंजर हो चुकी है। भूजल और स्थानीय कुओं में जहरीले रसायन घुलने से पीने के पानी का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। दूषित पानी पीने से न केवल इंसानों का स्वास्थ्य बिगड़ रहा है, बल्कि मवेशी और जलीय जीव भी अकाल मौत का शिकार हो रहे हैं।

अकाल मौत और बीमारियों का साया, मुआवजे की मांग

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि कारखाने की चिमनियों से उठने वाले विषैले धुएँ और गैसों के कारण क्षेत्र में सांस व कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का प्रकोप बढ़ गया है। प्रदूषण की वजह से कई लोग असमय काल के क्रूर ग्रास में समा चुके हैं, लेकिन कंपनी प्रबंधन या प्रशासन की ओर से पीड़ित परिवारों को कोई सहायता या मुआवजा राशि नहीं दी गई है।

पूर्व की तर्ज पर पुनर्वास की मुख्य मांग

ग्रामीणों ने प्रशासन और कंपनी प्रबंधन से मांग की है कि पूर्व में झुंझारों का बाड़िया, श्यामगढ़ और नीमगढ़ के ग्रामीणों की तरह सरकना वासियों को भी उनकी जमीन व मकानों का उचित मुआवजा दिया जाए। साथ ही, उन्हें श्री सीमेंट की टाउनशिप या सुरक्षित भूखंडों पर पूर्ण विस्थापित किया जाए।

गेट पर तालाबंदी की चेतावनी

आंदोलनकारियों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही उनकी जायज मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो वे उग्र रुख अपनाते हुए श्री सीमेंट लिमिटेड के मुख्य गेट की तालाबंदी (गेट बंद) करेंगे। ग्रामीणों ने कहा कि इसके बाद पैदा होने वाली किसी भी प्रशासनिक या कानून-व्यवस्था संबंधी स्थिति की पूरी जिम्मेदारी श्री सीमेंट प्रबंधन और स्थानीय प्रशासन की होगी।

प्रदर्शन में ये रहे मौजूद

धरना स्थल पर मुख्य रूप से AAP अध्यक्ष इकबाल काठात, rcmk नवयुवक मण्डल संरक्षक मुकेश काठात, भरत खरवा, एडवोकेट अनवर अली, इरफ़ान काठात, हमिद काठात, असलम काठात, मेहबूब काठात, आजाद काठात, बुदा जी, कादर जी, प्रभु जी, कस्तूर जी, असरफ जी, समदा जी, छोटू जी, गाजी जी, कलीम, नवाब, फिरोज, अमीन, कुणाल, नियाज, सतार, अनवर, मोहन जी, इकबाल, अमीन काठात एवं मोहन सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

राज्य के 35 उच्च प्राथमिक विद्यालय सीधे उच्च माध्यमिक विद्यालय में क्रमोन्नत,

शिक्षा सत्र 2026-27 से लागू होगा आदेश-माध्यमिक शिक्षा निदेशक बीकानेर ने जारी किए निर्देश

स्मार्ट हलचल

बीकानेर/जयपुर/टोंक । राजस्थान सरकार ने प्रदेश के 35 राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों को सीधे राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में क्रमोन्नत करने का आदेश जारी किया है। माध्यमिक शिक्षा निदेशक, बीकानेर द्वारा जारी आदेश के अनुसार यह निर्णय शिक्षा सत्र 2026-27 से प्रभावी रहेगा और नवक्रमोन्नत विद्यालयों में इसी सत्र से कक्षा संचालन प्रारंभ किया जाएगा।

आदेश के अनुसार राज्य सरकार की स्वीकृति के बाद इन विद्यालयों में चरणबद्ध तरीके से कक्षा 9, 10, 11 एवं 12 का संचालन किया जाएगा। विद्यालयों में विषयवार स्वीकृत पदों के अनुरूप व्याख्याताओं की नियुक्ति तथा आवश्यक शैक्षणिक व्यवस्थाएं भी की जाएंगी।

आदेश की प्रमुख बातें

प्रदेश के 35 उच्च प्राथमिक विद्यालय सीधे उच्च माध्यमिक विद्यालय में क्रमोन्नत।

आदेश शिक्षा सत्र 2026-27 से प्रभावी रहेगा।

चरणबद्ध रूप से कक्षा 9 से 12 तक का संचालन होगा।

स्वीकृत पदों के अनुसार व्याख्याताओं की नियुक्ति की जाएगी।

विद्यालयों में भवन, फर्नीचर एवं अन्य आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश।

छात्रों के हितों को ध्यान में रखते हुए शैक्षणिक कार्य बिना बाधा जारी रखने के निर्देश।

आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि संबंधित अधिकारियों को विद्यालयों में आवश्यक आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा नवक्रमोन्नत विद्यालयों में शिक्षण व्यवस्था सुचारु रूप से संचालित करने के निर्देश दिए गए हैं। यह निर्णय उन क्षेत्रों के विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जहां उच्च माध्यमिक स्तर की शिक्षा के लिए अब तक अन्य विद्यालयों पर निर्भर रहना पड़ता था। इससे विद्यार्थियों, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों के छात्र-छात्राओं को स्थानीय स्तर पर ही उच्च माध्यमिक शिक्षा का लाभ मिल सकेगा।

सावर में पांच सूत्रीय मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन धरना शुरू, ग्राम पंचायत व नगरपालिका के मामलों की उच्चस्तरीय जांच की मांग

रिकॉर्ड रूम में आग, सरकारी भूमि, पट्टों के आवंटन, गोशाला भूमि और दुकानों के किराए में अनियमितताओं के आरोप; ग्रामीणों ने दोषियों पर कार्रवाई की मांग उठाई

स्मार्ट हलचल

दिलखुश मीना सावर (अजमेर) @अजमेर जिले के सावर कस्बे में तत्कालीन ग्राम पंचायत एवं वर्तमान नगरपालिका से जुड़े विभिन्न मामलों की उच्चस्तरीय जांच की मांग को लेकर गुरुवार से युवा नेता दुर्गेश प्रजापत के नेतृत्व में ग्रामीणों ने नगरपालिका भवन के बाहर टेंट लगाकर अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया। धरने पर बैठे ग्रामीणों ने राज्य सरकार और जिला प्रशासन से पांच सूत्रीय मांगों पर निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई करने की मांग की। धरनार्थियों का कहना है कि लगभग दो वर्ष पूर्व ग्राम पंचायत से नगरपालिका बनने के बाद से कई मामलों को लेकर लगातार विवाद और आरोप-प्रत्यारोप सामने आते रहे हैं। इसी क्रम में अब ग्रामीणों ने विभिन्न कथित अनियमितताओं की की मांग को लेकर आंदोलन का रास्ता अपनाया है। ग्रामीणों ने अपनी मांगों में कहा कि नगरपालिका के रिकॉर्ड रूम में लगी आग की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए, ताकि आग लगने के वास्तविक कारणों और सरकारी अभिलेखों एवं संपत्ति को हुए नुकसान की सच्चाई सामने आ सके। इसके अलावा उन्होंने आरोप लगाया कि नगरपालिका की सरकारी भूमि के कथित बेचान तथा अवैधानिक तरीके से ग्रेवल सड़क निर्माण की भी निष्पक्ष जांच कराई जाए। धरनार्थियों का यह भी आरोप है कि एक ही दिन में नियमों के विपरीत 100 से अधिक पट्टे जारी किए गए, जिसकी जांच आवश्यक है। धरने पर बैठे ग्रामीणों ने गोशाला के नाम पर आवंटित भूमि, उस पर हुए कथित अतिक्रमण तथा तत्कालीन ग्राम पंचायत द्वारा आय बढ़ाने के उद्देश्य से बनाई गई दुकानों के किराया निर्धारण एवं वसूली में हुई कथित अनियमितताओं की भी जांच कराने की मांग उठाई। धरनार्थियों ने कहा कि जब तक उनकी पांच सूत्रीय मांगों पर ठोस कार्रवाई और उच्चस्तरीय जांच के आदेश जारी नहीं होते, तब तक उनका अनिश्चितकालीन धरना जारी रहेगा। वहीं उन्होंने राज्य सरकार एवं जिला कलेक्टर अजमेर से पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने की मांग की।

टोंक: नरेश मीणा ने नगरफोर्ट थाने में किया सरेंडर, समर्थकों को संबोधित करते हुए भावुक हुए

टोंक(नरेश कुरेडा) । समरावता थप्पड़कांड मामले में नरेश मीणा ने गुरुवार को नगरफोर्ट थाने में सरेंडर कर दिया। सरेंडर से पहले उन्होंने समर्थकों को संबोधित करते हुए कहा कि उनके खिलाफ बड़ा षड्यंत्र रचा जा रहा था। उनका आरोप था कि उन्हें स्थायी वारंट जारी कर भगोड़ा घोषित करने और उनकी संपत्ति का ब्यौरा जुटाकर बुलडोजर कार्रवाई की तैयारी की जा रही थी। नरेश मीणा ने कहा कि उनकी जमानत 13 जुलाई को ही रद्द कर दी गई थी और वे किसानों के अधिकारों की लड़ाई जारी रखेंगे। उन्होंने समर्थकों का आभार व्यक्त करते हुए किसान समुदाय से एकजुट रहने की अपील की।
संबोधन के दौरान वे भावुक हो गए और उनकी आंखों से आंसू छलक पड़े। सरेंडर के बाद नगरफोर्ट थाना प्रभारी राजेंद्र टाडा ने नरेश मीणा को हिरासत में ले लिया। थाने के बाहर बैरिकेडिंग कर समर्थकों को रोका गया, जबकि बड़ी संख्या में समर्थकों ने नारेबाजी की। पुलिस उन्हें आज एससी-एसटी कोर्ट में पेश कर सकती है। गौरतलब है कि टोंक एससी-एसटी कोर्ट ने समरावता थप्पड़कांड मामले में नरेश मीणा की जमानत रद्द कर दी थी। इससे पहले उन्हें हाईकोर्ट से जमानत मिली थी। सरेंडर के दौरान प्रहलाद खटाना भी उनके साथ मौजूद रहे।
एहतियात के तौर पर नगरफोर्ट थाने के बाहर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। वहीं देवली, टोंक और उनियारा क्षेत्रों में धारा 144 लागू है। पुलिस और खुफिया एजेंसियां पूरे घटनाक्रम पर लगातार नजर बनाए हुए हैं।

यूजीसी रेगुलेशन-2026 के विरोध में 15 हजार किलोमीटर की जनजागरण वाहन यात्रा शुरू, 23 अगस्त को दिल्ली में महापंचायत

स्मार्ट हलचल

चित्तौड़गढ़, यूजीसी रेगुलेशन-2026 में कथित विसंगतियों के विरोध और इसे वापस लेने की मांग को लेकर सवर्ण समाज से जुड़े संगठनों ने राष्ट्रव्यापी जनजागरण अभियान शुरू करने की घोषणा की है। अभियान के तहत 15 हजार किलोमीटर की जनजागरण वाहन यात्रा निकाली जाएगी, जो राजस्थान, मध्य प्रदेश, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और दिल्ली सहित विभिन्न राज्यों के जिलों से होकर गुजरेगी। यात्रा का समापन 23 अगस्त को नई दिल्ली में प्रस्तावित 'यूजीसी रोलबैक सवर्ण आक्रोश महापंचायत' में होगा। यह जानकारी बुधवार शाम चित्तौड़गढ़ बस स्टैंड के पीछे स्थित होटल कृष्ण में आयोजित प्रेस वार्ता में क्षत्रिय करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राज सिंह शेखावत ने दी। उन्होंने बताया कि यात्रा का उद्देश्य विद्यार्थियों, अभिभावकों, शिक्षकों, शिक्षाविदों और सामान्य वर्ग के नागरिकों के बीच यूजीसी रेगुलेशन-2026 से जुड़े मुद्दों तथा संगठन की मांगों को लेकर जनसंवाद स्थापित करना है। आयोजकों के अनुसार, यात्रा के दौरान विभिन्न जिलों में पंचायत एवं सम्मेलन, जनसंवाद, प्रेस वार्ता तथा सामाजिक संगठनों के साथ बैठकें आयोजित की जाएंगी। अभियान के माध्यम से संबंधित मुद्दों पर लोकतांत्रिक तरीके से जनमत तैयार करने और अपनी मांगों को संबंधित प्राधिकरणों तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। डॉ. शेखावत ने कहा कि 23 अगस्त को नई दिल्ली में आयोजित होने वाली महापंचायत में देशभर से सवर्ण समाज के प्रतिनिधियों के साथ विद्यार्थी, शिक्षाविद और विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी शामिल होंगे। महापंचायत के माध्यम से यूजीसी रेगुलेशन-2026 को लेकर संगठन की आपत्तियों और मांगों को सरकार तथा संबंधित प्राधिकरणों के समक्ष रखा जाएगा। आयोजकों ने अभियान का संदेश 'जन-जन तक संवाद, शिक्षा में न्याय और समान अवसर की मांग' रखा है। प्रेस वार्ता में इसे पूर्णतः लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक जनजागरण अभियान बताते हुए कहा गया कि अभियान के दौरान संवाद, जनजागरण और ज्ञापन के माध्यम से अपनी बात संबंधित प्राधिकरणों तक पहुंचाई जाएगी।

ये पदाधिकारी रहे मौजूद

प्रेस वार्ता में संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राज सिंह शेखावत, महामंत्री युवराज सिंह झाला तथा राजसमंद जिला अध्यक्ष अनूप सिंह देवड़ा मौजूद रहे। इसके अलावा क्षत्रिय करणी सेना चित्तौड़गढ़ के जिला संरक्षक महिपाल सिंह सोलंकी (फाचर), जिला अध्यक्ष अरविंद सिंह चुंडावत (सावा), तहसील अध्यक्ष शंभूपुरा विजय सिंह, महिला जिला अध्यक्ष मायाकुंवर शक्तावत, जिला मीडिया प्रभारी हरिओम सिंह परमार, जिला उपाध्यक्ष खुशबू सिंह, प्रहलाद सिंह (धारोल), राजेंद्र सिंह सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। प्रेस वार्ता के दौरान आयोजकों ने विद्यार्थियों, अभिभावकों, शिक्षकों, बुद्धिजीवियों, सामाजिक संगठनों और नागरिकों से अभियान में सहभागी बनने तथा 23 अगस्त को नई दिल्ली में प्रस्तावित महापंचायत में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने का आह्वान किया। आयोजकों ने कहा कि 15 हजार किलोमीटर की यह यात्रा केवल दूरी तय करने का अभियान नहीं, बल्कि जनजागरण, संवाद और शिक्षा से जुड़े मुद्दों पर समाज को जोड़ने का प्रयास है।

आयोजक एवं व्यवस्थापक:
क्षत्रिय करणी सेना एवं अखंड करणी पार्टी
डॉ. राज सिंह शेखावत, संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष
संपर्क-9276155439, 9638716267

जहाजपुर क्षेत्र में फसलों का सघन सर्वे, कीट प्रकोप फिलहाल आर्थिक नुकसान स्तर से नीचे

कपास में थ्रिप्स-सफेद मक्खी, मक्का में फॉल आर्मी वॉर्म व उड़द में येलो मोजेक के मिले लक्षण; किसानों को सतर्क रहने की सलाह

स्मार्ट हलचल

अलकेश पारीक जहाजपुर। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के टिड्डी एवं एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन केंद्र जयपुर तथा कृषि विभाग भीलवाड़ा के संयुक्त तकनीकी दल ने गुरुवार को जहाजपुर क्षेत्र में कपास, मक्का, उड़द एवं ज्वार की फसलों का सघन सर्वेक्षण किया। राहत की बात यह रही कि फिलहाल फसलों में कीट एवं रोगों का प्रकोप आर्थिक नुकसान स्तर (थ्रेशहोल्ड) से नीचे पाया गया। तकनीकी दल ने जहाजपुर, जलमपुरा, बिहाड़ा, जीरा, हाथोड़िया, खजुरिया खेड़ा और पंडेर क्षेत्र में खेतों का निरीक्षण कर फसलों की स्थिति का जायजा लिया। सर्वेक्षण दल में सहायक वनस्पति संरक्षण अधिकारी श्योराम एवं डॉ. जगदीश यादव, कृषि विभाग जहाजपुर के सहायक कृषि अधिकारी सीताराम मीणा, कृषि पर्यवेक्षक दिनेश मीणा तथा दुर्गालाल मीणा शामिल रहे। निरीक्षण के दौरान कपास की फसल में थ्रिप्स, सफेद मक्खी एवं जैसिड (हॉपर), मक्का में फॉल आर्मी वॉर्म तथा उड़द में येलो मोजेक रोग के लक्षण देखने को मिले। अधिकारियों के अनुसार वर्तमान में इनका प्रकोप आर्थिक नुकसान स्तर से नीचे है। ऐसे में किसानों को घबराने की जरूरत नहीं है, लेकिन फसलों की नियमित निगरानी जरूरी है।

अनुशंसित कीटनाशक ही इस्तेमाल करने की सलाह

अधिकारियों ने किसानों से कहा कि कीटों का प्रकोप बढ़ने की स्थिति में अपनी मर्जी से अंधाधुंध कीटनाशकों का छिड़काव न करें। केवल सीआईबी एंड आरसी (CIB&RC) द्वारा अनुशंसित कीटनाशकों का ही निर्धारित मात्रा में उपयोग करें। सर्वेक्षण के दौरान किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। इसमें किसानों को कीटनाशकों के सुरक्षित, संतुलित एवं विवेकपूर्ण उपयोग की जानकारी दी गई। साथ ही कपास के कुछ खेतों में गुलाबी सुंडी की निगरानी एवं नियंत्रण के लिए फेरोमोन ट्रैप तथा अन्य कीटों की रोकथाम के लिए नीले चिपचिपे ट्रैप लगाए गए। तकनीकी दल ने किसानों को इन ट्रैप की उपयोगिता के साथ समेकित कीट प्रबंधन (आईपीएम) की जानकारी देते हुए बताया कि समय पर निगरानी और वैज्ञानिक तरीके अपनाकर कम कीटनाशक उपयोग में भी फसलों को कीटों से सुरक्षित रखा जा सकता है।

देबीपुरा-केरिया में महिला का आरोप

पति बिना तलाक के दूसरी पत्नी ले भागा व 3 दिन पूर्व मकान तोड़ने, मारपीट और लाखों की चोरी का लगाया आरोप

स्मार्ट हलचल

माण्डल । माण्डल थाना क्षेत्र के देबीपुरा-केरिया निवासी हीरी देवी पत्नी नारायण गुर्जर ने माण्डल थानाधिकारी को परिवाद देकर पति, उसके पति पर धोखा देकर दूसरी पत्नी से शादी करने वह मकान की चारदीवारी तोड़ने वह लाखों की नकदी वह जेवरात लूटने का मामला अपने पति के खिलाफ रिपोर्ट देकर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। परिवाद में हीरी देवी ने बताया कि वह नारायण गुर्जर की पहली पत्नी हैं तथा उनके दो पुत्र और एक पुत्री हैं। आरोप है कि करीब आठ वर्ष पहले उनके पति ने उनके जीवित रहते दूसरी महिला मेमा गुर्जर निवासी बटेडा (आसींद) से नाता विवाह कर लिया। इसके बाद से पति का व्यवहार बदल गया और वह आए दिन मारपीट व प्रताड़ित करने लगा। महिला का कहना है कि पति दूसरी पत्नी के साथ बड़ौदा में रहता है तथा परिवार का खर्च भी नहीं देता। महिला ने आरोप लगाया कि करीब 15 दिन पहले पति और उसकी दूसरी पत्नी देबीपुरा आए तथा उसके और बच्चों के साथ मारपीट कर घर से निकाल दिया। साथ ही भैंस भी अपने कब्जे में रख ली और मकान में रखे सोने-चांदी के जेवर व नकदी तक पहुंचने नहीं दिया। इस संबंध में पूर्व में माण्डल थाना, डायल 112 सहित अन्य स्थानों पर शिकायत भी की गई, लेकिन प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। परिवाद के अनुसार 3 अगस्त की रात आरोपियों ने जेसीबी बुलाकर सुरक्षा दीवार गिरा दी तथा लोहे का गेट पिकअप वाहन में ले गए। इसके अगले दिन 4 अगस्त की रात 10 से 15 लोगों के साथ दोबारा जेसीबी से चारदीवारी और लेट-बाथ (शौचालय) को भी ध्वस्त कर दिया। 5 अगस्त को जब महिला बच्चों के साथ मौके पर पहुंची तो कमरे में रखे करीब दो लाख रुपये नकद, दो तोला सोने के आभूषण, चांदी के जेवर तथा भैंस गायब मिले। महिला का आरोप है कि आरोपियों ने उसे उसके मकान से बेदखल कर दिया है और उसके जान-माल को खतरा बना हुआ है। उसने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई करने, चोरी व तोड़फोड़ से हुए नुकसान की भरपाई दिलाने तथा परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। परिवार जनों ने बताया कि नारायण आदतन अपराधी है ,उनके डर सारा परिवार जन खौफ में है और गांव छोड़कर अन्यत्र रहने को मजबूर है।

सीबीएसई वेस्ट ज़ोन जूडो चैंपियनशिप 2026 में बनेड़ा के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

स्मार्ट हलचल

बनेड़ा - सीबीएसई वेस्ट ज़ोन जूडो चैंपियनशिप 2026 का आयोजन 1से 4 अगस्त तक गुजरात पब्लिक स्कूल, छाणी, वडोदरा (गुजरात) में हुआ। इस प्रतियोगिता में राजस्थान, गुजरात एवं मध्यप्रदेश की कुल 32 टीमों ने भाग लिया। इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में बनेड़ा क्षेत्र के बालक एवं बालिकाओं ने प्रतियोगिता में उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए जिले का नाम गौरवान्वित किया। इन खिलाड़ियों को जूडो कोच उमा राजपूत के मार्गदर्शन एवं प्रशिक्षण का लाभ मिला। कार्तिक माली ने (अंडर-11, 40 किलोग्राम भार वर्ग), मे कांस्य पदक प्राप्त किया। वही राजकमल सुथार (अंडर-19, 40 किलोग्राम भार वर्ग), ने भी तीसरे स्थान पर रहते हुए।

कांस्य पदक प्राप्त किया। साथ ही

प्रतीक्षा चौहान ने (अंडर-14, 44 किलोग्राम भार वर्ग), ने रजत पदक प्राप्त किया तथा अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर राष्ट्रीय जूडो प्रतियोगिता (National Championship) के लिए चयनित होकर बनेड़ा (भीलवाड़ा) जिले का गौरव बढ़ाया। इस उपलब्धि पर क्षेत्रवासियों, खेल प्रेमियों एवं परिवारजनों ने सभी खिलाड़ियों तथा जूडो कोच श्रीमती उमा राजपूत को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं तथा खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन की कामना की।

हरियाली अमावस्या महोत्सव की तैयारियों को लेकर संजय कालोनी माहेश्वरी महिला मंडल की बैठक संपन्न

ग्रीन थीम, सांस्कृतिक कार्यक्रम, ज्ञानवर्धक खेल और सामूहिक उद्यापन सहित विभिन्न आयोजनों की बनी रूपरेखा...

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा (पंकज पोरवाल)। संजय कॉलोनी माहेश्वरी समाज संस्थान भवन में आयोजित संजय कॉलोनी माहेश्वरी महिला मंडल की इस सत्र की द्वितीय साधारण बैठक में आगामी हरियाली अमावस्या महोत्सव को उत्साह, परंपरा और पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ मनाने की रूपरेखा तैयार की गई। बैठक में सांस्कृतिक कार्यक्रमों, ग्रीन थीम, मनोरंजक गतिविधियों, पिकनिक एवं छोटी तीज पर सामूहिक उद्यापन सहित विभिन्न आयोजनों पर विस्तार से चर्चा कर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। सभी सदस्याओं ने सक्रिय सहभागिता निभाते हुए अपने सुझाव दिए, जिससे महोत्सव को भव्य और यादगार बनाने की योजना तैयार की गई। मंडल अध्यक्ष अनुपमा मंत्री ने आगामी कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए विभिन्न आयोजनों की जानकारी दी। सचिव मधु हिंगड़ ने बताया कि इस वर्ष महोत्सव की थीम ग्रीन रानी रखी गई है, जो पर्यावरण संरक्षण और प्रकृति से जुड़ाव का संदेश देगी। बैठक में निर्णय लिया गया कि महोत्सव के दौरान ज्ञानवर्धक खेल, सरप्राइज एक्टिविटीज, मनोरंजक प्रतियोगिताएं तथा श्रावण एवं हरियाली पर आधारित नृत्य-नाटिका और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आयोजित की जाएंगी। इन कार्यक्रमों के माध्यम से भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। इसके अलावा छोटी तीज पर्व पर माहेश्वरी समाज की महिलाओं का सामूहिक उद्यापन कराने के संबंध में भी विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। संरक्षक मधु लढा ने बताया कि बैठक में लगभग 45 सदस्याओं की उपस्थिति रही। इनमें मधु बहेड़िया, मीता अटल, जतन हिंगड़, पुष्पा मूंदड़ा, प्रियंका मालू, डिम्पल डाड, कोमल माहेश्वरी, अदिति माहेश्वरी, टोनिका झंवर, संगीता सामरिया, शिवानी समदानी, जया बांगड़, कुसुम बांगड़, सफलता बिरला, सज्जन देवी तोषनीवाल, सुमन अजमेरा, मनीषा बांगड़, अंकिता मूंदड़ा, सुनीता जागेटिया, अर्चना असावा, शिवानी माहेश्वरी, अंजू मंडोवरा, शिखा सोमानी, रेखा मालानी, दर्शना माहेश्वरी, कांता भदादा, ज्योति गग्गड़, अंजू बांगड़, पूनम मूंदड़ा, किरण समदानी, प्रतिभा मूंदड़ा, अंजली बिरला सहित अन्य कई सदस्याएं उपस्थित रही।

डेढ़ साल में ही उखड़ गई करोड़ों की सड़क, भारी बजरी डंपरों ने बिगाड़ी हालत

प्रतिदिन गिरकर चोटिल हो रहे वाहन चालक, ग्रामीणों ने तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

स्मार्ट हलचल

सुनील बाबेल, अंटाली अंटाली। NH-148D से ग्राम अंटाली को जोड़ने वाले अंटाली-पटवारी संपर्क मार्ग की बदहाल स्थिति को लेकर गुरुवार को ग्रामीणों ने अंटाली तहसीलदार राजेन्द्र सिंह को ज्ञापन सौंपकर सड़क की तत्काल मरम्मत की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि करीब डेढ़ वर्ष पहले बनी यह सड़क अब पूरी तरह जर्जर हो चुकी है। ग्रामीणों के अनुसार, पिछले दिनों बजरी लीज धारक के प्रतिदिन 80 से 100 बजरी से भरे डंपर इसी मार्ग से गुजरते रहे, जिससे सड़क जगह-जगह से उखड़ गई और बड़े-बड़े गड्ढे बन गए। सड़क की हालत इतनी खराब हो चुकी है कि प्रतिदिन दोपहिया वाहन चालक फिसलकर गिर रहे हैं और कई लोग चोटिल हो चुके हैं। बरसात के दौरान गड्ढों में पानी भर जाने से हादसों का खतरा और बढ़ गया है। ग्रामीणों ने बताया कि यह मार्ग केवल अंटाली गांव का ही नहीं, बल्कि ब्यावर एवं प्रसिद्ध धार्मिक स्थल देवमाली जाने वाले हजारों यात्रियों का प्रमुख संपर्क मार्ग भी है। किसान भी इसी सड़क से खेतों तक पहुंचते हैं और कृषि उपज का परिवहन करते हैं। प्रतिदिन हजारों वाहनों की आवाजाही के बावजूद सड़क की मरम्मत नहीं होने से लोगों में भारी नाराजगी है। ग्रामीणों ने प्रशासन से क्षतिग्रस्त मार्ग की शीघ्र मरम्मत करवाने तथा भारी वाहनों से हुई क्षति के लिए जिम्मेदार लोगों के विरुद्ध कार्रवाई करने की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी कि यदि समय रहते सड़क की मरम्मत नहीं हुई तो भविष्य में कोई बड़ा हादसा हो सकता है।

नहर की बदहाली बनी वार्डवासियों के लिए मुसीबत, घरों की नींव तक पहुंचा गंदा पानी

स्मार्ट हलचल

हमीरगढ़(अल्लाउद्दीन मंसूरी) कवि नगर स्टेशन क्षेत्र में सिंचाई विभाग की लापरवाही के कारण वार्डवासी लंबे समय से परेशान हैं। क्षेत्र में नहर के पानी की उचित निकासी नहीं होने से आसपास के घरों का गंदा पानी एकत्रित हो रहा है। पानी भरने के बाद नहर ओवरफ्लो हो जाती है, जिससे गंदा पानी आसपास के मकानों की नींव तक पहुंच रहा है। स्थानीय रहवासियों का कहना है कि लगातार गंदा पानी जमा रहने से कई मकानों की नींव कमजोर होकर बैठने लगी है। इससे लोगों को अपने घरों की सुरक्षा को लेकर चिंता सताने लगी है। वहीं, लंबे समय से जमा गंदे पानी में बड़ी संख्या में मच्छर पनप रहे हैं, जिससे क्षेत्र में डेंगू, मलेरिया सहित अन्य बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। मनमोहन सिंह बताया कि इस समस्या को लेकर कई बार उपखण्ड अधिकारी एवं संबंधित विभागको लिखित शिकायत एवं रिपोर्ट दी जा चुकी है, लेकिन इसके बावजूद आज तक कोई स्थायी समाधान नहीं किया गया। आरोप है कि विभाग द्वारा नहर की नियमित सफाई भी नहीं करवाई गई है, जिसके कारण पानी की निकासी बाधित हो रही है और समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है। वार्डवासियों ने सिंचाई विभाग से जल्द नहर की सफाई करवाने, पानी की उचित निकासी की व्यवस्था करने तथा जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान करने की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो क्षेत्रवासियों को आंदोलन करने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है।

'एक पौधा मां के नाम' अभियान के तहत राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बिजोलिया में हुआ पौधारोपण

स्मार्ट हलचल

बिजौलियाँ(दीपक राठौर) । पर्यावरण संरक्षण एवं हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चलाए जा रहे 'एक पौधा मां के नाम' अभियान के तहत आज राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बिजोलिया परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य दिलीप सिंह, पौधारोपण प्रभारी सुलेश चित्तौड़ा, स्टाफ साथी महावीर रेगर, शिवलाल धोबी सहित विद्यालय के अन्य शिक्षकगण, एसडीएमसी (SDMC) के सम्मानित सदस्यों तथा विद्यार्थियों ने बड़े ही उत्साह एवं समर्पण के साथ मिलकर पौधे लगाए। सभी ने रोपे गए पौधों की सुरक्षा और उनकी नियमित देखरेख का संकल्प भी लिया। कार्यक्रम के दौरान प्रधानाचार्य दिलीप सिंह ने अभियान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मां और प्रकृति दोनों ही हमारे जीवन का आधार हैं। अपनी मां के सम्मान में लगाया गया पौधा न केवल पर्यावरण को शुद्ध बनाएगा, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी एक अनमोल उपहार सिद्ध होगा। पौधारोपण प्रभारी सुलेश चित्तौड़ा एवं उपस्थित स्टाफ सदस्यों ने विद्यार्थियों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करते हुए अधिक से अधिक पेड़ लगाने तथा उनकी देखभाल करने के लिए प्रेरित किया। छात्र-छात्राओं ने भी अपनी मां के नाम पर उत्साहपूर्वक पौधे रोपे और प्रकृति की रक्षा करने का वचन दिया। कार्यक्रम में विद्यालय परिवार के समस्त शिक्षकगण, कर्मचारी, एसडीएमसी के प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

नहरों में पानी नहीं पहुंचने से सूखने लगी फसलें, किसान चिंतित, बारिश निष्क्रिय

स्मार्ट हलचल

लाखेरी - उपखंड क्षेत्र में पर्याप्त वर्षा नहीं होने और टेल क्षेत्र तक नहरों का पानी नहीं पहुंचने से किसानों की खरीफ फसलें सिंचाई के अभाव में सूखने लगी हैं। धान, सोयाबीन, तिल्ली, मूंग सहित अन्य फसलों में नमी की कमी के कारण मुरझाने की स्थिति बन गई है, जिससे किसानों की चिंता लगातार बढ़ रही है। ग्रामीणों के अनुसार प्रशासन द्वारा नहरों में जल प्रवाह तो किया गया, लेकिन अब तक टेल क्षेत्र के खेतों तक पानी नहीं पहुंच पाया है। दूसरी ओर मानसून भी अपेक्षित रूप से सक्रिय नहीं होने से फसलों को पर्याप्त वर्षा का लाभ नहीं मिल सका है। ऐसे में किसान दोहरी मार झेल रहे हैं। कई किसानों ने पानी की कमी को देखते हुए पहले बोई गई धान की फसल को नष्ट कर सोयाबीन एवं तिल्ली जैसी कम पानी वाली फसलों की बुआई की थी, लेकिन अब नहरों में पानी नहीं पहुंचने से ये फसलें भी सूखने लगी हैं। यदि शीघ्र सिंचाई की व्यवस्था नहीं हुई तो किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। खरायता सरपंच बदरीलाल मीणा, लबान सरपंच बुध्दि प्रकाश, मीणा किसान नेता रामावतार मीणा, भाजपा युवा मोर्चा मण्डल अध्यक्ष हेमन्त पालीवाल ने प्रशासन एवं सिंचाई विभाग से मांग की है कि टेल क्षेत्र तक तत्काल नहरी पानी पहुंचाया जाए, ताकि किसानों की खड़ी फसलों को बचाया जा सके और उन्हें राहत मिल सके।

शिक्षा की काशी कोटा बन रहा नेत्र चिकित्सा प्रशिक्षण का प्रमुख केंद्र

सुवि नेत्र चिकित्सालय, कोटा में देशभर के 40 से अधिक युवा नेत्र चिकित्सकों को मिला प्रशिक्षण

स्मार्ट हलचल

कोटा सुवि नेत्र चिकित्सालय एवं लेसिक लेजर सेंटर, कोटा में बुधवार को मेडिकल रेटिना फेलोशिप प्रशिक्षण समापन, प्रमाण-पत्र वितरण तथा नई फेलो के स्वागत के अवसर पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ फिजिशियन एवं एपीआई के पूर्व अध्यक्ष डॉ. के. के. पारीक तथा विशिष्ट अतिथि राजकीय संभागीय सार्वजनिक पुस्तकालय, कोटा के संभागीय पुस्तकालयाध्यक्ष एवं प्रमुख और कोटा संभाग के सार्वजनिक पुस्तकालयों के नोडल अधिकारी डॉ. दीपक कुमार श्रीवास्तव रहे। इस अवसर पर मेडिकल रेटिना फेलोशिप का प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करने वाली डॉ. हिमांशी भारद्वाज को प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। वहीं आंध्र प्रदेश के ओंगोल शहर से आईं डॉ. ललिता मनासा ने सुवि नेत्र चिकित्सालय में नई मेडिकल रेटिना फेलो के रूप में अपना प्रशिक्षण प्रारंभ किया। अतिथियों और वरिष्ठ चिकित्सकों ने दोनों युवा चिकित्सकों को उज्ज्वल, सफल और सेवाभावी भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं। सुवि नेत्र चिकित्सालय के निदेशक एवं वरिष्ठ नेत्र सर्जन डॉ. सुरेश कुमार पाण्डेय, डॉ. विदुषी शर्मा तथा रेटिना विशेषज्ञ डॉ. निपुण बागरेचा ने बताया कि मेडिकल रेटिना फेलोशिप का उद्देश्य युवा नेत्र चिकित्सकों को रेटिना रोगों की आधुनिक जाँच, सटीक निदान, वैज्ञानिक उपचार और दीर्घकालीन प्रबंधन का व्यापक व्यावहारिक प्रशिक्षण देना है। प्रशिक्षण के दौरान फेलोज़ को आधुनिक तकनीकों के साथ रोगियों की समस्याओं को संवेदनशीलता से समझने, सही चिकित्सकीय निर्णय लेने, प्रभावी संवाद स्थापित करने और टीम के साथ समन्वयपूर्वक कार्य करने का भी प्रशिक्षण दिया जाता है। मुख्य अतिथि डॉ. के. के. पारीक ने कहा कि चिकित्सा के क्षेत्र में निरंतर अध्ययन, व्यावहारिक प्रशिक्षण और अनुभवी चिकित्सकों का मार्गदर्शन अत्यंत महत्वपूर्ण है। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान तेजी से विकसित हो रहा है, इसलिए प्रत्येक चिकित्सक को जीवनभर विद्यार्थी बने रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि चिकित्सक की वास्तविक पहचान केवल उसके ज्ञान और तकनीकी कौशल से नहीं, बल्कि रोगियों के प्रति संवेदनशील, विनम्र, नैतिक और जिम्मेदार व्यवहार से भी होती है। एक अच्छा चिकित्सक रोग के उपचार के साथ रोगी और उसके परिवार में विश्वास तथा आशा का संचार भी करता है। विशिष्ट अतिथि डॉ. दीपक कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि फेलोशिप प्रशिक्षण युवा चिकित्सकों को विशेषज्ञता प्राप्त करने, जटिल रोगों को गहराई से समझने और उनका वैज्ञानिक उपचार करने में सक्षम बनाता है। वरिष्ठ चिकित्सकों से मिला व्यावहारिक मार्गदर्शन आगे चलकर हजारों रोगियों के लिए लाभकारी सिद्ध होता है। उन्होंने युवा चिकित्सकों से नवीनतम चिकित्सा तकनीकों और वैज्ञानिक अनुसंधान से जुड़े रहने तथा चिकित्सा के उच्च नैतिक मूल्यों का पालन करने का आह्वान किया। रेटिना विशेषज्ञ डॉ. निपुण बागरेचा ने कहा कि दक्षिण भारत सहित देश के विभिन्न राज्यों और शहरों से नेत्र चिकित्सकों का विशेष प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए 'शिक्षा की काशी' कोटा आना शहर के लिए गौरव का विषय है। शिक्षा नगरी कोटा अब नेत्र चिकित्सा प्रशिक्षण के क्षेत्र में भी अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित कर रहा है। डॉ. सुरेश कुमार पाण्डेय एवं डॉ. निपुण बागरेचा ने बताया कि फेलोशिप के दौरान नियमित शैक्षणिक कक्षाएँ, क्लिनिकल केस डिस्कशन, रेटिना इमेजिंग की व्याख्या, रोगियों की विस्तृत जाँच, उपचार योजना तैयार करने और फॉलो-अप प्रबंधन का प्रशिक्षण दिया जाता है। फेलोज़ को इनडायरेक्ट ऑफ्थैल्मोस्कोपी, ऑप्टिकल कोहेरेंस टोमोग्राफी–ओसीटी, फंडस फ्लोरेसिन एंजियोग्राफी–एफएफए, एंटी-वीईजीएफ इंट्राविट्रियल इंजेक्शन, रेटिनल लेजर फोटोकोएगुलेशन तथा बैराज रेटिना लेजर जैसी आधुनिक जाँच एवं उपचार पद्धतियों का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया जाता है। इसके साथ ही डायबिटिक रेटिनोपैथी, डायबिटिक मैक्युलर एडीमा, आयु-संबंधी मैक्युलर डिजनरेशन, रेटिनल वेन ऑक्लूजन, रेटिनल टियर तथा अन्य रेटिना रोगों के समयबद्ध निदान, उपचार और दीर्घकालीन प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया जाता है। वरिष्ठ नेत्र चिकित्सक डॉ. एस. के. गुप्ता एवं डॉ. सुभाष गुप्ता ने कहा कि तकनीकी दक्षता के साथ सहानुभूति, प्रभावी संवाद, टीमवर्क, अनुशासन और जिम्मेदार चिकित्सकीय व्यवहार भी प्रशिक्षण का अभिन्न अंग हैं। चिकित्सा प्रशिक्षण का अंतिम उद्देश्य ऐसे सक्षम, कुशल, संवेदनशील और सेवाभावी चिकित्सक तैयार करना है, जो अपने ज्ञान एवं कौशल के माध्यम से समाज की प्रभावी सेवा कर सकें। सुवि नेत्र चिकित्सालय में अब तक देश के विभिन्न राज्यों से आए 40 से अधिक युवा नेत्र चिकित्सकों को मेडिकल रेटिना सहित विभिन्न नेत्र चिकित्सा विषयों में प्रशिक्षण दिया जा चुका है। कार्यक्रम के अंत में डॉ. के. के. पारीक, डॉ. दीपक कुमार श्रीवास्तव, डॉ. सुरेश कुमार पाण्डेय, डॉ. विदुषी शर्मा, डॉ. एस. के. गुप्ता, डॉ. निपुण बागरेचा, डॉ. सुभाष गुप्ता तथा सुवि नेत्र चिकित्सालय की पूरी टीम ने डॉ. हिमांशी भारद्वाज और डॉ. ललिता मनासा को सफल, संवेदनशील एवं सेवाभावी चिकित्सकीय जीवन के लिए शुभकामनाएँ दीं।

जोबनेर ज्वाला माता पदयात्रा का दूसरा विशाल भंडारा आयोजित, ब्याज मुक्त अभियान से जुड़ने का आह्वान

स्मार्ट हलचल

जोबनेर। कालवाड़ वाले बालाजी स्थित पहल आजीविका विकास संस्था के तत्वावधान में तथा परम पूज्य श्री श्री 108 ओम दास जी महाराज के सानिध्य में निकाली जा रही जोबनेर ज्वाला माता पदयात्रा के दौरान रसीदपुर, राजगढ़ (जिला दौसा) में श्रद्धालुओं के लिए दूसरा विशाल भंडारा आयोजित किया गया। भंडारे में बड़ी संख्या में पदयात्रियों, श्रद्धालुओं एवं संस्था के कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान पूर्व प्रधान झोटवाड़ा रामप्रकाश पिपलोदा तथा पहल आजीविका विकास संस्था के सचिव राजेंद्र मोरवाडिया का संस्था के कार्यकर्ताओं ने साफा एवं फूलमाला पहनाकर आत्मीय स्वागत एवं सम्मान किया। इस अवसर पर राजेंद्र मोरवाडिया ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए ब्याज मुक्त अभियान से अधिक से अधिक लोगों को जुड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि छोटी-छोटी नियमित बचत से परिवार आर्थिक रूप से सशक्त बन सकते हैं। साथ ही उन्होंने बच्चों की शिक्षा को प्राथमिकता देने पर बल देते हुए कहा कि बचत की आदत भविष्य को सुरक्षित और आत्मनिर्भर बनाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। इस अवसर पर महावीर सैनी, जगदीश कुमावत, प्रकाश वर्मा, बाबूलाल जासमेरिया, गजानंद जासमेरिया, झूथाराम जासमेरिया, सुरेश मेदवाल, विक्रम बजाज, रामपाल जासमेरिया, सीताराम जासमेरिया, सूरजमल दलतानिया, टीकम जासमेरिया सहित सैकड़ों कार्यकर्ता एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसादी वितरण के साथ श्रद्धा एवं भक्ति के माहौल में हुआ।

ब्यावर में प्रशासनिक लापरवाही पर बवाल

नगर परिषद के असंतोषजनक जवाब से भड़की कांग्रेस, 15 अगस्त को जलसमाधि की चेतावनी

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार ब्यावर। नगर परिषद द्वारा जनसमस्याओं पर दिए गए उत्तर को असंतोषजनक और प्रशासनिक जवाबदेही से बचने का प्रयास बताते हुए ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने प्रशासन के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है। ब्लॉक कांग्रेस के अध्यक्ष एडवोकेट अजय शर्मा ने साफ कहा कि अब जनता को कोरे आश्वासनों की नहीं, बल्कि काम शुरू होने की तारीख, स्वीकृत बजट, कार्यादेश और ठोस परिणामों की जरूरत है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समयबद्ध कार्रवाई नहीं हुई तो वे 15 अगस्त 2026 को सुभाष उद्यान तालाब में जलसमाधि लेंगे।

समस्याओं पर औपचारिकता का आरोप

ब्लॉक कांग्रेस प्रवक्ता वृतंजय आर्य ने जानकारी दी कि 29 जुलाई को ब्लॉक कांग्रेस द्वारा ब्यावर और नवीन शामिल ग्रामीण क्षेत्रों की 12 प्रमुख समस्याओं–जैसे जर्जर सड़कें, ठप सफाई व्यवस्था, नालियों में जलभराव, बंद स्ट्रीट लाइटें, आवारा पशु, सुभाष उद्यान तालाब में जलकुंभी, ?50 कचरा संग्रहण शुल्क और सीवरेज प्रोजेक्ट–को लेकर विस्तृत ज्ञापन सौंपा गया था। 3 अगस्त को नगर परिषद द्वारा दिए गए जवाब का अध्ययन करने के बाद कांग्रेस पदाधिकारियों ने कहा कि परिषद का उत्तर केवल 'कार्ययोजना बनाई जा रही है' या 'निविदा प्रक्रियाधीन है' जैसे औपचारिक बयानों तक सीमित है। जनता को यह जानने का पूरा अधिकार है कि किस कार्य के लिए कितना बजट स्वीकृत हुआ है और उसकी समयसीमा क्या है।

कचरा शुल्क न देने की जनता से अपील

ज्ञापन सौंपने के दौरान नगर परिषद आयुक्त श्रीमती कीर्ति कुमारी के साथ हुई बैठक में आयुक्त ने विकास कार्यों और निविदाओं की जानकारी सार्वजनिक करने पर सहमति जताई। आयुक्त ने यह भी बताया कि ?50 प्रति माह कचरा शुल्क न वसूलने के लिए संबंधित ठेकेदार को मौखिक निर्देश दिए जा चुके हैं। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अजय शर्मा ने शहरवासियों से अपील की कि जब तक इस संबंध में विधिवत और स्पष्ट आदेश जारी नहीं होते, तब तक कोई भी नागरिक कचरा शुल्क न दे। यदि कोई ठेकेदार जबरन वसूली का प्रयास करे तो उसकी शिकायत कांग्रेस कमेटी से करें।

ATR सार्वजनिक करने की मांग और अंतिम अल्टीमेटम

कांग्रेस ने नगर परिषद से मांग की है कि प्रत्येक समस्या पर Action Taken Report (ATR) सार्वजनिक की जाए, जिसमें स्वीकृत राशि, निविदा/कार्यादेश संख्या, संबंधित अधिकारी का नाम और काम पूरा होने की निश्चित तारीख स्पष्ट हो। अजय शर्मा ने दो टूक शब्दों में कहा, 'यदि नगर परिषद और जिला प्रशासन ने समय रहते ठोस, पारदर्शी और समयबद्ध कदम नहीं उठाए, तो 15 अगस्त 2026 को प्रातः 11 बजे सुभाष उद्यान तालाब में जनहित में जलसमाधि ली जाएगी। इसके बाद होने वाले किसी भी जनआंदोलन की पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।' इस अवसर पर कांग्रेस प्रत्याशी पारस पंच, आशीषपाल पदावत, कैलाश गहलोत, अजमत काठात, दलपतराज मेवाड़ा, विक्रम सोनी सहित कई प्रमुख कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

केशोरायपाटन के विकास पर खर्च होंगे 19.81 करोड़, 'आरयूआईडीपी संवाद' में बनी रूपरेखा

सीवरेज, बाढ़ नियंत्रण और पर्यटन पर रहेगा फोकस

स्मार्ट हलचल

बूंदी- राजस्थान नगरीय आधारभूत विकास परियोजना (आरयूआईडीपी) के पांचवें चरण के तहत केशोरायपाटन शहर में 19.81 करोड़ रुपये के विभिन्न विकास कार्य कराए जाएंगे। इन प्रस्तावित कार्यों की जानकारी देने और हितधारकों से सुझाव लेने के उद्देश्य से गुरुवार को शहर के नगर पालिका सभागार में 'आरयूआईडीपी संवाद' का आयोजन किया गया। बैठक में शहर के जनप्रतिनिधियों, पूर्व पार्षदों, प्रबुद्धजनों, मीडियाकर्मियों और विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में आरयूआईडीपी के अधिकारियों द्वारा बताया गया कि एशियन विकास बैंक के वित्तपोषण से शहर में कई अहम बुनियादी सुविधाओं का विकास किया जाएगा। केशवरायपाटन में अपशिष्ट जल प्रबंधन पर 14.78 करोड़ रुपये, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन पर 2.27 करोड़ रुपये, कमान्ड एण्ड कन्ट्रोल सेन्टर, विरासत संरक्षण व पर्यटन कार्य पर 1.61 करोड़ रुपये तथा बाढ़ प्रबंधन पर 1.15 करोड़ रुपये व्?यय किए जाएंगे।

योजना का लाभ जल्द आमजन को मिलेगा

इस अवसर पर उपखंड अधिकारी जगदीश प्रसाद ने अपशिष्ट जल प्रबंधन, जल निकासी और कचरा निस्तारण सुधार कार्यों को शहर के लिए बेहद महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने जल भराव की समस्या से निजात दिलाने वाली इस परियोजना के लिए राज्य सरकार का आभार व्यक्त किया। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस योजना का लाभ जल्द ही केशोरायपाटन की जनता को मिलेगा। साथ ही, उन्होंने उपस्थित जनप्रतिनिधियों से अपील की कि वे इस योजना की जानकारी घर-घर तक पहुंचाएं और इसके क्रियान्वयन में पूरा सहयोग दें। केशवरायपाटन नगरपालिका की अधिशाषी अधिकारी पूर्णिमा शर्मा ने आरयूआईडीपी के पांचवें चरण को केशोरायपाटन के लिए अहम कदम बताया। उन्होंने आश्वस्त किया कि नगर पालिका और शहरवासी इस परियोजना में पूरा सहयोग करेंगे। उन्होंने बताया कि भविष्य की योजनाएं पूर्व में किए गए और वर्तमान में चल रहे कार्यों को ध्यान में रखकर ही बनाई जाएंगी। आरयूआईडीपी की अधिशाषी अभियंता दीप्ति पाटनी ने प्रेजेंटेशन के जरिए चरणबद्ध कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने विभाग की ओर से उपस्थित लोगों को आश्वस्त किया कि सभी विकास कार्य एक निश्चित समयावधि में पूरे किए जाएंगे। साथ ही, इस कार्यशाला में आमजन और जन प्रतिनिधियों से मिले उपयोगी सुझावों को भी परियोजना में शामिल किया जाएगा। विकास कार्यों के सफल निष्पादन के लिए आरयूआईडीपी व स्थानीय निकायों के मध्य बेहतर सामंजस्य पर भी जोर दिया गया। कार्यक्रम के दौरान एक वृत्तचित्र (डॉक्यूमेंट्री) के माध्यम से आरयूआईडीपी द्वारा किए जा रहे कार्यों का प्रदर्शन किया गया। अंत में आयोजित खुले सत्र में प्रतिभागियों ने सीवर और अन्य निर्माण कार्यों से जुड़ी अपनी शंकाओं को अधिकारियों के सामने रखा। इस अवसर पर महिलाओं, समाजसेवी संस्थाओं के सदस्यों और आम नागरिकों ने भी कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

मंडावर पुलिस की बड़ी कार्रवाई

नवप्रसूता से मारपीट करने वाला आरोपी गिरफ्तार, धारदार हथियार भी बरामद

स्मार्ट हलचल/नीरज मीणा

मंडावर (दौसा)। मंडावर थाना पुलिस ने नवप्रसूता महिला के साथ मारपीट के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त धारदार हथियार (गंडासा) भी बरामद कर लिया है। यह कार्रवाई जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में विशेष टीम द्वारा की गई। पुलिस के अनुसार 4 अगस्त 2026 को ग्राम जटवाड़ा में एक नवप्रसूता महिला के साथ धारदार हथियार से मारपीट की गंभीर घटना सामने आई थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए मंडावर थाना पुलिस ने तत्काल प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। लगातार की गई तलाश और तकनीकी अनुसंधान के बाद 6 अगस्त को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त गंडासा भी बरामद किया गया है। थानाधिकारी ने बताया कि परिवादी रामभरोसी प्रजापत निवासी जटवाड़ा की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया था। शिकायत में नवप्रसूता महिला के साथ धारदार हथियार से मारपीट करने का आरोप लगाया गया था। घटना की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल विशेष टीम गठित कर आरोपी की तलाश शुरू की और कम समय में उसे गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। गिरफ्तार आरोपी की पहचान विष्णु कुमार प्रजापत (20 वर्ष) निवासी भट्टा कॉलोनी, आदर्श स्कूल के पास, टोडाभीम, जिला करौली के रूप में हुई है। आरोपी से पूछताछ की जा रही है तथा मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है। मंडावर थाना प्रभारी के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया। जिला पुलिस ने कहा कि अपराधियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

संवाद कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने जाना सुशासन का मंत्र, एमपीएस प्ले स्टेशन का हुआ लोकार्पण

करियर में सफलता का मूल मंत्र है अनुशासन, लक्ष्य और सही दृष्टिकोण : बचनेश कुमार अग्रवाल

खेल और शिक्षा का संतुलन ही सर्वांगीण विकास का आधार : राजेश कृष्ण बिरला

'संवाद' कार्यक्रम में सफलता का मंत्र, करियर से लेकर जीवन मूल्यों तक हुई चर्चा

स्मार्ट हलचल

कोटा। महेश्वरी पब्लिक स्कूल, श्रीनाथपुरम में गुरुवार को 'संवाद-एन इंस्पायरिंग डायलॉग दुवर्ड्स ए बेटर फ्यूचर' कार्यक्रम उत्साहपूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कोटा विकास प्राधिकरण (केडीए) के आयुक्त बचनेश कुमार अग्रवाल (आईएएस) रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के उपसभापति एवं विद्यालय अध्यक्ष राजेश कृष्ण बिरला ने की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने विद्यालय परिसर में नव विकसित 'एमपीएस प्ले स्टेशन' का लोकार्पण भी किया। विद्यालय प्रशासक आर.के. जैन ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रशासन, करियर, व्यक्तित्व विकास और जीवन मूल्यों के संबंध में प्रेरित करना था। संवाद सत्र में विद्यार्थियों ने करियर, सफलता, नेतृत्व और चुनौतियों से जुड़े अनेक प्रश्न पूछे, जिनका मुख्य अतिथि ने सहज और प्रेरणादायक ढंग से उत्तर दिया। अध्यक्षीय उद्बोधन में राजेश कृष्ण बिरला ने कहा कि शिक्षा और खेल एक-दूसरे के पूरक हैं। विद्यालय विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ संस्कार, खेल और नवाचार का समृद्ध वातावरण उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि विद्यालय के विद्यार्थी अकादमिक और खेल दोनों क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने नव स्थापित 'एमपीएस प्ले स्टेशन' का उपयोग सुरक्षा, अनुशासन और जिम्मेदारी के साथ करने का आह्वान किया। मुख्य अतिथि बचनेश कुमार अग्रवाल ने कहा कि सफलता निरंतर प्रयास, अनुशासन और सकारात्मक सोच का प्रतिफल होती है। यदि व्यक्ति अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहे और विपरीत परिस्थितियों में भी हिम्मत न छोड़े तो वह अपने सपनों को अवश्य साकार कर सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि करियर का चयन दूसरों की प्रसिद्धि या सफलता देखकर नहीं, बल्कि अपनी रुचि, क्षमता और आत्मविश्वास के आधार पर करें। उन्होंने कहा कि हर चुनौती का समाधान सही दृष्टिकोण और सकारात्मक सोच में छिपा होता है तथा विद्यार्थियों को जिम्मेदार नागरिक बनकर राष्ट्र निर्माण में योगदान देना चाहिए। स्वागत भाषण में विद्यालय मंत्री बिट्टुलदास मूंदड़ा ने कहा कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल उच्च पद प्राप्त करना नहीं, बल्कि श्रेष्ठ चरित्र का निर्माण करना है। उन्होंने विद्यार्थियों से नैतिक मूल्यों को जीवन का आधार बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में प्राचार्य अमित कुमार शर्मा ने मुख्य अतिथि का परिचय प्रस्तुत किया, जबकि उपप्राचार्या भक्ति निगम ने आभार व्यक्त किया। समारोह का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत एवं दीप प्रज्वलन से हुआ। विद्यार्थियों ने आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और नृत्य के माध्यम से कार्यक्रम में उत्साह का संचार किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि का पुष्पगुच्छ एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मान किया। कार्यक्रम में विद्यालय के उपाध्यक्ष नंदकिशोर काल्या, सहमंत्री घनश्याम मूंदड़ा, कोषाध्यक्ष राजेन्द्र कुमार शारदा,सुरेश काबरा, प्रशासक राजेन्द्र कुमार जैन, के जी जाखेटीया,प्रमोद कुमार भण्डारी, प्राचार्य अमित कुमार शर्मा,उपप्राचार्य भक्ति निगम,सिद्धेश्वर झंवर, शिक्षकगण, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

निर्माण, ज्ञान और संस्कृति का राष्ट्रीय महाकुंभ बनेगा 'नेक्संगम कोटा 2026'

देशभर के 300 से अधिक आर्किटेक्ट्स, इंजीनियर्स और इंटीरियर डिज़ाइनर्स होंगे शामिल, कोटा की विरासत और आधुनिक विकास मॉडल से होंगे रूबरू

स्मार्ट हलचल

कोटा। देश के आर्किटेक्चर, इंजीनियरिंग, इंटीरियर डिज़ाइन एवं भवन निर्माण क्षेत्र के अग्रणी विशेषज्ञों का राष्ट्रीय सम्मेलन 'नेक्संगम कोटा 2026' 8 एवं 9 अगस्त को पहली बार कोटा में आयोजित होगा। दो दिवसीय इस आयोजन में देशभर से 300 से अधिक आर्किटेक्ट्स, इंजीनियर्स एवं इंटीरियर डिज़ाइनर्स भाग लेंगी। आयोजन का उद्देश्य निर्माण क्षेत्र में नवाचार, ज्ञान-विनिमय, तकनीकी उत्कृष्टता और सांस्कृतिक समन्वय को एक साझा मंच प्रदान करना है। आयोजन के प्रथम दिवस 8 अगस्त को बूंदी रोड स्थित तिरुपति रिसोर्ट में निर्माण एक्सपो, नॉलेज सेशन और गाला नाइट का आयोजन होगा। इस दौरान देश की अग्रणी निर्माण सामग्री एवं तकनीकी कंपनियाँ अपने नवीनतम उत्पादों और तकनीकों का प्रदर्शन करेंगी, जबकि विशेषज्ञ भवन निर्माण, वास्तुकला, शहरी नियोजन एवं आधुनिक तकनीकों पर विचार साझा करेंगे। कार्यक्रम में आर्किटेक्ट राजीव खन्ना एवं आर्किटेक्ट रवीना खन्ना 'लैंडस्केप एवं डिज़ाइन' विषय पर व्याख्यान देंगे। आर्किटेक्ट डॉ. अर्चना राठौड़ एवं आर्किटेक्ट नरेंद्र सिंह राठौड़ 'आर्किटेक्चर के क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) की भूमिका' पर अपने विचार रखेंगे। वहीं आर्किटेक्ट कपिल सेठिया 'चंडीगढ़ टाउन प्लानिंग' विषय पर विशेष प्रस्तुति देंगे। कोटा की स्थापत्य विरासत एवं विकास यात्रा पर आर्किटेक्ट निरुत्तम सिंह राठौड़, आर्किटेक्ट राजेश गुप्ता एवं आर्किटेक्ट ब्रजेश मुक्तावत अपने विचार साझा करेंगे। दूसरे दिन 9 अगस्त को प्रतिभागियों के लिए चंबल रिवर फ्रंट आर्किटेक्चर इंस्पिरेशन वॉक आयोजित की जाएगी। इस दौरान प्रतिनिधि रिवर फ्रंट की वास्तुकला एवं इंजीनियरिंग का अध्ययन करेंगे। कार्यक्रम में हेरिटेज वॉक, लाइव स्केचिंग, अनुभवात्मक भ्रमण (एक्सपीरिएंशियल एक्सप्लोरेशन) तथा कोटा के पारंपरिक व्यंजनों का विशेष स्वाद भी शामिल रहेगा। समापन समारोह लेमन ट्री होटल के ग्रैंड चैंबर में आयोजित होगा। आयोजन की जानकारी देते हुए कमलेश शर्मा, आर्किटेक्ट पीयूष लाहोटी, इंजीनियर मनीष जैन, इंजीनियर जे. के. शर्मा एवं इंटीरियर डिज़ाइनर सौरभ शर्मा ने बताया कि 'नेक्संगम कोटा 2026' का उद्देश्य कोटा को केवल शिक्षा नगरी ही नहीं, बल्कि देश के उभरते आर्किटेक्चर, इंजीनियरिंग एवं डिज़ाइन हब के रूप में स्थापित करना है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह आयोजन भविष्य में देश के विभिन्न शहरों को ज्ञान, नवाचार और स्थानीय सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने वाला एक प्रतिष्ठित राष्ट्रीय मंच बनेगा।

मरजीवी में सड़क और पेयजल संकट से फूटा ग्रामीणों का आक्रोश

स्कूली बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों का जीवन हुआ दूभर, प्रशासन को सौंपा ज्ञापन; शीघ्र समाधान नहीं होने पर जनआंदोलन की चेतावनी

स्मार्ट हलचल

निंबाहेड़ा, (ज़ाकिर हुसैन) पंचायत समिति निंबाहेड़ा क्षेत्र की ग्राम पंचायत मरजीवी के अंतर्गत आने वाले विभिन्न मोहल्लों में वर्षों से बनी सड़क एवं पेयजल जैसी मूलभूत समस्याओं को लेकर ग्रामीणों का आक्रोश अब खुलकर सामने आ गया है। गुरुवार को बड़ी संख्या में ग्रामीण एकजुट होकर प्रशासन के समक्ष पहुंचे और जनहित से जुड़ा विस्तृत शिकायत पत्र सौंपते हुए शीघ्र समाधान की मांग की। ग्रामीणों ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि प्रशासन ने समय रहते समस्याओं का स्थायी निराकरण नहीं किया तो उन्हें लोकतांत्रिक तरीके से जनआंदोलन का सहारा लेना पड़ेगा, जिसकी समस्त जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम पंचायत मरजीवी की नई आबादी सहित कई मोहल्ले आज भी सड़क, पेयजल एवं जल निकासी जैसी बुनियादी सुविधाओं से वंचित हैं। बरसात शुरू होते ही गांव के प्रमुख मार्ग दलदल और कीचड़ में तब्दील हो जाते हैं। जगह-जगह जलभराव होने से पैदल चलना भी जोखिम भरा हो गया है। सबसे अधिक परेशानी विद्यालय जाने वाले छोटे बच्चों, महिलाओं, बुजुर्गों एवं मरीजों को उठानी पड़ रही है। कई बार बच्चों को कीचड़ और गंदे पानी से होकर विद्यालय पहुंचना पड़ता है, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।ग्रामीणों ने कहा कि गांव की बदहाल सड़कें विकास के दावों की पोल खोल रही हैं। बारिश के दौरान कई मार्ग पूरी तरह अवरुद्ध हो जाते हैं, जिससे दैनिक आवागमन प्रभावित होता है। आपातकालीन परिस्थितियों में मरीजों को अस्पताल तक पहुंचाने में भी भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। पेयजल समस्या पर ग्रामीणों ने बताया कि गांव में स्थायी एवं पर्याप्त जलापूर्ति व्यवस्था नहीं होने के कारण लोगों को दूर-दराज़ से पानी लाना पड़ रहा है। कई परिवार निजी टैंकरों एवं अन्य वैकल्पिक साधनों पर निर्भर रहने को मजबूर हैं। गर्मी और बरसात दोनों मौसम में यह समस्या लगातार गंभीर बनी हुई है। ग्रामीणों ने शिकायत पत्र में आरोप लगाया कि जनप्रतिनिधियों एवं संबंधित अधिकारियों को कई बार लिखित एवं मौखिक रूप से अवगत कराने के बावजूद आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने कहा कि सरकार के दो वर्ष से अधिक समय बीत जाने के बावजूद गांव की मूलभूत समस्याएं जस की तस बनी हुई हैं, जबकि विकास कार्यों के बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की कि पीपल चौक से राजाराम आंजना समाज नोहरा तक, मानसिंह के मकान से नई आबादी के मुख्य मार्ग सहित सभी प्रभावित रास्तों का शीघ्र सीसी सड़क निर्माण कराया जाए, स्थायी पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित की जाए तथा जल निकासी के लिए समुचित नालियों का निर्माण कराया जाए, ताकि ग्रामीणों को राहत मिल सके और बच्चों सहित आमजन सुरक्षित आवागमन कर सकें। ग्रामीणों ने कहा कि यदि शीघ्र प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई तो गांववासी लोकतांत्रिक तरीके से व्यापक जनआंदोलन करने को बाध्य होंगे। इस दौरान कमल आर्य, गणपत रैगर, नारायण रैगर, हीरालाल रैगर, रतनलाल रैगर, दयाराम रैगर, श्यामलाल हरिजन, किशनलाल रैगर, कालूलाल रैगर, प्रवीण शर्मा, प्रकाश सुथार, मयूर लोहार, विशाल लोहार, मोहन सेन, गोपाल गुर्जर, गणेश भील, रमेश भील, शंभू मीणा, प्रभु मीणा, भगत भील, प्रकाश सुथार, सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। सभी ने प्रशासन से जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सड़क एवं पेयजल समस्या का तत्काल स्थायी समाधान कराने की मांग की।

अच्छी वर्षा, सुख-समृद्धि एवं क्षेत्र की खुशहाली की कामना को लेकर 400 से अधिक श्रद्धालुओं ने जोगणिया माताजी तक निकाली पदयात्रा

स्मार्ट हलचल

बांगेड़ाघाटा, (ज़ाकिर हुसैन) क्षेत्र में उत्तम वर्षा, किसानों की समृद्धि एवं जनकल्याण की मंगलकामना को लेकर बुधवार को ग्राम पंचायत बांगेड़ाघाटा से शक्तिपीठ जोगणिया माताजी तक भव्य पदयात्रा का आयोजन किया गया। कांग्रेस मंडल संगठन महासचिव गोपाल दीवान के नेतृत्व में लगभग 400 से अधिक श्रद्धालुओं ने आस्था एवं भक्ति के साथ पैदल यात्रा कर माता रानी के दरबार में क्षेत्र की खुशहाली, अमन-चैन एवं अच्छी वर्षा की प्रार्थना की। यात्रा में बांगेड़ा, मनोहरखेड़ी, गुर्जरखेड़ी एवं दीपपुरा सहित आसपास के गांवों के महिला, पुरुष, युवा एवं बुजुर्ग श्रद्धालु बड़ी संख्या में शामिल हुए। पूरे मार्ग में माता रानी के जयकारों, भजन-कीर्तन एवं धार्मिक उल्लास का वातावरण बना रहा। जोगणिया माताजी मंदिर पहुंचकर श्रद्धालुओं ने विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि, किसानों की उन्नति एवं क्षेत्र के सर्वांगीण विकास की कामना की। यात्रा के समापन अवसर पर कनेरा के पूर्व सरपंच तुलसीराम धाकड़, कांग्रेस मंडल अध्यक्ष कमलेश धाकड़, कांग्रेस अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ जिला सचिव दिलीप मेघवाल, मंडल सचिव सुनील छीपा सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इस अवसर पर गोपाल दीवान ने कहा कि धार्मिक यात्राएं हमारी संस्कृति, सामाजिक एकता एवं लोककल्याण की भावना को सुदृढ़ करती हैं। उन्होंने जोगणिया माताजी से क्षेत्र में अच्छी वर्षा, समृद्धि, शांति एवं सभी के सुखी जीवन की कामना की।

साधन सहकारी समिति में जलभराव से सैकड़ों बोरी डीएपी और यूरिया पानी में डूबी, लाखों रुपये के नुकसान की आशंका

स्मार्ट हलचल

खखरेरू/फतेहपुर लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने साधन सहकारी समिति पौली की व्यवस्थाओं की पोल खोल दी। समिति परिसर में जलभराव होने से गोदाम में रखी लगभग 180 बोरी उर्वरक पानी में डूब गईं। इनमें करीब 70 बोरी डीएपी और 110 बोरी यूरिया शामिल हैं। घटना से लाखों रुपये के नुकसान की आशंका जताई जा रही है। क्षेत्र में किसान पहले से ही खाद की किल्लत से जूझ रहे हैं। सुबह से शाम तक लाइन में लगने के बावजूद उन्हें समय पर उर्वरक नहीं मिल पा रहा है। ऐसे में समिति में रखी सैकड़ों बोरियों का पानी में डूब जाना किसानों और विभाग दोनों के लिए चिंता का विषय बन गया है। बताया जाता है कि साधन सहकारी समिति पौली के सामने स्थित मैदान में हल्की बारिश के दौरान भी जलभराव की समस्या बनी रहती है। गुरुवार को हुई मूसलाधार बारिश के कारण पानी समिति परिसर और गोदाम के अंदर तक पहुंच गया, जिससे वहां रखा उर्वरक पूरी तरह पानी में डूब गया। समिति के सचिव मानसिंह ने बताया कि जलभराव रोकने के लिए उन्होंने अपने स्तर से सामने के मैदान में मिट्टी डलवाकर पानी की निकासी का प्रयास कराया था। इसके बावजूद लगातार तेज बारिश के कारण गोदाम में पानी भर गया और लगभग 70 बोरी डीएपी तथा 110 बोरी यूरिया पानी में डूब गई। सचिव का कहना है कि समिति की जर्जर इमारत तथा परिसर में जलभराव की समस्या के संबंध में उच्च अधिकारियों को पहले ही अवगत कराया जा चुका था, लेकिन समय रहते कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। उनका आरोप है कि अधिकारियों की उदासीनता के कारण करीब 180 बोरी उर्वरक खराब हो गई। घटना के बाद किसानों में भी नाराजगी है। उनका कहना है कि एक ओर उन्हें पर्याप्त खाद उपलब्ध नहीं कराई जा रही है, वहीं दूसरी ओर लापरवाही के चलते सरकारी उर्वरक बर्बाद हो रहा है। किसानों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई तथा समिति में जलनिकासी की स्थायी व्यवस्था कराने की मांग की है।

भवानीमंडी में मंगल कलश रथ यात्रा का हुआ स्वागत, संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास जी महाराज को 650वीं जयंती के उपलक्ष्य पर किया नमन

स्मार्ट हलचल/ रणवीर सिंह चौहान भवानी मंडी

भाजपा मंडल भवानीमंडी शहर द्वारा "समरसता संकल्प अभियान" के अंतर्गत राजस्थान पहुँची मंगल कलश रथ यात्रा का आज भवानीमंडी में आत्मीय स्वागत किया गया। मेला मैदान स्थित बाबा रामदेव मंदिर पर मंगल कलश को विधि-विधानपूर्वक विराजित कर पूजन अर्चन किया गया। इस अवसर पर संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास जी महाराज के श्रीचरणों में श्रद्धापूर्वक नमन कर प्रदेश की सुख-समृद्धि, सामाजिक समरसता एवं जनकल्याण की मंगलकामना की गई। संत गुरु रविदास जी महाराज का समता, बंधुत्व, मानवता और सामाजिक सद्भाव का शाश्वत संदेश समाज को सदैव एकता, समरसता एवं लोककल्याण के पथ पर अग्रसर होने की प्रेरणा देता रहेगा। कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के मंडल अध्यक्ष प्रदीप जैन,पूर्व मंडल अध्यक्ष सुनिश दीक्षित,जिला मीडिया संयोजक रंजीता पांडे,जिला सह संयोजक इंद्रा पाल पार्षद सुगना गुर्जर,महेंद्र सिंह परिहार,राजकुमार गुप्ता,पुरुषोत्तम योगी,अविनाश जायसवाल दिनेश सोनी, गिरधर गोपाल शर्मा,राजकुमार पोरवाल,रामेश्वर रंगीला, कालूराम मेहरा,जगदीश सोनी,उमेश योगी,सतीश चौहान,दिलीप पाल,विकास योगी,बालमुकुंद मीणा,संदीप पोरवाल,अशोक मिरोलिया,त्रिलोक डागर,श्याम वर्मा,बालचंद सेन,मनोज जैन,उमेश मीणा,बद्री मीणा,पंकज मिरोलिया,विश्वास यादव,सुमित सेठिया,शाश्वत पोरवाल, रणजीत सिंह रामठी,कुलदीप गोयर,अंचल व्यास,अवनीश,सौरभ डागर,अमर गुर्जर,मुकेश वर्मा,विश्वास यादव,रिक्की नरवाल बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

परिवहन विभाग की हड़ताल समाप्त होते ही जिला विधिक सेवा प्राधिकरण का बड़ा एक्शन, देर रात मुजरास टोल पर स्लीपर एवं लग्जरी बसों की सघन जांच

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा । यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा सार्वजनिक परिवहन में सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन कराने के उद्देश्य से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, भीलवाड़ा के निर्देशन में जिला परिवहन विभाग एवं यातायात पुलिस द्वारा चलाए जा रहे विशेष संयुक्त अभियान के तहत आरटीओ हड़ताल समाप्त होते ही गुरुवार देर रात मुजरास टोल पर स्लीपर एवं लग्जरी बसों का सघन निरीक्षण किया गया। अभियान के दौरान कुल 11 स्लीपर एवं लग्जरी बसों का निरीक्षण किया गया। जांच में मोटर वाहन अधिनियम एवं सुरक्षा मानकों के उल्लंघन पाए जाने पर 4 बसों के विरुद्ध कुल 26000 रूपये के चालान बनाए गए, इसमें 1 बस को सीज किया गया। वहीं जिन बसों में सभी आवश्यक दस्तावेज एवं सुरक्षा व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं, उन्हें यात्रियों सहित उनके निर्धारित गंतव्य के लिए रवाना किया गया। यह कार्रवाई जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, भीलवाड़ा की सचिव श्रीमती रश्मि आर्य के निर्देशन में की गई। अभियान के दौरान परिवहन निरीक्षक श्री सुरेश जांगीड, यातायात पुलिस ने संयुक्त रूप से बसों की फिटनेस, परमिट, बीमा, अग्निशमन यंत्र, आपातकालीन निकास, फर्स्ट एड बॉक्स, इमरजेंसी हैमर, चालक के दस्तावेज एवं यात्रियों की सुरक्षा से जुड़े अन्य मानकों का गहन निरीक्षण किया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव रश्मि आर्य ने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा सुरक्षा मानकों की अनदेखी किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी बस संचालकों से मोटर वाहन अधिनियम एवं निर्धारित सुरक्षा मानकों का पूर्ण पालन करने की अपील की। यात्रियों के जीवन एवं सुरक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। विशेष संयुक्त अभियान आगामी दिनों में भी जिले के विभिन्न राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों, टोल नाकों एवं प्रमुख मार्गों पर बिना पूर्व सूचना के लगातार जारी रहेगा तथा नियमों की अनदेखी करने वाले बस संचालकों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यात्रियों से भी आग्रह किया कि यात्रा प्रारंभ करने से पूर्व यह अवश्य सुनिश्चित करें कि बस में चार इमरजेंसी एग्जिट विंडो, अग्निशमन यंत्र (फायर सेफ्टी), फर्स्ट एड बॉक्स, इमरजेंसी हैमर तथा अन्य आवश्यक सुरक्षा उपकरण उपलब्ध हों। यदि किसी बस में सुरक्षा संबंधी गंभीर कमियां दिखाई दें तो इसकी सूचना तत्काल जिला परिवहन विभाग, यातायात पुलिस अथवा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को दें। निरीक्षण के दौरान एलएडीसीएस अधिवक्ता सुरेश प्रजापत, भंवर लाल गुर्जर, प्राधिकरण स्टाफ मनोज व्यास, विकास गायरी उपस्थित थे।

जंगली सूअरों का आतंक जारी, किसानों की फ़सलें बर्बाद विभाग से जल्द कार्रवाई की माँग

स्मार्ट हलचल

प्रतापपुरा ग्राम पंचायत में जंगली सूअरों के लगातार हमलों से स्थानीय किसानों को भारी नुकसान हुआ है। ग्रामीणों ने बताया कि पिछले कुछ दिनों में रात्रि के समय सूअर खेतों में घुसकर खरीब की फ़सलें बुरी तरह तहस-नहस कर रहे हैं, जिससे ग्रामीणों में भय व्याप्त है। प्रभावित किसानों का कहना है कि यदि त्वरित रोकथाम न की गई तो आर्थिक क्षति और बढ़ेगी। समाजसेवी शंकरलाल गाडरी ने कहा कि उन्होंने इस समस्या के संबंध में कई बार स्थानीय प्रशासन और संबंधित विभागों को सूचित किया है। उन्होंने बताया कि क्षेत्रीय अधिकारियों ने मामले का संज्ञान लिया है, लेकिन अभी तक ठोस राहत या बचाव उपकरण नहीं मिले हैं। गाडरी ने कृषि विभाग और वन विभाग से मिलकर प्रभावी कदम उठाने का अनुरोध किया है – विशेषकर पकड़ने के उपकरण, मानव-हितैषी दवाइयां/उपाय और तकनीकी सहायता शीघ्र उपलब्ध कराने की माँग की है। किसानों ने अधिकारियों से प्रभावित फसलों का आकलन कर क्षति का मुआवजा या फसल-बीमा सहायता देने की भी मांग की है। स्थानीय लोग आशा करते हैं कि सरकार और सम्बंधित विभागों द्वारा सतर्कता एवं बचाव के ठोस कदम उठाए जाएँ ताकि फसलों और ग्रामीणों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। इस मसले पर अभी तक प्रशासन की आधिकारिक टिप्पणी प्राप्त नहीं हुई है। शाहपुरा तहसील में अल-नीनो के प्रभाव के कारण भी इस बार फसलों को अतिरिक्त जोखिम का सामना करना पड़ रहा है, कम बारिश के कारण फसलों को सिंचाई का अतिरिक्त बोझ वहन कर रहे हैं, और लगभग तैयार फसलों को सुअर नष्ट कर रहे हैं।

67 बीघा वन भूमि पर फिर मंडराया कब्जे का खतरा-भूमाफिया सक्रिय होने के आरोप,

सोहेला-बोरखंडी वन नाका की सरकारी जमीन पर विवाद गहराया- ग्रामीणों ने उच्चस्तरीय जांच व सुरक्षा की उठाई मांग

शिवराज बारवाल मीना

टोंक/पीपलू। टोंक वन रेंज के सोहेला-बोरखंडी वन नाका क्षेत्र स्थित करीब 67 बीघा वन भूमि पर एक बार फिर कथित कब्जे का खतरा मंडराने लगा है। स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि भूमाफिया इस सरकारी वन भूमि पर कब्जा करने की फिराक में हैं, जबकि वन विभाग की उदासीनता से उनके हौसले लगातार बढ़ रहे हैं। ग्रामीणों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर भूमि को सुरक्षित रखने की मांग की है। ग्रामीणों के अनुसार वर्ष 1962 के राजस्व सेटलमेंट के दौरान संबंधित खसरे में कथित रूप से छेड़छाड़ कर बाद में भूमि का आवंटन किया गया था। उनका दावा है कि बाद में वन एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों द्वारा कराई गई संयुक्त पैमाइश में यह भूमि वन विभाग की होना प्रमाणित हुई। ग्रामीणों का कहना है कि वर्ष 1964 में तत्कालीन फॉरेस्टर गुलाब खान ने राजस्व एवं वन विभाग के अधिकारियों के साथ संयुक्त पैमाइश कराकर मौके पर सीमेंट के सीमा चिन्ह (मुड़ियां) स्थापित करवाए तथा पूरी 67 बीघा भूमि वन विभाग के कब्जे में ली गई। इसके बावजूद समय-समय पर इस भूमि पर कब्जे के प्रयास होते रहे। ग्रामीणों का आरोप है कि वर्ष 2017 में भी कथित रूप से भूमाफियाओं द्वारा कब्जे का प्रयास किया गया था। उस समय तत्कालीन फॉरेस्टर विजय सिंह ने पुनः राजस्व एवं वन विभाग की संयुक्त पैमाइश करवाई।ग्रामीणों के अनुसार इस पैमाइश में पहले से स्थापित सीमा चिन्ह सही पाए गए और संबंधित भूमि को फिर से वन विभाग की संपत्ति माना गया।इसके बाद तत्कालीन अधिकारियों ने तहसील प्रशासन को पत्र लिखकर भूमि पर किसी भी प्रकार का आवंटन, काश्त या छेड़छाड़ नहीं करने का आग्रह किया था। ग्रामीणों का कहना है कि वन विभाग के रिकॉर्ड, लट्ठा सीट तथा पूर्व में किए गए सीमांकन भी इस भूमि को वन विभाग की संपत्ति दर्शाते हैं। इसके बावजूद अब दोबारा कब्जे की आशंका से क्षेत्र के लोगों में चिंता बढ़ गई है।ग्रामीणों ने कहा कि एक ओर सरकार हरित क्षेत्र बढ़ाने और बड़े स्तर पर वृक्षारोपण अभियान चला रही है, वहीं दूसरी ओर बहुमूल्य वन भूमि पर कथित अतिक्रमण की आशंका गंभीर चिंता का विषय है। उनका सुझाव है कि यदि इस भूमि पर नियमित पौधरोपण, फेंसिंग और वन विकास कार्य कराए जाएं तो अतिक्रमण की संभावना काफी हद तक समाप्त हो सकती है।

ग्रामीणों की प्रमुख मांगें

पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच कराई जाए।
वन भूमि का पुनः सीमांकन एवं स्थायी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।
यदि किसी प्रकार के अवैध कब्जे या अनियमितता के तथ्य सामने आते हैं तो संबंधित लोगों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाए।
वन विभाग इस भूमि पर नियमित पौधरोपण एवं संरक्षण कार्य शुरू करे।

जेल में साजिश रच कानपुर में शिक्षक के घर साले ने ही कराई थी लूट,तीन साथियों समेत गिरफ्तार

स्मार्ट हलचल

सुनील बाजपेई कानपुर। बेरोजगार साले ने अपने शिक्षक जीजा के घर में लाखों रुपए की लूट करवा दी लेकिन इसके पहले कि वह फरार हो पाता। पुलिस ने मुठभेड़ में साले समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया ।अब अन्य आरोपियों की भी तलाश की जा रही है। श्यामनगर में लूट थी यह घटना शिक्षक शरद चंद्र के घर हुई थी। जिस पर पुलिस ने मुख्य साजिशकर्ता और रिश्ते के साले प्रशांत उर्फ मोनू समेत पांच शातिर बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस से मिली जानकारीके मुताबिक जेल में रची गई इस साजिश में बदमाशों ने लूट के बाद बाइक छोड़कर लोडर और ऑटो का इस्तेमाल किया था, जिससे पुलिस गच्चा खाती रही। फिलहाल पुलिस की मेहनत रंग लाई और दो आरोपी पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार हो गए। दोनों के पैर में गोली लगी है। पुलिस ने उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया। मुठभेड़ से पूर्व पुलिस ने मास्टर माइंड शरद के साले प्रशांत उर्फ मोनू को गिरफ्तार किया था। मोनू की रेकी पर ही उसके साथ चार और बदमाशों ने मिलकर वारदात को अंजाम दिया था। कानपुर मे शिक्षक के घर हुई लूट के बाद पुलिस बाइक सवार बदमाशों की तलाश में फुटेज खंगाल रही थी। इसी बीच एक फुटेज में रिश्ते का साला मोनू अपने साथियों के साथ लोडर में नजर आया। पुलिस की शक की सुई उस पर घूम गई। वह वारदात वाले दिन शिक्षक के घर पर था। उन्होंने सबसे पहले प्रशांत उर्फ मोनू को पकड़ा। इसके बाद बाकी के बदमाशों के नाम सामने आते चले गए। मोनू ने पुलिस ने बताया कि वारदात को कमल, रफीक और शफीक ने अंजाम दिया था, जबकि विजय और वह खुद शिक्षक के मकान से कुछ दूरी पर ऑटो में बैठकर साथियों का इंतजार कर रहे थे। अपर पुलिस आयुक्त डॉ. विपिन ताडा के मुताबिक पांचों पर पूर्व में गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। प्रशांत की मुलाकात दो वर्ष पूर्व रफीक से जेल में हुई थी। उसके ऊपर कई आपराधिक मामले हैं। कुछ दिन पहले जेल से छूटे रफीक ने प्रशांत से कोई टारगेट पूछा, तो उसने अपने ही जीजा शरद का घर दिखा दिया। आरोपी प्रशांत उर्फ मोनू पर कुल 14 मामले दर्ज हैं। उसकी हिस्ट्रीशीट भी खुल चुकी है। उसके पास से मोबाइल और दो हजार रुपये मिले हैं। रफीक जूही थाने का हिस्ट्रीशीटर है। शफीक, कमल और विजय के खिलाफ भी कानपुर और उन्नाव के थानों में कई मामले दर्ज हैं। पुलिस अब लुटेरों के अन्य साथियों की भी तलाश कर रही है।

कलक्टर कमल राम मीना ने तैयार किया आधुनिक 'मिनी सचिवालय' का विजन रोडमैप

300 बीघा से अधिक भूमि पर आकार लेगा आधुनिक प्रशासनिक परिसर एक ही छत के नीचे मिलेंगे 25 से अधिक जिला स्तरीय कार्यालय

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार ब्यावर। जिला मुख्यालय ब्यावर स्थित मिनी सचिवालय को आने वाले वर्षों की बढ़ती प्रशासनिक आवश्यकताओं के अनुरूप एक आधुनिक, सुव्यवस्थित, तकनीक-सक्षम और नागरिक-हितैषी प्रशासनिक परिसर के रूप में विकसित किया जाएगा। जिला कलक्टर कमल राम मीना ने इस महत्वाकांक्षी परियोजना का विस्तृत विकास रोडमैप तैयार किया है। योजना के तहत आधारभूत सुविधाओं के विस्तार, डिजिटल प्रशासन, हरित विकास और उत्कृष्ट जनसुविधाओं पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया है।

62,800 वर्गमीटर भूमि आवंटित, एक ही जगह संचालित होंगे कार्यालय

जिला कलक्टर ने बताया कि हाईवे एवं विजयनगर रोड से सटी 62,800 वर्गमीटर (300 बीघा से अधिक) विशाल भूमि मिनी सचिवालय के लिए आरक्षित एवं आवंटित की गई है। इस परिसर में 25 से अधिक जिला स्तरीय कार्यालयों के लिए भूमि का चिन्हीकरण और आवंटन पूरा कर लिया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य जिले के सभी प्रमुख विभागों को एक ही स्थान पर लाकर आमजन को एकीकृत और सुगम शासकीय सेवाएं उपलब्ध कराना है।

जनसुविधाओं और बुनियादी ढांचे का चरणबद्ध विस्तार

मिनी सचिवालय परिसर को चरणबद्ध तरीके से विकसित करने के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई है। इसके अंतर्गत:

आधुनिक बुनियादी ढांचा: ऑडिटोरियम, कन्वेंशन सेंटर, आधुनिक लाइब्रेरी, अभ्यास एवं प्रशिक्षण केंद्र, एनआईसी (NIC) शाखा, निर्वाचन शाखा और सिविल कोर्ट का निर्माण।

नागरिक सुविधाएं: पार्किंग व्यवस्था, आंतरिक सड़कों का सुदृढ़ीकरण, बैठने की पर्याप्त व्यवस्था, जनसुनवाई के लिए सुव्यवस्थित प्रतीक्षालय, स्वच्छ पेयजल और आधुनिक शौचालय।

समावेशी पहुंच: दिव्यांगजनों के लिए सुगम पहुंच और परिसर में स्पष्ट दिशा-सूचक (साइनबोर्ड) संकेतक लगाए जाएंगे।

डिजिटल प्रशासन और हाई-टेक सुरक्षा

प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता और गति लाने के लिए ई-ऑफिस प्रणाली को और अधिक सुदृढ़ किया जाएगा। पूरे परिसर को हाई-स्पीड इंटरनेट, स्मार्ट नेटवर्किंग, डिजिटल सूचना डिस्प्ले और सीसीटीवी आधारित सुरक्षा व्यवस्था से लैस किया जाएगा। इसके अलावा, उच्चस्तरीय बैठकों के लिए आधुनिक कॉन्फ्रेंस हॉल भी विकसित किए जाएंगे।

पर्यावरण संरक्षण एवं हरित परिसर

योजना में पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता दी गई है। परिसर को प्लास्टिक-मुक्त और ऊर्जा-कुशल बनाने के लिए व्यापक पौधरोपण, आकर्षक पार्क, वर्षा जल संरक्षण (Rainwater Harvesting) और हरित क्षेत्रों का विकास किया जाएगा।

'पारदर्शी और जनकेंद्रित प्रशासन प्राथमिकता' – जिला कलक्टर

जिला कलक्टर कमल राम मीना ने कहा कि यह विकास रोडमैप ब्यावर जिले की प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और जनकेंद्रित बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इसका ध्येय नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं प्रदान करने के साथ-साथ अधिकारियों एवं कर्मचारियों को कार्य का उत्कृष्ट वातावरण देना और ब्यावर को एक नई प्रशासनिक पहचान दिलाना है।

कैबिनेट के बड़े फैसले : बायोएनर्जी स्कीम और असम में चार लेन कॉरिडोर को हरी झंडी

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने स्वच्छ ऊर्जा, ग्रामीण विकास और पूर्वोत्तर में बेहतर सड़क संपर्क को लेकर दो बड़े फैसले किए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में 23,731 करोड़ रुपये की गोबरधन नेशनल सर्कुलर बायोएनर्जी स्कीम को मंजूरी दी गई। इसके साथ ही असम में राष्ट्रीय राजमार्ग-15 पर गुवाहाटी के पास बाईहाटा चारियाली से तेजपुर तक 135.871 किलोमीटर लंबे चार लेन एक्सेस कंट्रोल्ड कॉरिडोर के निर्माण को भी मंजूरी मिली है। इस हाईवे पर 8,970.20 करोड़ रुपये खर्च होंगे। नई गोबर गोबरधन योजना का मकसद देश के गोबर, कृषि अवशेष, गन्ना मिलों से निकलने वाले प्रेसमड, नगर निकायों के जैविक कचरे और दूसरे बायोमास को स्वच्छ ईंधन में बदलना है। सरकार का लक्ष्य है कि इससे संपीड़ित बायोगैस (सीबीजी) का उत्पादन तेजी से बढ़े, किसानों को अतिरिक्त आय मिले, गांवों में रोजगार पैदा हो और आयातित जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम हो। यह योजना वित्त वर्ष 2026-27 से 2035-36 तक लागू रहेगी।

पूर्वोत्तर और देश को इससे क्या लाभ मिलेगा?

सरकार के अनुसार नया हाईवे असम और अरुणाचल प्रदेश के प्रमुख आर्थिक, सामाजिक और लॉजिस्टिक्स केंद्रों को तेज और बेहतर सड़क संपर्क देगा। इससे यात्रा का समय कम होगा, माल ढुलाई आसान होगी और क्षेत्र में उद्योग तथा व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। वहीं, गोबरधन योजना के जरिए स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन बढ़ने, ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन कम होने, ग्रामीण रोजगार बढ़ने और 'वेस्ट टू वेल्थ' यानी कचरे से संपत्ति बनाने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। सरकार का मानना है कि दोनों फैसले मिलकर ऊर्जा सुरक्षा, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और बुनियादी ढांचे को मजबूत करेंगे।

योजना में कौन-कौन से बड़े प्रावधान?

- **सीबीजी की सुनिश्चित खरीद...** उत्पादकों के लिए स्थायी बाजार उपलब्ध कराया जाएगा।
- **स्थिर मूल्य प्रणाली...** सीबीजी की प्रशासनिक कीमत 2,110 रुपये प्रति एमएमबीटीयू तय करने का ढांचा बनाया गया है।
- **पूंजी सहायता...** पात्र नई परियोजनाओं को प्रति टन प्रतिदिन क्षमता पर अधिकतम 2 करोड़ रुपये तक की सहायता मिलेगी।
- **गैस पाइपलाइन कनेक्टिविटी...** सीबीजी संयंत्रों को गैस पाइपलाइन और सिटी गैस नेटवर्क से जोड़ने की सुविधा दी जाएगी।
- **ऋण गारंटी...** एमएसएमई और अन्य परियोजनाओं को आसान वित्त उपलब्ध कराने के लिए क्रेडिट गारंटी का प्रावधान किया गया है।
- **सीबीजी इकोसिस्टम चैलेंज फंड...** जिला स्तर पर परियोजनाओं, तकनीक, फीडस्टॉक प्रबंधन और जागरूकता बढ़ाने के लिए विशेष फंड बनाया जाएगा।
- **निवेश को बढ़ावा...** स्थिर आय और सरकारी समर्थन से निजी निवेशकों का भरोसा मजबूत होगा।
- **ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती...** किसानों, सहकारी समितियों और ग्रामीण उद्यमियों के लिए नए रोजगार और आय के अवसर बढ़ेंगे।

गोबरधन योजना से किसानों और गांवों को क्या फायदा होगा?

सरकार का कहना है कि यह योजना किसानों, ग्रामीण उद्यमियों और निजी निवेशकों के लिए नए अवसर खोलेगी। सीबीजी संयंत्रों के लिए गोबर और कृषि अवशेष खरीदने से किसानों को अतिरिक्त कमाई होगी। इसके साथ ही जैविक खाद का उत्पादन बढ़ेगा और कचरे का वैज्ञानिक तरीके से उपयोग होगा। सरकार का लक्ष्य घरेलू सीबीजी उत्पादन को लगभग दस गुना तक बढ़ाना है ताकि देश की ऊर्जा सुरक्षा मजबूत हो सके।

असम के नए हाईवे की क्या खासियत होगी?

कैबिनेट ने असम में बाईहाटा चारियाली से तेजपुर तक 135.871 किलोमीटर लंबे चार लेन एक्सेस कंट्रोल्ड हाईवे को भी मंजूरी दी है। यह परियोजना बिल्ट-ऑपरेट-ट्रांसफर (बीओटी) टोल मॉडल पर विकसित होगी। इसकी कुल लागत 8,970.20 करोड़ रुपये होगी। इस हाईवे में तेजपुर बाईपास पर भारतीय वायुसेना के समन्वय से 4.9 किलोमीटर लंबी इमरजेंसी लैंडिंग फैसिलिटी (ईएलएफ) भी बनाई जाएगी, ताकि जरूरत पड़ने पर लड़ाकू और अन्य सैन्य विमान यहां उतर सकें।

तरुण तेजपाल को 10 साल की सजा

तहलका के पूर्व संपादक बोले, सुप्रीम कोर्ट जाएंगे

एजेंसी। मुंबई

वर्ष 2013 के चर्चित यौन उत्पीड़न मामले में तहलका के पूर्व संपादक तरुण तेजपाल को बड़ा झटका लगा है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने निचली अदालत द्वारा उन्हें बरी किए जाने के फैसले को रद्द कर दिया है। हाईकोर्ट ने तेजपाल को दुष्कर्म और महिला की मर्यादा भंग करने का दोषी ठहराया है। वहीं, इस मामले में कोर्ट ने तरुण तेजपाल को 10 साल की सजा सुनाई है। इस फैसले पर तरुण तेजपाल ने कहा, 'हम निश्चित रूप से सुप्रीम कोर्ट जाएंगे। वे राजनीतिक बदले की भावना और तहलका के काम की वजह से मेरे पीछे पड़े हैं। हमने ट्रायल कोर्ट में 7.5 साल तक केस लड़ा और बरी हो गए। जो लोग उनके साथ हैं, वे बरी हो जाते हैं, लेकिन वे उनके पीछे पड़ते हैं जिन्होंने उनके खिलाफ लिखा। उमर खालिद और शरजील इमाम कई वर्षों से जेल में हैं। तहलका की रिपोर्टिंग से शायद उन्हें कुछ राजनीतिक नुकसान हुआ हो या उनके निजी हितों को चोट पहुंची हो। वे पिछले 13 वर्षों से बदले की भावना से मेरे पीछे पड़े हैं। मुझे न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है कि ऐसे जज होंगे जो सच देखेंगे। हम सबूत सबके सामने रखेंगे'। यह मामला 2013 में एक महिला सहकर्मी के साथ कथित यौन उत्पीड़न से जुड़ा है, जिसने देशभर में काफी चर्चा बटोरी थी। मामले में न्यायमूर्ति नीला गोखले और न्यायमूर्ति अमित जामसंडेकर की पीठ ने तेजपाल को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 376(2)(एफ) (विश्वास या अधिकार की स्थिति का दुरुपयोग कर दुष्कर्म), 354(ए) (यौन उत्पीड़न) और 354(बी) (महिला के कपड़े उतारने की नीयत से हमला या बल प्रयोग) के तहत दोषी ठहराया है।

तेजपाल के वकील ने अदालत से क्या की अपील?

सजा पर सुनवाई के दौरान तेजपाल के वकील ने अदालत से नरमी बरतने की अपील की। उन्होंने कहा कि तरुण तेजपाल राजनीतिक कारणों से निशाना बनाए गए हैं और वह दो बेटियों के पिता हैं। वकील ने इन आधारों पर अदालत से सजा तय करते समय राहत देने का अनुरोध किया। फिलहाल हाईकोर्ट ने दोषसिद्धि का फैसला सुनाया है। सजा की अवधि पर अदालत का अंतिम आदेश आना बाकी है। मामले पर आगे की कानूनी प्रक्रिया जारी रहेगी।

मामले की जांच अधिकारी ने क्या कहा?

वहीं, इस मामले में गोवा पुलिस की सुनीता सावंत, जो तरुण तेजपाल यौन उत्पीड़न मामले में जांच अधिकारी थीं, ने कहा, 'मामले की जांच ठीक से की गई थी। जांच के दौरान सामने आई सभी बातें कोर्ट के सामने रखी गईं। एक समय ऐसा आया जब ट्रायल कोर्ट सबूतों को समझने में पीछे रह गया था। हाई कोर्ट के सामने हर बात पर बहस हुई। हाई कोर्ट ने बरी करने के आदेश को रद्द कर दिया है'।

क्या है पूरा मामला?

यह मामला नवंबर 2013 का है। एक महिला पत्रकार, जो उस समय तहलका में तेजपाल की जूनियर सहयोगी थीं, ने आरोप लगाया था कि गोवा में आयोजित थिंकफेस्ट कार्यक्रम के दौरान होटल की लिफ्ट में दो अलग-अलग मौकों पर उनके साथ यौन उत्पीड़न और दुष्कर्म किया गया। इन आरोपों के बाद 30 नवंबर 2013 को तेजपाल को गिरफ्तार किया गया था।

'बॉम्बे हाई कोर्ट की गोवा बेंच का फैसला न्याय की जीत'

वहीं इस पर प्रतिक्रिया देते हुए गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने कहा, 'तरुण तेजपाल मामले में बॉम्बे हाई कोर्ट की गोवा बेंच ने आज जो फैसला सुनाया है, वह न्याय की जीत है। चूंकि यह घटना गोवा में हुई थी, इसलिए मामले पर लगातार नजर रखना गोवा पुलिस और सरकार की जिम्मेदारी थी। हमारी सरकार ने इस मामले को पूरी गंभीरता से आगे बढ़ाया और आज फैसला आ गया है'।

छात्र आंदोलन : झारखंड सरकार से बातचीत के लिए प्रदर्शनकारियों ने 11 सदस्यीय टीम घोषित की

एजेंसी। रांची

जेपीएससी और जेएसएससी भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के विरोध में रांची के जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में जारी छात्र आंदोलन गुरुवार को 13वें दिन भी जारी रहा। इस बीच आंदोलनकारी छात्रों ने राज्य सरकार के साथ प्रस्तावित वार्ता के लिए अपना आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल घोषित कर दिया है। यह प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री आवास में होने वाली बैठक में छात्रों की ओर से भर्ती परीक्षाओं से जुड़े सभी मुद्दे और मांगें सरकार के सामने रखेगा।

ये छात्र करेंगे बातचीत

जारी सूची के अनुसार छात्र प्रतिनिधिमंडल में रविन्द्र पासवान, पीयूष कुमार सिंह, रविन्द्र कुमार रवि, राजेश प्रसाद, नीतू कुजूर, कार्तिक सोरेन, संदीप कुमार और शालू सिंह को शामिल किया गया है। ये सभी आंदोलनरत अभ्यर्थियों की ओर से भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं, निष्पक्ष जांच, दोषियों के खिलाफ कार्रवाई, पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया और अन्य मांगों को विस्तार से सरकार के सामने रखेंगे।

स्थायी समाधान चाहता है मंच

जेपीएससी और जेएसएससी रिफार्म मंच का कहना है कि इस वार्ता का उद्देश्य केवल आंदोलन समाप्त करना नहीं है, बल्कि भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करना, कथित अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच कराना और अभ्यर्थियों की मांगों का स्थायी समाधान निकालना है। मंच ने उम्मीद जताई है कि राज्य सरकार छात्रों की बात गंभीरता से सुनेगी और सकारात्मक निर्णय लेकर भर्ती प्रक्रिया से जुड़े विवादों का समाधान करेगी।

13वें दिन भी जारी रहा छात्र आंदोलन

उल्लेखनीय है कि रांची के जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में पिछले 13 दिनों से छात्र लगातार धरने पर बैठे हैं। सरकार की ओर से वार्ता की पहल के बाद अब सभी की निगाहें मुख्यमंत्री आवास में होने वाली इस अहम बैठक पर टिकी हैं। माना जा रहा है कि इस बैठक के नतीजे छात्र आंदोलन की आगे की दिशा तय कर सकते हैं।

जेपीएससी और जेएसएससी रिफार्म मंच ने जारी की प्रतिनिधिमंडल की सूची

जेपीएससी और जेएसएससी रिफार्म मंच ने स्पष्ट किया है कि वार्ता के दौरान आंदोलन से जुड़े सभी मुद्दों, तथ्यों और मांगों को केवल छात्र प्रतिनिधि ही सरकार के समक्ष प्रस्तुत करेंगे। प्रतिनिधिमंडल में शामिल पत्रकार और कानूनविद केवल अभिभावक एवं मार्गदर्शक की भूमिका निभाएंगे तथा आवश्यक सलाह देंगे।

पत्रकार और कानूनविद निभाएंगे भूमिका

प्रतिनिधिमंडल में दो वरिष्ठ पत्रकार शंभूनाथ चौधरी और विकास वर्मा को भी शामिल किया गया है। दोनों बैठक में अभिभावक एवं मार्गदर्शक की भूमिका निभाएंगे। इसके अलावा वरिष्ठ कानूनविद अजीत कुमार भी बैठक में मौजूद रहेंगे। वे वार्ता के दौरान कानूनी पहलुओं पर आवश्यक मार्गदर्शन देंगे।

आसाराम को सुप्रीम कोर्ट से आंशिक राहत, अंतरिम जमानत नहीं मिली

एजेंसी। नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे स्वयंभू धर्मगुरु आसाराम को फिलहाल अंतरिम जमानत देने से इनकार कर दिया है। हालांकि, अदालत ने उन्हें अपनी पसंद का एक प्रशिक्षित केयरटेकर (देखभाल करने वाला) रखने की अनुमति दे दी, जो 24 घंटे उनकी चिकित्सकीय जरूरतों का ध्यान रख सकेगा। न्यायमूर्ति एम.एम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति पी.बी. वराले की पीठ ने स्वास्थ्य आधार पर अंतरिम जमानत मांगने वाली आसाराम की याचिका पर सुनवाई करते हुए उसे फिलहाल लंबित रखा। अदालत ने कहा कि यदि भविष्य में उनकी तबीयत और बिगड़ती है तो वे दोबारा अदालत का रुख कर सकते हैं।

सरकार ने पैरोल का मुद्दा उठाया

सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को बताया कि आसाराम ने यह तथ्य छिपाया है कि उनके वकील ने पहले पैरोल के लिए भी आवेदन किया था। इस पर आसाराम के वकील ने कहा कि पैरोल की अर्जी पहले दायर की गई थी और वह स्वास्थ्य कारणों के आधार पर नहीं थी।

राजस्थान हाईकोर्ट दे चुका है 20 दिन की पैरोल

इससे पहले राजस्थान हाईकोर्ट ने आसाराम को 20 दिन की पैरोल दी थी। अदालत ने कहा था कि राज्य सरकार पैरोल आवेदन खारिज करने का पर्याप्त कारण नहीं बता सकी। हाईकोर्ट ने उनकी उम्र, जेल में बिताए गए लंबे समय और पहले मिली अंतरिम रिहाई के दौरान उनके व्यवहार को ध्यान में रखते हुए यह राहत दी थी।

एम्स ने अस्पताल में भर्ती की जरूरत नहीं बताई

सुप्रीम कोर्ट को पहले बताया गया था कि अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के विशेषज्ञों की मेडिकल रिपोर्ट के अनुसार आसाराम को अस्पताल में भर्ती करने की आवश्यकता नहीं है। हालांकि, उन्हें चौबीसों घंटे चिकित्सकीय सहायता और देखभाल की जरूरत है। इसी रिपोर्ट के आधार पर अदालत ने उन्हें प्रशिक्षित केयरटेकर रखने की अनुमति दी है। इससे पहले 21 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने एम्स को मेडिकल बोर्ड बनाकर उनकी स्वास्थ्य स्थिति की जांच करने का निर्देश दिया था।

बंगाल की पूर्व ममता सरकार में आदिवासियों को नहीं मिला हक

एजेंसी। कोलकाता

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक ने पश्चिम बंगाल सरकार की उस कथित विफलता को उजागर किया है, जिसमें खनन परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण के दौरान आदिवासी समुदाय के हितों की समुचित रक्षा नहीं की गई। रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2017-18 से 2021-22 के बीच, जब राज्य में तृणमूल कांग्रेस की सरकार थी, तब आदिवासी भूमि के बदले उन्हें पर्याप्त मुआवजा नहीं मिला और पुनर्वास प्रक्रिया भी गंभीर खामियों से घिरी रही।

किन परियोजनाओं और किन इलाकों की हुई जांच?

कैग ने आदिवासी क्षेत्रों में भूमि प्रबंधन की ऑडिट के दौरान वर्ष 2017-18 से 2021-22 के बीच भूमि अधिग्रहण के 66 मामलों की जांच की। इनमें ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के सालानपुर, श्रीपुर, कुनुस्तोरिया और परबेलिया क्षेत्र तथा भारत कोकिंग कोल लिमिटेड के बाराकर क्षेत्र की परियोजनाएं शामिल थीं।

मुआवजे में कितनी बड़ी कमी सामने आई?

रिपोर्ट के मुताबिक, आदिवासी जमीनों का बाजार मूल्य 17.79 करोड़ रुपये आंका गया था, लेकिन ईसीएल और बीसीसीएल ने प्रत्यक्ष खरीद के जरिए केवल 2.55 करोड़ रुपये का भुगतान किया। इस तरह आदिवासियों को 15.25 करोड़ रुपये यानी बाजार मूल्य का करीब 85.68 प्रतिशत कम मुआवजा मिला।

जिला प्रशासन की क्या भूमिका रही?

रिपोर्ट के अनुसार, जिला प्रशासन यह सुनिश्चित करने में विफल रहा कि आदिवासी भूमि मालिकों को उनकी जमीन का उचित बाजार मूल्य मिले। जबकि कोल इंडिया की पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन नीति, 2012 में इसके स्पष्ट प्रावधान मौजूद हैं। कैग ने कहा कि जिला स्तर के अधिकारियों, जैसे राजस्व अधिकारी, जिला कलेक्टर और अन्य संबंधित अधिकारियों की निष्क्रियता और पर्याप्त भागीदारी न होने के कारण आदिवासी परिवारों को मुआवजे और पुनर्वास दोनों में नुकसान उठाना पड़ा।

कानून के तहत मिलने वाले कौन-कौन से लाभ नहीं दिए गए?

कैग ने बताया कि भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 के तहत मिलने वाला 100 प्रतिशत सोलैटियम (अतिरिक्त मुआवजा) भी आदिवासियों को नहीं दिया गया। इससे उन्हें लगभग 17.80 करोड़ रुपये का अतिरिक्त नुकसान हुआ। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि बाजार मूल्य पर प्रतिवर्ष 12 प्रतिशत की दर से मिलने वाला अतिरिक्त मुआवजा भी किसी भी जांचे गए मामले में नहीं दिया गया।

जमीन की कीमतों में कितना बड़ा अंतर मिला?

कैग ने ईसीएल द्वारा भुगतान की गई भूमि कीमतों में भारी असमानता का भी उल्लेख किया। रिपोर्ट के अनुसार, आदिवासियों को उनकी एक एकड़ जमीन के बदले 2.50 लाख रुपये से 12.63 लाख रुपये तक का भुगतान किया गया, जबकि सरकार को इसी क्षेत्र में प्रति एकड़ 19.77 लाख रुपये से लेकर 1.25 करोड़ रुपये तक का मुआवजा दिया गया।

मानसून सत्र : रिजिजू बोले, राहुल से हुई सकारात्मक बातचीत, विपक्ष से संसद चलाने में सहयोग की अपेक्षा

एजेंसी। नई दिल्ली। मानसून सत्र विपक्ष के हंगामे के चलते लगातार बाधित चल रहा है। ऐसे में गुरुवार को केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने विपक्ष के नेता राहुल गांधी से बात की है। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि उनकी राहुल गांधी से सकारात्मक बातचीत हुई। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के साथ लगातार संवाद और समन्वय बनाए रखने की इच्छा है, क्योंकि राजनीतिक विरोधी होने का मतलब दुश्मन होना नहीं है। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि उनकी राहुल गांधी के साथ सकारात्मक बातचीत हुई। उन्होंने बताया कि इस दौरान एक विशेष मुद्दे पर अनुरोध किया गया और अन्य विषयों पर भी चर्चा हुई। रिजिजू ने कहा कि सरकार कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के साथ लगातार संवाद और समन्वय बनाए रखना चाहती है। उन्होंने कहा, 'हम राजनीतिक विरोधी हो सकते हैं, लेकिन दुश्मन नहीं हैं। इसलिए राष्ट्रीय हित में हमें साथ मिलकर काम करना चाहिए।' उन्होंने कहा कि बाहर ऐसा संदेश जा रहा है कि विपक्ष संसद को बिल्कुल नहीं चलने देना चाहता। उन्होंने सवाल किया कि आखिर इससे नुकसान किसका होता है। गृह मंत्री की संसद में मौजूदगी को लेकर उठ रहे सवालों पर रिजिजू ने कहा कि गृह मंत्री ने सदन में विधेयक पेश किए हैं और वह सुबह से शाम तक संसद में मौजूद रहते हैं। उन्होंने कहा कि स्वाभाविक रूप से जिस मंत्री का विधेयक विचाराधीन होता है, वही सदन में उपस्थित रहता है।

एआई फ्यूचररेडी कॉन्क्लेव 2026 : दो दिवसीय आयोजन में आगरा बनेगा भारत के बड़े एआई महामंथन का केंद्र

आगरा

कॉर्पोरेट काउंसिल फॉर लीडरशिप एंड अवेयरनेस (सीसीएलए) एवं एसोसिएटेड चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया (ऐसोचेम) द्वारा भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सहयोग से 7 एवं 8 अगस्त 2026 को जेपी पैलेस होटल एंड कन्वेंशन सेंटर, आगरा में एआई फ्यूचररेडी कॉन्क्लेव 2026 का आयोजन होगा। दो दिवसीय राष्ट्रीय कॉन्क्लेव के आधिकारिक उद्घोषणा कार्यक्रम का आयोजन होटल लेमन ट्री में किया गया, जिसमें आयोजकों ने आयोजन की रूपरेखा, प्रमुख सत्रों, एआई प्रदर्शनी तथा राष्ट्रीय स्तर के वक्ताओं की जानकारी साझा की गई।

व्यापार, उद्योग और शिक्षा में एआई की बढ़ती भूमिका

एसबीआई के एजीएम संजय संदीप गुप्ता एवं वरुण कपूर ने कहा कि एआई व्यापार, डिजिटल मार्केटिंग और ग्राहक सेवाओं को नई दिशा दे रहा है। गोपाल गुप्ता ने कहा कि एआई सीमित तकनीकी जानकारी रखने वाले लोगों को भी बड़े स्तर पर गुणवत्तापूर्ण कार्य करने में सक्षम बना रहा है। डॉ. रेनुका डंग ने कहा कि एआई विचारों को वास्तविक स्वरूप देने का प्रभावी माध्यम है। डॉ. अशोक शर्मा ने कहा कि आने वाले समय में एआई जीवन और कार्य संस्कृति का अभिन्न हिस्सा होगा। दीपक अग्रवाल ने कहा कि एआई उद्योगों के लिए भविष्य का सबसे बड़ा सहयोगी सिद्ध होगा, जिससे लागत कम होगी और उत्पादन क्षमता बढ़ेगी। एफएएफएम के अध्यक्ष कुलदीप सिंह कोहली, शू फेक्टर्स फेडरेशन के अध्यक्ष विजय सामा, सीफी के अध्यक्ष ओपिंदर लवली ने एआई कॉन्क्लेव और इसमें लगने वाली प्रदर्शनी की उपयोगिता पर अपनी बात रखी।

- देश के शीर्ष एआई विशेषज्ञ, भारत सरकार के वरिष्ठ अधिकारी और 26+एआई प्रदर्शक होंगे एक मंच पर
- एआई आधारित उत्पादों, स्टार्टअप्स और तकनीकी नवाचारों की प्रदर्शनी होगी आकर्षण का केंद्र
- वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय और इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय में केंद्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद होंगे मुख्य अतिथि
- इंडिया एआई मिशन के निदेशक मोहम्मद वाई. सफीरुल्ला रखेंगे भारत सरकार का रोड मेप

आगरा को मिलेगा राष्ट्रीय एआई विशेषज्ञों से सीखने का अवसर

डॉ. एम.पी.एस. ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के चेयरपर्सन एवं एआई एडवाइजरी काउंसिल के चेयरमैन स्क्वाड्रन लीडर ए.के. सिंह ने कहा कि यह आयोजन आगरा के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है जहाँ भारत सरकार के आईटी मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी, इंडिया एआई मिशन के निदेशक निदेशक मोहम्मद वाई. सफीरुल्ला, उद्योग जगत और एआई विशेषज्ञ दो दिनों तक प्रतिभागियों के साथ अपने अनुभव साझा करेंगे तथा एआई की नवीनतम तकनीकों और भविष्य की संभावनाओं का रोड मेप रखेंगे।

कार्यक्रम में रहे उपस्थित

कार्यक्रम में नेशनल चेंबर के उपाध्यक्ष अंबा प्रसाद गर्ग, लघु उद्योग भारती के राष्ट्रीय सचिव दीपक अग्रवाल, ब्रश एंड क्लीनिंग प्रोडक्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष अमित मोरियानी, सीएस अनुज अशोक अग्रवाल, आगरा रेडीमेड गारमेंट्स ट्रेडर्स एंड मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष आर.के. नैय्यर, आगरा आईटी एसोसिएशन के सचिव अचयेंद्र शर्मा, कुलदीप ठाकुर, शकुन बंसल, डॉ. तरुण शर्मा, डॉ. रजनीश त्यागी, अजय शर्मा, ब्रजेश शर्मा, अविनाश वर्मा आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

एआई को समझना समय की आवश्यकता : पूरन डावर

सीसीएलए एवं डीसीएफएलआई के चेयरमैन और भारत सरकार की ट्रेड काउंसिल के सदस्य पूरन डावर ने कहा कि एआई को लेकर समाज में अनेक भ्रांतियां हैं, जबकि यह भविष्य के नहीं वर्तमान की सबसे बड़ी तकनीकी शक्ति है। उन्होंने कहा कि जो एआई को सीखेंगे, समझेंगे और अपने कार्यों में अपनाएंगे, वही भविष्य की प्रतिस्पर्धा में आगे रहेंगे। यह कॉन्क्लेव व्यापारियों, उद्योगों, स्टार्टअप्स, विद्यार्थियों और युवाओं को एआई के व्यावहारिक उपयोग से जोड़ने का माध्यम बनेगा।

युवा नवाचारों को मिलेगा राष्ट्रीय मंच

सीसीएलए के प्रदेश अध्यक्ष राजेश गर्ग ने कहा कि एआई अब भविष्य नहीं बल्कि वर्तमान की आवश्यकता है। कॉन्क्लेव में विश्वविद्यालयों, तकनीकी संस्थानों और आईटी कंपनियों द्वारा एआई आधारित प्रोजेक्ट्स, स्टार्टअप नवाचारों और तकनीकी समाधानों का प्रदर्शन एग्जिविशन में किया जाएगा, जिससे युवाओं को सीखने और अपने नवाचारों को प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा।

एआई नई तकनीकी क्रांति का आधार

डॉ. सुशील गुप्ता ने कहा कि एआई केवल मशीनों तक सीमित तकनीक नहीं है, बल्कि यह मानव की सोच और निर्णय क्षमता को सशक्त बनाने का माध्यम है। इसके उपयोग के साथ नैतिकता, जागरूकता और जिम्मेदारी भी उतनी ही आवश्यक है। डॉ. नरेंद्र मल्होत्रा ने कहा कि दुनिया एआई की नई तकनीकी क्रांति के दौर में प्रवेश कर चुकी है। स्वास्थ्य, शिक्षा, उद्योग और अनुसंधान सहित हर क्षेत्र में एआई की भूमिका लगातार बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि चेटजीपीटी-एआई की केवल एक शुरुआत है और इस क्षेत्र में असीम संभावनाएं मौजूद हैं।

भारत सरकार के आईटी मंत्री एवं राष्ट्रीय स्तर के वक्ता करेंगे शिरकत

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय और इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय में केंद्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद आयोजन में मुख्य अतिथि होंगे भारत सरकार के इंडिया एआई मिशन के निदेशक मोहम्मद वाई. सफीरुल्ला , ओएनजीसी के निदेशक (स्ट्रेटजी एंड कॉर्पोरेट अफेयर्स) सत्यन कुमार, अंकित धीर, रामाकृष्णन 'रामा', गगन दीप, सौरभ मनचंदा, पीयूष श्रीवास्तव सहित देश के अनेक दिग्गज एआई पर विभिन्न तकनीकी सत्रों को संबोधित करेंगे।

गावस्कर ने चुनी 2027 विश्वकप के लिए संभावित टीम! आकाश-अश्विन ने दी प्रतिक्रिया

नई दिल्ली। वनडे विश्व कप 2027 में अभी करीब 14 महीने का समय बाकी है, लेकिन भारतीय टीम को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। 2023 विश्व कप में उपविजेता रहने वाली टीम इंडिया 2027 में खिताब जीतने के इरादे से उतरेगी। मौजूदा टी20 विश्व कप और चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद शुभमन गिल की अगुआई वाली टीम से उम्मीदें और भी बढ़ गई हैं। इसी बीच पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर ने 2027 विश्व कप के लिए अपनी संभावित 15 सदस्यीय भारतीय टीम चुनी है। पूर्व बल्लेबाज आकाश चोपड़ा ने इस टीम का विश्लेषण करते हुए इसे काफी संतुलित बताया।

सुनील गावस्कर की संभावित भारत टीम: शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), हार्दिक पांड्या, नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, रवींद्र जडेजा, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह।

आकाश चोपड़ा के मुताबिक, गावस्कर ने शीर्ष क्रम में कोई बड़ा बदलाव नहीं किया है। उनकी टीम में शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर और केएल राहुल को जगह मिली है> विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन भी 15 सदस्यीय टीम का हिस्सा हैं। आकाश चोपड़ा ने कहा, 'शुभमन गिल, रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर और केएल राहुल टॉप-5 में हैं। यह लगभग वही बल्लेबाजी क्रम है जो चैंपियंस ट्रॉफी में था। ईशान किशन इस समय लगातार रन बना रहे हैं और इस प्रारूप के लिए तैयार नजर आते हैं।'

दूसरी ओर, रविचंद्रन अश्विन ने अपनी संभावित विश्व कप टीम में अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार को शामिल करने की वकालत की है। उनका मानना है कि दक्षिण अफ्रीका की परिस्थितियों में भुवनेश्वर उपयोगी साबित हो सकते हैं। अश्विन ने कहा, 'भुवनेश्वर कुमार मेरी टीम में जरूर होंगे। मैं उनसे बात करूंगा और उन्हें घरेलू क्रिकेट, विजय हजारे ट्रॉफी समेत सभी टूर्नामेंट खेलने के लिए कहूंगा, ताकि दक्षिण अफ्रीका की परिस्थितियों के लिए वह पूरी तरह तैयार रहें। मुझे लगता है कि वहां हमें उनकी जरूरत पड़ेगी।'

संक्षिप्त समाचार

आईसीसी वनडे रैंकिंग शुभमन टॉप पर काबिज

नई दिल्ली। वनडे बल्लेबाजों की टॉप 10 लिस्ट में कप्तान शुभमन गिल समेत तीन भारतीय हैं। शुभमन टॉप पर काबिज हैं। न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल दूसरे नंबर पर हैं। गिल ने पिछले हफ्ते मिचेल से बादशाहत छीनी थी। भारत ने आखिरी वनडे 19 जुलाई को

इंग्लैंड के खिलाफ खेला था। स्टार बल्लेबाज विराट कोहली तीसरे और रोहित शर्मा चौथे पायदान पर हैं। अफगानिस्तान के इब्राहिम जादरान पांचवें और पाकिस्तान के बाबर आजम छठे पायदान पर हैं। नीदरलैंड और नेपाल के तीन-तीन खिलाड़ियों को आईसीसी की ताजा वनडे रैंकिंग में फायदा हुआ है। कप्तान शुभमन गिल समेत तीन भारतीय टॉप 10 बल्लेबाजों की लिस्ट में शामिल हैं। मेंस वनडे खिलाड़ियों की ताजा रैंकिंग जारी की है। नीदरलैंड टीम जारी आईसीसी मेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप लीग 2 कॉम्पिटिशन में अच्छी फॉर्म में है। हाल ही में उसने यूट्रेक्ट में नेपाल को 57 रन से शिकस्त दी। नीदरलैंड की नजर अब मेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप क्वालिफायर इवेंट में एंट्री करने पर है। कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स ने नेपाल के खिलाफ 57 रनों की पारी खेली, जिससे नीदरलैंड ने लीग 2 टेबल में टॉप चार में अपनी जगह पक्की कर ली। एडवर्ड्स वनडे बल्लेबाजों की लेटेस्ट रैंकिंग में 4 पायदान चढ़कर 34वें नंबर पर आ गए हैं। वनडे बॉलर रैंकिंग में नीदरलैंड के स्पिनर वैन डेर मर्व 11 स्थान की छलांग लगाई। वह अब संयुक्त रूप से 63वें स्थान पर आ गए हैं। लोगान वैन बीक तीन स्थान ऊपर 76वें पर पहुंच गए। उन्होंने मैच में दो विकेट चटकाए थे। नेपाल के भी तीन खिलाड़ियों का फायदा हुआ है। ललित राजबंशी (एक स्थान ऊपर 45वें पर) और करण केसी (सात स्थान ऊपर 83वें पर) वनडे बॉलर्स की अपडेटेड लिस्ट में आगे बढ़े हैं। नेपाल के आसिफ शेख दो स्थान ऊपर चढ़कर वनडे बल्लेबाजों की लिस्ट में 76वें नंबर पर आ गए।

शाकिब के घर पर हमला पत्थर-पेट्रोल बम फेंके

ढाका। बांग्लादेश क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और अवामी लीग के पूर्व सांसद शाकिब अल हसन के मगुरा शहर में बने घर पर हमला हुआ है। यह घटना पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस में शाकिब के शामिल होने के कुछ घंटों बाद हुई। शाकिब के घर पर हमला रात 8.45 से 9 बजे के बीच हुआ। मगुरा सदर पुलिस के अफसर मोहम्मद अब्दुल्ला अल मामून ने बताया कि कुछ उपद्रवियों ने पत्थर फेंके और खिड़कियां तोड़ दीं। हमलावरों ने घर में आग लगाने की कोशिश की। यह दावा किया जा रहा है कि इसके लिए हमलावर कोल्डड्रिंक की बोतलों में पेट्रोल भरकर लाए थे। गनीमत यह रही कि हमले के वक्त घर खाली था, इसलिए किसी के घायल होने की खबर नहीं है। शाकिब इस वक्त श्रीलंका में हैं। घटना के बाद पुलिस फोर्स को तैनात कर दिया गया है। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने दो साल बाद बुधवार को लोगों को वर्चुअली संबोधित किया। जब हसीना बोल रही थीं, उस दौरान उनका कैमरा बंद था। हसीना ने 25 मिनट भाषण दिया। इस दौरान शाकिब अल हसन, शेख हसीना के बेटे सजीब वाजेद जॉय, पूर्व शिक्षा मंत्री मोहिबुल हसन चौधरी भी मौजूद थे। शाकिब अल हसन शेख हसीना की आवामी लीग से जुड़े हुए हैं। वह बुधवार को हसीना के वर्चुअली संबोधन में शामिल हुए। शाकिब अल हसन शेख हसीना की आवामी लीग से जुड़े हुए हैं। वह बुधवार को हसीना के वर्चुअली संबोधन में शामिल हुए। शाकिब ने सांसद रहते हुए भी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और टी-20 लीग में खेलना नहीं छोड़ा। अगस्त 2024 में जब बांग्लादेश में बगावत शुरू हुई, तब भी शाकिब की आलोचना हुई। सरकारी नौकरियों में आरक्षण के खिलाफ शुरू हुए छात्र आंदोलन के दौरान शाकिब पर आरोप लगे कि उन्होंने अवामी लीग के सांसद होने के कारण चुप्पी साधे रखी।

मेरा रिकॉर्ड शायद वैभव तोड़ेगा

बटलर के बनाया टी-20 में सर्वाधिक रन का रिकॉर्ड

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड के विस्फोटक बल्लेबाज जोस बटलर ने टी20 क्रिकेट में नया इतिहास रच दिया है। द हंड्रेड टूर्नामेंट में मैनचेस्टर सुपर जाएंट्स की ओर से खेलते हुए उन्होंने वेस्टइंडीज के दिग्गज कीरोन पोलार्ड को पीछे छोड़कर टी20 क्रिकेट के इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बनने की उपलब्धि हासिल की। इस उपलब्धि के बाद बटलर ने एक ऐसा बयान दिया, जिसने भारतीय क्रिकेट फैंस का ध्यान अपनी ओर खींच लिया।

वेल्श फायर के खिलाफ मुकाबले में बटलर ने महज 20 गेंदों में नाबाद 51 रन की तूफानी पारी खेली। इस दौरान उन्होंने दो चौके और छह छक्के लगाए। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 250 का रहा। इसी पारी के दौरान उन्होंने टी20 क्रिकेट में अपने कुल रन 14,833 तक पहुंचा दिए।

बटलर ने इस मामले में किरोन पोलार्ड (14,803 रन) को पीछे छोड़ दिया। इससे पहले लंबे समय तक यह रिकॉर्ड वेस्टइंडीज के महान बल्लेबाज क्रिस गेल (14,562 रन) के नाम था। बटलर ने 522 टी20 मैचों में नौ शतक और 105 अर्धशतकों की मदद से यह उपलब्धि हासिल की है।

सूर्यवंशी को लेकर जोस ने की भविष्यवाणी

वैभव सूर्यवंशी का लिया नाम

रिकॉर्ड अपने नाम करने के बाद बटलर ने कहा कि यह उपलब्धि उनके लिए बेहद खास है, लेकिन उन्हें भरोसा है कि भविष्य में कोई न कोई इस रिकॉर्ड को तोड़ेगा। उन्होंने भारतीय युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी का नाम लेते हुए बड़ा बयान दिया। बटलर ने कहा, 'यह सोचकर बहुत अच्छा लगता है कि टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन मेरे नाम हैं। एक दिन कोई न कोई इस रिकॉर्ड को तोड़ेगा और शायद उसका नाम वैभव सूर्यवंशी होगा। लेकिन फिलहाल यह मेरे लिए गर्व का पल है।'

खराब फॉर्म से वापसी पर भी बोले बटलर

बटलर ने माना कि कुछ महीने पहले उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं था, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और लगातार मेहनत करते रहे। उन्होंने कहा, 'क्रिकेट बहुत जल्दी बदल जाता है। कुछ महीने पहले मैं अपनी फॉर्म से जूझ रहा था, लेकिन पिछले कुछ हफ्तों में मुझे लग रहा है कि मैं अपने करियर की सबसे अच्छी बल्लेबाजी कर रहा हूं। आपके पास केवल दो विकल्प होते हैं- या तो हार मान लें या फिर ऊर्जा और दृढ़ संकल्प के साथ वापसी की कोशिश करें। मैंने दूसरा रास्ता चुना और उसी पर ध्यान केंद्रित किया।'

मैनचेस्टर सुपर जाएंट्स ने नौ विकेट से जीता मैच

मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए वेल्श फायर ने मैट शॉर्ट के 71 और फिल सॉल्ट के 48 रन की बदौलत 100 गेंदों में चार विकेट पर 155 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए मैनचेस्टर सुपर जाएंट्स ने शुरुआत से ही आक्रामक बल्लेबाजी की। टिम साइफर्ट ने 36 गेंदों में नाबाद 62 रन बनाए, जबकि पॉल वाल्टर ने 18 गेंदों में 37 रन की तेज पारी खेली। बटलर की नाबाद 51 रन की विस्फोटक पारी की बदौलत टीम ने एक विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया और नौ विकेट से शानदार जीत दर्ज की।

कोच गंभीर की खिलाड़ियों को नसीहत

मानसिक और शारीरिक रूप से सभी तैयार रहे

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के हेड कोच गौतम गंभीर ने शुभमन गिल की अगुवाई वाली टीम इंडिया को श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में हर चुनौती का सामना करने के लिए मानसिक और शारीरिक रूप से तैयार रहने की सलाह दी है। श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज का आगाज 15 अगस्त से होना है। इससे पहले, भारतीय टीम श्रीलंका इलेवन के खिलाफ तीन दिवसीय प्रैक्टिस मैच में हिस्सा लेगी, जिसकी शुरुआत सात अगस्त से होनी है। पहले टेस्ट की मेजबानी गॉल इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम करेगा, जबकि दूसरा टेस्ट मुकाबला 23 अगस्त से कोलंबो का सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब मैदान करेगा।

बीसीसीआई ने शेयर किया वीडियो

गंभीर ने गुरुवार को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर शेयर किए गए वीडियो में कहा, 'दोस्तों, हम जानते हैं कि हमारे सामने क्या है। हम जानते हैं कि हम किसके लिए खेल रहे हैं। हम जोर लगा सकते हैं, हम अपनी सीमा को पार कर सकते हैं, हम सभी चीजों को पूरा कर सकते हैं। 15 तारीख की सुबह, चाहे हम पहले बैटिंग कर रहे हों, या पहले गेंदबाजी कर रहे हों, हमें हर सवाल और हर जवाब के लिए पूरी तरह तैयार रहना है। इसलिए पक्का करें कि हम अभी से सभी चीजों को पूरा करें।'

गंभीर ने सारांश-नबी का किया स्वागत

गंभीर ने नए खिलाड़ियों, ऑफ-स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर सारांश जैन और तेज गेंदबाज आकिब नबी का टेस्ट सेटअप में आधिकारिक तौर पर स्वागत किया। इसके साथ ही हेड कोच ने नए नियुक्त फील्डिंग कोच, सुभादीप घोष का भी स्वागत किया। गंभीर वीडियो में कहते हैं, 'दोस्तों, सभी का स्वागत है। हमारे साथ कुछ नए लोग आए हैं। सबसे पहले, सारांश, बधाई हो, आपने यहां तक पहुंचने के लिए बहुत मेहनत की है। जब भी आपको मौका मिले, अपने परिवार और देश को गर्व महसूस कराना सुनिश्चित करें। दूसरी बात, मैं आकिब को बधाई देना चाहता हूं, आपका पिछला सीजन शानदार रहा था, और आपने जम्मू-कश्मीर को रणजी ट्रॉफी जिताई, जो एक बड़ी उपलब्धि है। एक बार फिर बधाई।'

सुभादीप का भी स्वागत

हेड कोच ने आगे कहा, 'आखिर में, मैं सुभादीप का भी स्वागत करना चाहता हूं। उन्होंने इतने वर्षों तक कई टीमों के साथ काम किया है। मुझे यकीन है कि उनका जुनून, उनकी प्रतिबद्धता इस टीम को आगे ले जाएगी और यह सुनिश्चित करेंगे कि उनका एनर्जी लेवल सभी को टारगेट हासिल करने में मदद करे।'

पहलवान दीपांशु डोप में फंसे

नाडा ने लगाया अस्थायी प्रतिबंध

नई दिल्ली, एजेंसी। एशियाई खेल शुरू होने से पहले ही भारतीय कुश्ती टीम के अभियान को झटका लगा है। लखनऊ में एशियाई खेलों का ट्रायल जीतकर 130 किलो भार वर्ग की ग्रीको रोमन टीम में जगह बनाने वाले पहलवान दीपांशु डोप में

फंस गए हैं। उन पर नाडा ने अस्थायी प्रतिबंध लगा दिया है और उन्हें भारतीय टीम से बाहर कर दिया गया है।

खास बात यह है कि दीपांशु दूसरी बार डोप में पॉजिटिव पाए गए हैं। इससे पहले वह गुजरात में हुए राष्ट्रीय खेलों में डोप के मामले में फंसे थे।

डोप में फंसने के बाद दीपांशु को राष्ट्रीय शिविर से भी बाहर कर दिया गया है। वह हंगरी में होने वाले विश्व चैंपियनशिप में भी खेलने जा रहे थे। उनका वीजा भी लग गया था। उसी समय उनके डोप सैंपल की रिपोर्ट आई। उन्होंने उस दौरान अपना अपराध स्वीकार कर लिया था, जिसके चलते उन्हें तीन साल का प्रतिबंध लगा था। वर्ष 2025 में प्रतिबंध खत्म करने के बाद उन्होंने राष्ट्रीय चैंपियनशिप के जरिए एशियाई खेलों के लिए चयनित होने वाले राष्ट्रीय शिविर में जगह बनाई थी।दीपांशु को एशियाई खेलों में 130 किलो भार वर्ग का प्रबल दावेदार माना जा रहा था। दूसरी बार डोप में फंसने के कारण उन पर अब स्थायी प्रतिबंध लग सकता है। नाडा ने उन्हें आरोप पत्र भेज दिया है। भारतीय कुश्ती महासंघ ने दीपांशु की जगह 130 किलो भार वर्ग में सोतक को शामिल कर लिया है।

विदेशी धरती पर तीन साल बाद टेस्ट जीता पाकिस्तान

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट में आठ विकेट की जीत दर्ज कर दोहरा फायदा हासिल किया। एक ओर टीम ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 की अंकतालिका में एक स्थान की छलांग लगाई, वहीं दूसरी ओर विदेशी सरजमीं पर तीन साल से चली आ रही जीत की तलाश भी खत्म कर दी। बाबर आजम की कप्तानी में मिली यह जीत पाकिस्तान के लिए आत्मविश्वास बढ़ाने वाली साबित हुई।

दूसरे टेस्ट से पहले पाकिस्तान अंकतालिका में नौवें और अंतिम स्थान पर था। वेस्टइंडीज पर जीत के बाद टीम अब आठवें स्थान पर पहुंच गई है। पाकिस्तान का जीत प्रतिशत बढ़कर 22.22 हो गया है, जबकि वेस्टइंडीज एक स्थान नीचे खिसककर नौवें नंबर पर पहुंच गया।

वेस्टइंडीज ने पहली पारी में 344 रन बनाए थे। इसके जवाब में पाकिस्तान ने 387 रन बनाकर 43 रन की अहम बढ़त हासिल की। दूसरी पारी में कैरेबियाई बल्लेबाजी पूरी तरह बिखर गई और पूरी टीम केवल 117 रन पर सिमट गई। पाकिस्तान की जीत में स्पिनरों अली उस्मान और साजिद खान की अहम भूमिका रही। दोनों ने चार-चार विकेट लेकर वेस्टइंडीज की दूसरी पारी को ध्वस्त कर दिया।

टेस्ट चैंपियनशिप तालिका में ये आया बदलाव

रैंक	टीम	मैच	जीत	हार	ड्रॉ	अंक	अंक प्रतिशत
1	ऑस्ट्रेलिया	8	7	1	0	84	87.50
2	दक्षिण अफ्रीका	4	3	1	0	36	75.00
3	न्यूजीलैंड	6	4	1	1	52	72.22
4	बांग्लादेश	4	2	1	1	28	58.33
5	भारत	9	4	4	1	52	48.15
6	श्रीलंका	4	1	1	2	20	41.67
7	इंग्लैंड	13	4	8	1	38	24.36
8	पाकिस्तान	6	2	4	0	16	22.22
9	वेस्टइंडीज	12	2	8	2	30	20.83

75 रन का लक्ष्य आसानी से किया हासिल

जीत के लिए 75 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही। इमाम-उल-हक जल्दी आउट हो गए, जबकि अजान अवैस भी बड़ी पारी नहीं खेल सके। इसके बाद कप्तान बाबर आजम और अब्दुल्ला शफीक ने जिम्मेदारी संभाली। दोनों बल्लेबाज 24-24 रन बनाकर नाबाद लौटे और पाकिस्तान ने केवल दो विकेट खोकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ दो मैचों की टेस्ट सीरीज 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुई। पहले टेस्ट में वेस्टइंडीज ने पाकिस्तान को 90 रन से हराया था।

बीडब्ल्यूएफ चैंपियनशिपः आयुष की पहले ही दौर में मौजूदा चैंपियन शी यूकी से भिड़ंत, सिंधू-लक्ष्य को आसान शुरुआत

नई दिल्ली। बीडब्ल्यूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप के ड्रॉ में भारतीय खिलाड़ियों को मिला-जुला मुकाबला मिला है। एशियन चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता आयुष शेट्टी को पहले ही दौर में मौजूदा विश्व चैंपियन और चीन के स्टार शी यूकी का सामना करना होगा। वहीं, पीवी सिंधू और लक्ष्य सेन को शुरुआती दौर में अपेक्षाकृत आसान प्रतिद्वंद्वी मिले हैं। 17 से 23 अगस्त तक नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में होने वाली इस प्रतियोगिता की मेजबानी भारत 17 साल बाद कर रहा है।

पूर्व विश्व चैंपियन पीवी सिंधू अपने अभियान की शुरुआत आयरलैंड की विश्व नंबर 141 सोफिया नोबेल के खिलाफ करेंगी। सिंधू विश्व चैंपियनशिप में रिकॉर्ड छठा पदक जीतने के इरादे से उतरेंगी। ड्रॉ के अनुसार सिंधू पदक दौर से पहले दुनिया की नंबर एक एन से यंग (दक्षिण कोरिया) और मौजूदा विश्व

चैंपियन अकाने यामागुची (जापान) से भिड़ने से बच गई हैं। हालांकि, प्री-क्वार्टर फाइनल में उनका सामना चीन की तीसरी वरीय वांग झी यी से हो सकता है, जबकि क्वार्टर फाइनल में इंडोनेशिया की छठी वरीय पुत्री कुसुमा वारदानी चुनौती बन सकती हैं। 2021 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य सेन पहले दौर में ऑस्ट्रिया के कोलिन्स वेलेंटाइन फिलिमोन से भिड़ेंगे। अगर वह आगे बढ़ते हैं तो प्री-क्वार्टर फाइनल में दूसरी वरीयता प्राप्त थाईलैंड के कुनलावुत वितिदसर्न से संभावित मुकाबला हो सकता है। भारतीय खिलाड़ियों में सबसे कठिन ड्रॉ आयुष शेट्टी को मिला है। उनका पहले ही मैच में चीन के शीर्ष खिलाड़ी और मौजूदा विश्व चैंपियन शी यूकी से सामना होगा। आयुष अब तक शी यूकी के खिलाफ तीनों मुकाबले हार चुके हैं, लेकिन हालिया मुकाबलों में उन्होंने चीनी खिलाड़ी को कड़ी टक्कर दी है।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com